शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 223 | गुवाहाटी | मंगलवार, 12 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति के विरुद्ध भाजपा की विकास की राजनीति — पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी ने सशक्त नारी-विकसित भारत कार्यक्रम में नमो ड्रोन दीदियों को .. — पेज 4
किसान पथ के जरिए धरातल पर उतर रहा है अटल जी का सपना : योगी आदित्यनाथ — पेज 5
कांग्रेस के होते हुए कोई एक इंच भी संविधान को बदल नहीं सकता : दीपेंद्र हुड्डा — पेज 8

सीएए लागू

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आज नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) नियमों को अधिसूचित कर दिया है। इसके तहत शरणार्थियों को देश की नागरिकता मिल सकेगी। जानकारी के मुताबिक, सीएए के नियम जारी होने के बाद अब पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक शरणार्थियों को भारत की नागरिकता मिल सकेगी। आवेदन पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में जमा किए जाएंगे, जिसके लिए एक वेब पोर्टल प्रदान किया गया है। देश में लोकसभा चुनाव से पहले *नागरिकता संशोधन अधिनियम* (सीएए) के नियम लागू करने को लेकर विपक्ष सरकार पर सवाल उठा रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तो इस मामले में केंद्र पर सीधे-सीधे हमलावर हो गई हैं। नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों के तहत भारत के तीन मुस्लिम पड़ोसी देश, जिनमें पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं, से आए गैर मुस्लिम प्रवासी लोगों के लिए भारत की नागरिकता लेने के नियम आसान हो जाएंगे। इन छह समुदायों में हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी शामिल हैं। नागरिकता संशोधन विधेयक 11 दिसंबर, 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था। एक दिन बाद ही इस विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति मिल गई थी। सीएए के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता लेने में आसानी होगी। ऐसे अल्पसंख्यक, 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश कर चुके हों। इससे पहले भारत की नागरिकता हासिल करने के लिए किसी भी व्यक्ति को कम से कम 11 साल तक भारत में रहना जरूरी था। नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 के अंतर्गत इस नियम को आसान बनाया गया है। नागरिकता हासिल करने की अवधि को 1 से 6 साल किया गया है। सीएए को लेकर देश में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। कई राजनीतिक दलों ने भी इसका विरोध किया था। उस वक्त केंद्र सरकार इसे लागू करने का मन बना चुकी थी, लेकिन कोरोना के चलते सीएए अधर में लटक गया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में 200 से अधिक जनहित याचिकाएं दायर की गई थीं। इन सबके -शेष पृष्ठ दो पर

असम हाई अलर्ट पर

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आज नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लागू किए जाने संबंधी एलान किए जाने के बाद देश के अन्य हिस्सों के साथ ही असम में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। राजधानी गुवाहाटी के सभी प्रमुख स्थानों पर असम पुलिस, असम पुलिस बटालियन, केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों के साथ ही अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया गया। पुलिस प्रशासन किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए हैं। गुवाहाटी के अलावा राज्य के अन्य हिस्सों में भी सीएए को लेकर विरोध प्रदर्शन कर स्थिति को खराब करने वालों पर पुलिस प्रशासन कड़ी निगरानी कर रही है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पहले ही कहा था कि सीएए के लागू किए जाने का विरोध सड़कों पर करने की बजाय विरोध करने वालों को न्यायालय में इसको चुनौती देनी चाहिए। उन्होंने कहा पूर्व में कानून को रद्द करने के लिए न्यायालय द्वारा उठाए गए कदमों का हवाला दिया। उन्होंने कहा है कि राजनेता अगर कानून के विरुद्ध कोई कदम उठाते हैं तो वे चुनाव आयोग से ऐसे नेताओं की पार्टियों की मान्यता को रद्द करने की मांग करेंगे। ज्ञात हो कि जब से देश में सीएए को लागू किए जाने की जानकारी -शेष पृष्ठ दो पर

जो कहा सो किया : भाजपा

नई दिल्ली। देश में नागरिकता कानून (सीएए) लागू होने के बाद देश के अलग-अलग हिस्सों में जश्न का माहौल है। सीएए लागू होने के बाद उत्तरी बंगाल में लोगों ने जश्न मनाया। इस बीच भारतीय जनता पार्टी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर कहा कि जो कहा सो किया, मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) की अधिसूचना जारी कर पूरी की अपनी गारंटी। बता दें कि विवादास्पद नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए), 2019 को लागू करने से जुड़े नियमों को सोमवार को अधिसूचित कर दिया गया जिससे पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से दस्तावेज के बिना आने वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता देने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक बार सीएए के नियम जारी हो जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार 31 दिसंबर,2014 तक भारत आए बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों (हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई) को भारतीय नागरिकता देना शुरू कर देगी। सीएए को दिसंबर, 2019 में संसद में पारित किया गया था और बाद में इसे राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई थी, लेकिन इसके खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। यह कानून अब तक लागू नहीं हो सका था क्योंकि इसके कार्यान्वयन के लिए नियमों को अब तक अधिसूचित किया जाना बाकी था, लेकिन अब रास्ता साफ हो गया है। संसदीय कार्य नियमावली के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने दिया धरना

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू किए जाने के विरोध में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश मुख्यालय में गुवाहाटी महानगर जिला कांग्रेस की पहल पर आज धरना कार्यक्रम आयोजित किया गया। धरना में पूर्व सांसद बलिन कुली और द्विजेन शर्मा, वार रूम के अध्यक्ष मेंहदी आलम बोरा, उपाध्यक्ष बालिका लाहन पेगू, महासचिव (प्रशासन) बिपुल गोगोई आदि नेताओं ने भाजपा सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सीएए को जबरन असम के लोगों पर थोपने की कोशिशें की जा रही है। धरना में पूर्व सांसद अब्दुल हमीद, सेवा दल के अध्यक्ष दीप बायन, महासचिव अनवर अहमद, अरफान अली हजारिका, मौसमी नेउग, मइनाजान बेगम, रूपा देओरी, सैलेन बोरा, भास्कर गोहाईं, बिदेश्वर राय, अमीनुर रशीद चौधरी, रशांत मजूमदार, प्रणव कुमार सैकिया, रंजीत ठकुरिया, पीतांबर जोशी, रीना बेगम, अल्ताफ हुसैन भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री के सफेद झूठ की एक और झलक : विपक्ष

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि चुनाव से ठीक पहले नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को अधिसूचित करने का केंद्र का निर्णय चुनावों का ध्रुवीकरण करने के लिए बनाया गया है। जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिसंबर 2019 में संसद द्वारा पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को अधिसूचित करने में मोदी सरकार को चार साल और तीन महीने लग गए। प्रधानमंत्री दावा करते हैं कि उनकी सरकार बिल्कुल प्रोफेशनल ढंग से और समयबद्ध तरीके से काम करती है। सीएए के नियमों को अधिसूचित करने में लिया गया इतना समय प्रधानमंत्री के सफेद झूठ की एक और -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए : राज्य में कांग्रेस समेत 16 पार्टियों ने किया बंद का एलान

अदालत के आदेश की अवहेलना हुई तो हो सकता है पंजीकरण रद्द : सीएम

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले असम में 2019 के संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) के खिलाफ कांग्रेस के नेतृत्व में 16 विपक्षी दलों ने विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की। मामले पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अगर राजनीतिक दल अदालत के आदेशों का उल्लंघन करके बंद करते हैं तो उनका रजिस्ट्रेशन रद्द हो सकता है। खबरों के मुताबिक, सीएम शर्मा ने कहा कि 2019 के संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) के किसी भी विरोध को सुप्रीम कोर्ट में ले जाया जाना चाहिए और सड़कों पर विरोध करने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा क्योंकि कानून पहले ही बन चुका है। उन्होंने एक कार्यक्रम के इतर कहा कि हर किसी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन अगर कोई राजनीतिक दल अदालत के आदेश की अवहेलना करता है तो उसका पंजीकरण रद्द किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हालांकि छात्र संगठनों के लिए बंद का आह्वान करना स्वीकार्य है, लेकिन गौहाटी हाई कोर्ट के बंद पर रोक लगाने के आदेश -शेष पृष्ठ दो पर

शांति बनाए रखें, घबराएं नहीं : मुस्लिम धर्मगुरु

नई दिल्ली। देश में नागरिकता कानून लागू होने के बाद मुस्लिम धर्मगुरूओं ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने सीएए लागू होने पर कहा कि हम सभी से अपील करना चाहते हैं कि वे शांत रहें और घबराएं नहीं। हमारी कानूनी टीम इस पर गौर करेगी और आगे के फैसले लिए जाएंगे। इससे पहले केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने कहा कि वह केरल में सीएए को लागू नहीं होने देंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि अगर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) -शेष पृष्ठ दो पर

ममता ने सीएए व एनआरसी पर फिर केंद्र पर साधा निशाना

कोलकाता (हि.स.)। संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) को लेकर केंद्र सरकार की ओर से जल्द ही अधिसूचना जारी किए जाने के संकेत दिए जाने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसके विरोध में उतर गई हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि अगर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) लोगों के समूहों के साथ भेदभाव करता है, तो वह इसका विरोध करेंगी। सीएए और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को पश्चिम -शेष पृष्ठ दो पर

सीईसी का अपने पर्यवेक्षकों को निर्देश, कहा-

स्वतंत्र, निष्पक्ष, भय और प्रलोभन मुक्त चुनाव सुनिश्चित करें

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को अपने पर्यवेक्षकों से जोर-जबरदस्ती और भय से मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने को कहा। आयोग ने केंद्रीय और राज्य बलों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल पर जोर दिया और कहा कि उनकी तैनाती किसी खास दल को फायदा नहीं पहुंचाएगी। लोकसभा और कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों के एलान से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित किया। बैठक में 2,100 से ज्यादा पुलिस अधिकारी और व्यय पर्यवेक्षक मौजूद थे। कुमार ने उन्हें स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव भय और प्रलोभन से मुक्त होने चाहिए। सीईसी ने उन्हें याद दिलाया कि वे एक पर्यवेक्षक के रूप में आयोग का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनसे पेशवर आचरण करने और उम्मीदवारों सहित सभी हितधारकों के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

विश्व के सबसे बड़े साहित्योत्सव का शुभारंभ अर्जुन राम मेघवाल ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली (हि.स.)। साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित किए जा रहे विश्व के सबसे बड़े साहित्योत्सव का सोमवार को विधिवत उद्घाटन संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साहित्य लेखन एक अलग ही कला है और साहित्यकार एक साधक होता है। साधक साहित्यकार ही एक बेहतर संस्कृति का, एक बेहतर समाज का और एक बेहतर देश का निर्माण करते हैं। अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि साहित्य का उन पर भी बहुत प्रभाव हुआ है और उसी के कारण उन्होंने जीवन में मीठा बोलना सीखा है। उन्होंने मैथिलीशरण गुप्त और अन्य कवियों की पंक्तियों का उदाहरण देते हुए कहा कि साहित्य मनुष्य में विवेक पैदा करता है, जिसकी राष्ट्र-निर्माण में बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने अपनी पत्नी पर लिखी पुस्तक के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सीएम ने कलियाबर में कई परियोजनाओं की रखी आधारशिला

नगांव (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा विकास यात्रा के लिए सोमवार को कलियाबर पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने लगभग 200 करोड़ रुपए की कुल लागत से कलियाबर में कई स्थानों पर प्रस्तावित कई परियोजनाओं का शिलान्यास और भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री ने कलियाबर के आरिमरा में मॉडल डिग्री कॉलेज और 150 बिस्तरों वाले जिला अस्पताल की आधारशिला रखी। असम माला योजना के तहत मुख्यमंत्री ने कुंवरीटोल-सिलघाट- जखलाबंधा पथ के विस्तार योजना का भूमि पूजन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने नागशंकर में डॉ. टी. आओ स्टेडियम के नवनिर्मित मंडप का उद्घाटन कर समारोह को संबोधित किया। डॉ. टी आओ स्टेडियम में 10 हजार से अधिक लोगों की उपस्थिति में आयोजित खुली बैठक में मंत्री केशव महंत के साथ काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र से सांसद और भाजपा गठबंधन के उम्मीदवार कामाख्या प्रसाद तासा भी थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने चाय बागानों के लोगों के लिए 30 एम्बुलेंस भी प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कुवारिटोल में एक सरकारी लॉ कॉलेज और उलुवनी में आयुष अस्पताल की आधारशिला रखी।

मुख्यमंत्री ने राज्य की छात्राओं को दी खुशखबरी

गोलाघाट (हि.स.)। आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गोलाघाट से राज्य की छात्राओं को खुशखबरी दी। मैट्रिक पास करने वाली छात्राओं को मुफ्त प्रवेश, स्कूटी और किताबें उपलब्ध कराने के नाम पर अतिरिक्त 10 हजार रुपए दिए जाएंगे। वहीं, हायर सेकेंडरी पास करने वाली छात्राओं को 12 हजार 500 रुपए और यूनिवर्सिटी जाने वाली छात्राओं को 15 हजार रुपए दिए जाएंगे। गोलाघाट के समन्वय क्षेत्र में आयोजित विकास यात्रा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब से माता-पिता लड़कों को पढ़ाने की जिम्मेदारी लेंगे और *मामा* यानी मुख्यमंत्री लड़कियों को शिक्षित कराने की जिम्मेदारी लेंगे।

गाजीपुर हादसे में अभी तक पांच लोगों की मौत, कई लोग झुलसे

एक्सईएन और जेई समेत तीन निलंबित, लाइनमैन की सेवा समाप्त

गाजीपुर (हि.स.)। जनपद के खिरिया गांव से सोमवार को शादी के लिए निकली बारातियों से भरी बस महाहर धाम के पास हाईटेंशन तार की चपेट में आ गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग झुलसी हालत में आसपास के अस्पतालों में भर्ती हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे में पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग का ऐलान किया है। सरकार के दो मंत्री घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने पत्रकारों को बताया कि मऊ जिले के रानीपुर थाना क्षेत्र के खिरिया गांव से बारात महाहर धाम मंदिर पहुंची थी। मंदिर के पास बैरियर पर बस की एंट्री रोक दी गई थी। इस वजह से चालक दूसरे रास्ते से बस को ले जाने लगा। इसी बीच ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के तार की चपेट में बस आ गई। बस में आग लगने से कई लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई और कई घायल हैं। एसपी ने बताया कि हादसे में पांच लोगों के मौत की पुष्टि हुई है, जबकि पांच लोगों को जिला अस्पताल भेजा गया है। जबकि कुछ अन्य घायल मऊ के अस्पतालों में अपना इलाज करवा रहे हैं। इनमें कई लोगों की हालत नाजुक है और मौतों का आकड़ा बढ़ भी सकता है। उन्होंने बताया कि मंदिर के आसपास बड़े वाहनों की आवाजाही पर रोक लगी है। इस वजह से प्रशासन ने बस को मंदिर से कुछ ही दूरी पर रोक दिया था। बस से दुल्हन को उतारने के बाद चालक कच्चे रास्ते से भैरव मंदिर की तरफ बस ले जाने लगा। इसी रास्ते में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर बस आग को गोला बन गई। बस में लगभग 30 से 35 की संख्या में बाराती सवार थे। हादसे में पांच लोगों के मौत की पुष्टि हुई है। उधर मरदह क्षेत्र में वैवाहिक कार्यक्रम में आ रही बस के हाईटेंशन तार से छू जाने से लगी आग में पांच लोगों के जिंदा जलने और 15 के घायल होने की घटना के बाद ऊर्जा मंत्री एके शर्मा देर रात घटनास्थल पर पहुंचे। मंत्री ने घटना के लिए प्रथमदृष्टया लापरवाही मानते हुए विद्युत वितरण खंड प्रथम के अधिशासी अभियंता मनीष कुमार, एसडीओ संतोष चौधरी, जेई प्रदीप कुमार राय को निलंबित और लाइनमैन नरेंद्र (संविदा कर्मी) की सेवा समाप्ति के निर्देश दे दिए हैं।

तीन हजार सरकारी कर्मचारियों ने अपने स्थान पर दूसरे लोगों को काम पर रखा, लालडुहोमा सरकार ने की कार्रवाई

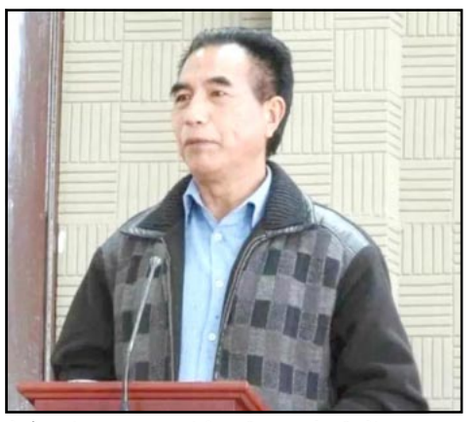

एजल। मिजोरम के सरकारी विभाग में लगभग 3,365 कर्मचारियों ने अपने स्थान पर दूसरे लोगों को काम पर रखा है, जो विभिन्न विभागों में काम करते हैं। खासकर ग्रामीण इलाकों में, उनके स्थान पर अवैध रूप से कर्मचारी काम कर रहे हैं। विभिन्न विभागों द्वारा सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट में इन अनियमितताओं का खुलासा हुआ है । पिछले साल दिसंबर में सत्ता संभालने के तुरंत बाद, मुख्यमंत्री लालदूहोमा के नेतृत्व वाली जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) सरकार ने प्रॉक्सी कर्मचारियों के बारे में जानकारी मांगी और उन्हें जनवरी तक रिपोर्ट करने को कहा। अधिकारियों ने कहा कि विसंगतियों के बारे में अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्कूल शिक्षा विभाग में सबसे अधिक 1,115 स्थानापन्न कर्मचारी हैं, इसके बाद स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग में 624 और बिजली विभाग में 253 प्रॉक्सी हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, जिन लोगों ने स्थानापन्न कर्मचारियों को काम पर रखा था, उनमें से 2,070 सरकारी कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें स्वास्थ्य कारणों से ऐसा करना पड़ा, जबकि 703 ने घरेलू समस्याओं का हवाला दिया। प्रॉक्सी को काम पर रखने के लिए कर्मचारियों द्वारा उद्धृत अन्य कारणों में आवासीय क्वार्टरों की अनुपस्थिति, उन गांवों की दुर्गमता, जहां उन्हें तैनात किया गया था और भाषा की समस्याएं शामिल थीं। लालदूहोमा ने हाल ही में कहा था कि राज्य कैबिनेट सरकारी कर्मचारियों द्वारा स्थानापन्न लोगों को काम पर रखने के मामलों पर विचार करेगी और अंतिम निर्णय लेगी। मिजोरम में लगभग 50,000 राज्य सरकार के कर्मचारी हैं।

हाल में हुई बारिश के कारण दिलीप कुमार का पैतृक आवास क्षतिग्रस्त

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार का पैतृक आवास हाल में हुई बारिशों के चलते गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद लगभग ढहने के कगार पर है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मूसलाधार बारिश ने घर के पुनर्वास और नवीनीकरण के बारे में खैबर पख्तूनख्वा के पुरालेख विभाग के बड़े-बड़े दावों की पूरी तरह से पोल खोल दी है। दिलीप कुमार का जन्म 1922 में पेशावर शहर के ऐतिहासिक किस्सा ख्वानी बाजार के पीछे मुहल्ला खुदादाद में स्थित इस घर में हुआ था और 1932 में भारत जाने से पहले उन्होंने अपने शुरुआती 12 साल यहीं बिताए थे। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 13 जुलाई 2014 को इस घर को पाकिस्तान का राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित किया था। कुमार एक बार अपने घर आए थे और उन्होंने भावुक होकर वहां की मिट्टी को चूम लिया था। खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की विरासत परिषद के सचिव शकील वहीदुल्ला खान ने कहा कि पेशावर में हाल में हुई बारिश ने कुमार के घर को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। वर्ष 1880 में बनी इस संपत्ति के बारे में उन्होंने कहा कि खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की पिछली सरकार ने काफी सारे अनुदान देने का वादा किया था, इसके बावजूद इस राष्ट्रीय विरासत की सुरक्षा व संरक्षण के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया है। दुनिया भर से यहां आने वाले पर्यटक ऐतिहासिक संपत्ति की जर्जर हालत देखकर निराश हो जाते हैं। पुरालेख विभाग द्वारा घर का अधिग्रहण करने से पहले इसकी देखभाल करने वाले मुहम्मद अली मीर ने कहा कि वह बहुत सावधानी से इसकी उचित तरीके देखभाल कर रहे थे। अली ने कहा कि पुरालेख विभाग द्वारा अधिग्रहण के बाद घर की हालत खराब होने लगी और इसके पुनर्वास व नवीनीकरण की प्रक्रिया बयानों तक सिमट कर रह गई।

प्रधानमंत्री आज करेंगे बीकानेर मंडल के विभिन्न प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण

बीकानेर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 12 मार्च, मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा। सोमवार को मीडिया से बातचीत करते हुए डीआरएम डॉ. आशीष कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 15 दिसंबर 2021 को लॉन्च किए गए गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल जीटी के संबंध में प्रधानमंत्री के गति शक्ति के दृष्टिकोण और रेल मंत्रालय की नीति के अनुसरण में गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों को रेल कार्गो हैंडलिंग के लिए विकसित किया जा रहा है। साथ ही बड़ी संख्या में स्टेशनों पर नए गुड्स शेड सुविधाओं की स्थापना और मौजूदा गुड्स शेड (जो रेलवे संसाधनों की कमी के कारण कार्य करने में असमर्थ हैं) को विकसित करने की अनुमति देकर टर्मिनल क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि रेल मंत्रालय ने भारत सरकार के वोकल फॉर लोकल दृष्टिकोण को बढ़ावा देने, स्थानीय/ स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार प्रदान करने और हाशिए पर रहने वाले समाज के वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (ओएसओपी) योजना शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य देशभर के रेलवे स्टेशनों पर बिक्री आउटलेट के प्रावधान के माध्यम से स्थानीय कारीगरों, कुम्हारो, बुनकरों, हथकरघा बुनकरों, शिल्पकारों आदि को आजीविका के बेहतर अवसर प्रदान करना है। बीकानेर मंडल पर दो गति शक्ति कार्गो टर्मिनल, एक गुड्स शेड तथा हिसार स्टेशन सहित 25 स्टेशनों पर वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल का लोकार्पण प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा। मंडल पर 14 स्थानों पर लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें भट्टू और लाहली में गति शक्ति कार्गो टर्मिनल तथा मानहेरू में गुड्स शेड का लोकार्पण होगा। कुछ स्टेशनों पर दो तीन स्टेशनों के स्टॉल का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिन स्टेशनों पर वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल का लोकार्पण होगा उनमें बीकानेर (लालगढ़ एवं लूणकरणसर सहित), हिसार (हांसी एवं मंडी आदमपुर सहित), श्रीगंगानगर (सूरतगढ़ रायसिंहनगर तथा श्री करनपुर सहित), हनुमानगढ़ (गोगामेडी नोहर एवं संगरिया सहित), भिवानी (लोहारू सहित), चूरू (रतनगढ़ सहित), कालांवाली (ऐलनाबाद एवं मंडी डबवाली सहित), कोसली, रामां, महेंद्रगढ़, चरखी दादरी शामिल है। कार्यक्रम में स्थानीय सांसद, विधायक तथा जनप्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। इनके अलावा स्थानीय कारीगरों, कुम्हारो, बुनकरों, हथकरघा बुनकरों, शिल्पकारों आदि विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.35PSC/DR-79/1/2023-2024

NOTIFICATION

This is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold the Screening Test (OMR Based) for recruitment to the post of **Inspector of Schools / District Elementary Education Officers / Deputy Director under Assam Education Service (Advt. No. 32/2023, dtd 12/12/2023)** on **07-04-2024 (Sunday)** as per programme given below:

PROGRAMME OF SCREENING TEST

Name of Post	Date & Day	Time	Subjects
Inspector of Schools / District Elementary Education Officers / Deputy Director under Assam Education Service	7th April, 2024 (Sunday)	**10:00 AM to 12 Noon (Forenoon)**	**General Studies**

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. The list of candidates shall be uploaded on 27-03-2024 and e-Admission Certificate on 01-04-2024 in the Commission's official website **(www.apsc.nic.in)**. The candidates shall have to download their own e-Admission Certificate from the aforesaid website.

The Commission would like to clarify that the Commission reserves the right **to cancel the candidature of any candidate on verification of their application form** at any time or stage even after the screening Test, if it is found that they do not fulfill any of the eligibility criteria/conditions as per terms of the **Advt. No. 32/2023, Dated 12" Dec/2023.**

PwBD candidates willing to apply for scribe for the said Screening Test may inform in writing with supporting documents to the Commission or send mail to apsc-asm@nic.in on or before 30-03-2024

Sd/-
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/19264/ 23/12-Mar-24

पृष्ठ एक का शेष

सीएए लागू

बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यह कहते रहे कि सीएए हर सूरत में लागू किया जाएगा। कोविड-19 महामारी के कारण इस अधिनियम को लागू करने में देरी हुई है। जो लोग सोचते हैं कि ऐसा नहीं होगा, वे गलत साबित होंगे। सीएए, किसी व्यक्ति को खुद नागरिकता नहीं देता है। इसके जरिए पात्र व्यक्ति, आवेदन करने के योग्य बनता है। यह कानून उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए थे। इसमें प्रवासियों को वह अवधि साबित करनी होगी कि वे इतने समय में भारत में रह चुके हैं। उन्हें यह भी साबित करना होगा कि वे अपने देशों से धार्मिक उत्पीड़न की वजह से भारत आए हैं। वे लोग उन भाषाओं को बोलते हैं, जो संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हैं। उन्हें नागरिक कानून 1955 की तीसरी सूची की अनिवार्यताओं को भी पूरा करना होगा। इसके बाद ही प्रवासी आवेदन के पात्र होंगे।

जो कहा सो...

किसी भी कानून के नियम राष्ट्रपति की मंजूरी के छह महीने के भीतर तैयार किए जाने चाहिए अन्यथा सरकार को लोकसभा और राज्यसभा की अधीनस्थ विधान समितियों से अवधि में विस्तार करने की मांग करनी होगी। वर्ष 2020 से गृह मंत्रालय नियम बनाने के लिए संसदीय समिति से नियमित अंतराल पर अवधि में विस्तार प्राप्त करता रहा है। गृह मंत्रालय ने आवेदकों की सुविधा के लिए एक पोर्टल तैयार किया है क्योंकि पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। आवेदकों को वह वर्ष बताना होगा जब उन्होंने यात्रा दस्तावेजों के बिना भारत में प्रवेश किया था। एक अधिकारी ने कहा, आवेदकों से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। वर्ष 27 दिसंबर, 2023 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि सीएए को लागू होने से को कोई नहीं रोक सकता क्योंकि यह देश का कानून है। इस बीच, पिछले दो वर्षों में नौ राज्यों के 30 से अधिक जिला अधिकारियों और गृह सचिवों को नागरिकता अधिनियम-1955 के तहत अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों को भारतीय नागरिकता देने की शक्तियां दी गई हैं। गृह मंत्रालय की 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, एक अप्रैल 2021 से 31 दिसंबर 2021 तक इन तीन देशों के गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों के कुल 1,414 विदेशियों को भारतीय नागरिकता दी गई। वे नौ राज्य जहां पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत पंजीकरण या देशीयकरण द्वारा भारतीय नागरिकता दी जाती है उनमें गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र शामिल हैं। असम और पश्चिम बंगाल में यह मुद्दा राजनीतिक रूप से बहुत संवेदनशील है, लेकिन सरकार ने इन दोनों राज्यों में से किसी भी जिले को अब तक नागरिकता प्रदान करने की शक्ति नहीं प्रदान की है।

असम हाई अलर्ट ...

सामने आई थी तभी से असम में छात्र संगठन आसू अन्य 30 जनगोष्ठी संगठनों के साथ राज्य के अलग-अलग जिलों में पिछले कुछ दिनों से धरना एवं प्रदर्शन कर रहा है। कांग्रेस और एआईयूडीएफ भी इस कानून का विरोध करती नजर आ रही है। माना जा रहा है कि आगामी मंगलवार को राज्य में सीएए का जोरदार विरोध हो सकता है। अब देखना होगा कि राज्य सरकार विरोध की आग पर कैसे काबू पाती है।

प्रधानमंत्री के सफेद...

झलक है। रमेश ने कहा कि नियमों की अधिसूचना के लिए नौ बार एक्सटेंशन मांगने के बाद घोषणा करने के लिए जानबूझकर लोकसभा चुनाव से ठीक पहले का समय चुना गया है। ऐसा स्पष्ट रूप से चुनाव को ध्रुवीकृत करने के लिए किया गया है, विशेष रूप से असम और बंगाल में। यह इलेक्टोरल बांड घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार और सख्ती के बाद हेडलाइन को मैनेज करने का प्रयास भी प्रतीत होता है। संसद में पारित होने के पांच साल बाद केंद्र ने सोमवार को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू कर दिया। यह अधिसूचना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले आई है। आवेदन ऑनलाइन मोड में जमा किए जाएंगे जिसके लिए एक वेब पोर्टल उपलब्ध कराया गया है। पिछले महीने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि इस संबंध में नियम जारी कर इस साल लोकसभा चुनाव से पहले सीएए लागू किया जाएगा।

अदालत के आदेश ...

के कारण राजनीतिक दल राज्य में ऐसा नहीं कर सकते। उन्होंने सीएए लागू होने पर विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से तीव्र आंदोलन की घोषणा का जिक्र करते हुए कहा कि अगर कोई राजनीतिक दल उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करता है तो हम इसे लेकर निर्वाचन आयोग के पास जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएए का विरोध करने वालों को अपनी बात सुप्रीम कोर्ट के सामने रखनी चाहिए क्योंकि वही एकमात्र प्राधिकारी है जो अब इस कानून को रद्द कर सकता है। असम के सीएम ने कहा कि अगर अधिक तीव्र आंदोलन करना था तो यह कानून पारित होने से पहले किया जाना चाहिए था। अब यह केवल नियमों को अधिसूचित करने का मामला है, जिसे करने के लिए सरकार बाध्य है। अब अगर कुछ आंदोलन होता भी है तो यह मेरी गारंटी है कि कोई नया व्यक्ति इसमें शामिल नहीं होगा। यह कानून बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश करने वाले हिंदुओं, जैनों, ईसाइयों, सिखों, बौद्धों और पारसियों को यहां पांच वर्ष निवास करने के बाद भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान करता है। सोलह समूहों वाले यूनाइटेड अपोजिशन फोरम, असम (यूओएफए) के सदस्यों ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय असम दौरे के दौरान विरोध प्रदर्शन किया था। मंच ने कहा था कि अधिनियम लागू होने के अगले ही दिन राज्यव्यापी बंद आहूत किया जाएगा, जिसके बाद जनता भवन (सचिवालय) का *घेराव* किया जाएगा। राज्यसभा से 11 दिसंबर, 2019 को सीएए पारित करने के बाद राज्य में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ था, जिसमें आंदोलनकारियों की सुरक्षा बलों के साथ तीखी झड़प हुई थी, जिससे प्रशासन को कई कस्बों और शहरों में कर्फ्यू लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहले कहा था कि सीएए नियमों को लोकसभा चुनाव से पहले अधिसूचित और लागू किया जाएगा।

शांति बनाए रखें...

लोगों के समूहों के साथ भेदभाव करता है, तो वह इसका विरोध करेंगी। सीएए और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के लिए संवेदनशील करार देते हुए बनर्जी ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव से पहले अशांति नहीं चाहती हैं। बनर्जी ने कहा कि ऐसी खबरें हैं कि सीएए को अधिसूचित किया जाएगा। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि हम लोगों के साथ भेदभाव करने वाली किसी भी चीज का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें (केंद्र) नियम सामने आने दीजिए, फिर हम नियमों को पढ़ने के बाद इस मुद्दे पर बात करेंगे। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव से पहले देश और खासकर पश्चिम बंगाल एवं असम में ध्रुवीकरण का प्रयास किया गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि चुनावी बॉण्ड पर उच्चतम न्यायालय की फटकार के बाद सरकार ने *हेडलाइन मैनेज करने* की कोशिश भी की है। विवादास्पद नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए), 2019 को लागू करने से जुड़े नियमों को सोमवार को अधिसूचित कर दिया गया, जिससे पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से दस्तावेज के बिना आने वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता देने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक बार सीएए के नियम जारी हो जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार 31 दिसंबर,2014 तक भारत आए बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों (हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई) को भारतीय नागरिकता देना शुरू कर देगी। रमेश ने *एक्स* पर पोस्ट किया कि दिसंबर, 2019 में संसद द्वारा पारित नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के नियमों को अधिसूचित करने में मोदी सरकार को चार साल और तीन महीने लग गए। प्रधानमंत्री दावा करते हैं कि उनकी सरकार बिल्कुल पेशेवर और समयबद्ध तरीके से काम करती है। सीएए के नियमों को अधिसूचित करने में लिया गया इतना समय प्रधानमंत्री के सफेद झूठ की एक और झलक है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएए के नियमों की अधिसूचना के लिए नौ बार समयसीमा बढ़ाने की मांग के बाद इसकी घोषणा करने के लिए जानबूझकर लोकसभा चुनाव से ठीक पहले का समय चुना गया है। रमेश ने दावा किया कि ऐसा स्पष्ट रूप से चुनाव में ध्रुवीकरण करने के लिए किया गया है, विशेष रूप से असम और बंगाल में। यह चुनावी बॉण्ड घोटाले पर उच्चतम न्यायालय की कड़ी फटकार और सख्ती के बाद हेडलाइन को मैनेज करने का प्रयास भी प्रतीत होता है।

ममता ने सीएए...

बंगाल और पूर्वोत्तर के लिए संवेदनशील करार देते हुए बनर्जी ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव से पहले अशांति नहीं चाहती हैं। दोपहर में यह खबर आई थी कि सीएए को लेकर अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके बाद राज्य सचिवालय में जल्दबाजी में बुलाए गए एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने कहा कि ऐसी खबरें हैं कि सीएए को अधिसूचित किया जाएगा। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि हम लोगों के साथ भेदभाव करने वाली किसी भी चीज का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि नियम सामने आने दीजिए, फिर हम नियमों को पढ़ने के बाद इस मुद्दे पर बात करेंगे। उल्लेखनीय है कि नागरिकता अधिनियम और एनआरसी को लेकर सबसे अधिक विरोध प्रदर्शन पश्चिम बंगाल में हुए हैं।

स्वतंत्र, निष्पक्ष, भय...

सुलभ होने की उम्मीद की जाती है। आयोग ने एक बयान में कहा कि पर्यवेक्षकों को अपने काम के प्रति आचरण में सख्त लेकिन लोगों के साथ विनम्र रहने का निर्देश दिया गया। पर्यवेक्षकों को पूरी चुनावी प्रक्रिया के दौरान आवंटित संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं के भीतर सीमित रहने के लिए भी कहा गया। इसमें कहा गया है कि उनके वाहनों में जीपीएस ट्रैकर लगाने का प्रस्ताव दिया गया। उनसे कहा गया कि वे अपने फोन और ईमेल पर हमेशा उपलब्ध रहें और उम्मीदवारों, दलों, मतदाताओं और मतदान कर्मियों की कॉल का जवाब दें। इसमें कहा गया है कि इस संबंध में किसी भी शिकायत को आयोग द्वारा गंभीरता से लिया जाएगा। बयान में कहा गया कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान पर्यवेक्षकों को अपनी आरामदायक स्थिति (कंफर्ट जोन) से बाहर आने की जरूरत है। बैठक के दौरान अधिकारियों, वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त, उप चुनाव आयुक्तों और अन्य लोगों को चुनाव प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पर्यवेक्षकों को एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। उन्हें चुनाव की घोषणा से पहले चुनावी क्षेत्रों में तैनात किया जाता है और वे राज्यों में चुनाव प्राधिकरण की आंख और कान के रूप में काम करते हैं।

विश्व के सबसे ...

ने कहा कि भारत देश भाषाओं का सबसे बड़ा संग्रहालय है और साहित्य अकादमी उसके संरक्षण का कार्य बहुत ही गंभीरता से निभा रही है। साहित्योत्सव द्वारा लेखकों के लिए दुनिया का सबसे बड़ा मंच प्रदान करने पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हमारी भाषाओं की विविधता के कारण ही हमारे सोच की परिधि भी बहुत व्यापक है, जिसका लाभ देश की एकता को बनाए रखने में बेहद उपयोगी साबित होता है। अकादमी की उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा ने कहा कि यह साहित्योत्सव सृजन का उत्सव है और यह मनुष्यता को एक बार फिर से आवाज देने का प्रतीक भी है। शब्दों की गूंज के आलोक में हमारी शब्दों की संस्कृति भी आलोकित होगी। इससे पहले साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने साहित्य अकादमी की विगत वर्ष की उपलब्धि के बारे में बताते हुए कहा कि यह साहित्य अकादमी के 70 वर्ष और साहित्योत्सव का 40वां वर्ष हैं। किसी साहित्योत्सव का निरंतर 40 वर्ष तक देश के विविधतापूर्ण साहित्य को निरंतर गतिमान बनाए रखना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। सही मामलों में यह भारतीय भाषाओं का उत्सव है। ज्ञातव्य है कि भारतीय संतों के नाम पर निर्मित किए गए सभागारों में पूर्वाह्न 11.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक विभिन्न कार्यक्रमों में एलजीबीटीक्यू लेखक सम्मिलन, भारत का भक्ति साहित्य, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में रंगमंच, वैचारिकता और साहित्य, भारत में बाल साहित्य के अनुवाद से संबंधित मुद्दे, साहित्य एवं स्त्री सशक्तीकरण, तकनीकी और साहित्य आदि विषयों पर चर्चा हुई। इनमें भाग लेने वाले महत्वपूर्ण लेखक थे- असगर वजाहत, अर्जुन देव चारण, सूर्यप्रसाद दीक्षित, नवतेज सरना, ब्रात्य बसु, अशोक चक्रधर, वामन केंद्रे, भानु भारती, ऑस्कर पुयोल, कुमार तुहिन, तपन बंद्योपाध्याय, पारो आनंद, सुजाता प्रसाद, वर्षा दास आदि।

कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति के विरुद्ध भाजपा की विकास की राजनीति

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने आज अपने बयान में कहा कि जहां राज्य में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस नकारात्मकता और अस्थिरता की राजनीति कर रही है, वहीं असम में भाजपा सरकार मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा के नेतृत्व में विकासोन्मुखी यात्रा और प्रगति का सफर जारी रखे हुए है। पिछले दो महीनों में, केंद्र और राज्य सरकारें असम के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपए खर्च करने के लिए आगे आई। यह आजादी के बाद असम के लिए पहला मौका है। विकास और प्रगति की ऐसी यात्रा करने का साहस पहले किसी सरकार ने नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के दिनों में असम का दौरा किया और क्रमश: 16 हजार करोड़ और 18 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया और उसी दिन सामान्य गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित 5 लाख 55 हजार 555 घरों का उद्घाटन किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री राज्य के जिलों का दौरा कर अनेक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रहे हैं। लखीमपुर के लिए 807 करोड़ रुपए, मोरीगांव के लिए 575 करोड़ रुपए, चिरांग के लिए 110 करोड़ रुपए, दरंग के लिए 388 करोड़ रुपए, जोरहाट के लिए 1067 करोड़ रुपए, डिब्रूगढ़ के लिए 745 करोड़ रुपए, कामरूप (मेट्रो) के लिए 1208 करोड़ रुपए, कामरूप (ग्रामीण) के लिए 377 करोड़ रुपए, डिमा हसाओ और नलबाड़ी के लिए 507 करोड़ रुपए, बजाली के लिए 148 करोड़ रुपए, बंगाईगांव के लिए 171 करोड़ रुपए, ग्वालपाड़ा के लिए 719 करोड़ रुपए, नगांव के लिए 483 करोड़ रुपए और गोलाघाट जिले के लिए 732 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा सरकार के विकास और प्रगति की इस निरंतर यात्रा के विपरीत मुख्य विपक्षी कांग्रेस और विपक्षी राजनीतिक दल एक नकारात्मक प्रवृत्ति पैदा करते दिख रहे हैं। लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद असम की बेहतरी के लिए कुछ खास नहीं कर पाने वाली कांग्रेस अब सत्ता में आने और राज्य को अस्थिर करने के लिए बेताब नजर आ रही है। लेकिन, असम के लोग कांग्रेस और विपक्ष की इस नकारात्मक और अस्थिरता की राजनीति को नकारते हुए हमेशा भाजपा के पक्ष में खड़े हुए हैं, जो असम को विकास और प्रगति की राजनीति से सर्वांगीण बनाना चाहते है।

असम पुलिस क्रीड़ा उत्सव 2024 आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस क्रीड़ा उत्सव के दौरान पुरुष और महिला दोनों वर्गों में कबड्डी फाइनल आज प्रथम असम कमांडो बटालियन खेल मैदान, मांदाकाटा में खेला गया। पुरुष वर्ग के लिए खिताबी मुकाबला 12वीं एपीबीएन, जामुगुड़ीहाट और 14वीं एपीबीएन, दौलासाल के बीच खेला गया। जहां, 12वीं एपीबीएन चैंपियन बनी। महिला वर्ग में 5वीं असम पुलिस कमांडो बटालियन 22वीं एपीबीएन को हराकर चैंपियनशिप जीती। इस अवसर पर सीआईडी के एडीजीपी एमपी गुप्ता ने अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में पुरस्कार वितरित किए। गौरतलब है कि पुरस्कार वितरण समारोह में हाल ही में नागपुर में संपन्न अखिल भारतीय पुलिस खेलों (वॉलीबॉल क्लस्टर) में कई पदक जीतकर असम पुलिस का नाम रोशन करने वाले असम पुलिस *सेपक टकराव* और टेबल टेनिस खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। टेबल टेनिस में 04 पदक जीते एपीएस अधिकारी डीएसपी बीरदिए बोड़ो ने दो व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते और टीम स्पर्धा में दो कांस्य पदक जीते। असम पुलिस की नवगठित सेपक टकराव टीम ने नागपुर में तीन कांस्य पदक जीते।

नाबालिक से शादी करने पहुंचे दूल्हा समेत छह लोग गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले में एक नाबालिग लड़की से शादी करने पहुंचे दूल्हा समेत छह लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार जिले के बिलासीपाड़ा के कठालदी तृतीय खंड गांव के धोवाचांग में बाल विवाह के विरुद्ध सख्ती बरतते हुए पुलिस ने नाबालिग लड़की से शादी करने आए एक दूल्हा समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आज बताया कि दूल्हा कोकराझाड़ के हेकाइपाड़ा से नाबालिग लड़की से शादी करने आया था। गुप्त सूचना के आधार पर बिलासीपाड़ा पुलिस ने बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने अभियान में बच्ची से शादी करने पहुंचे दूल्हे मोइनुद्दीन हक सहित छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों में बाल विवाह में शामिल दूल्हा पक्ष के मयनाल हक, रहमान मंडल, अकबर अली खान, इमान अली (सभी हेकाइपाड़ा से) और बधु पक्ष के सफूर रहमान शामिल हैं।

बिना कनेक्शन वाले घरों में बिजली का कनेक्शन देगी असम सरकार

गुवाहाटी (हिंस)। जिन घरों में बिजली कनेक्शन नहीं है, वहां राज्य सरकार बिजली का कनेक्शन लगाएगी। बिजली कनेक्शन के नाम पर राज्य सरकार 955 करोड़ रुपए खर्च करेगी। रविवार को देर रात संपन्न हुई असम कैबिनेट की साप्ताहिक बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके साथ ही कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसके अनुसार सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट का शिलान्यास 13 मार्च को जागीरोड में होना तय किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल तरीके से इसकी आधारशिला रखेंगे। किरनचेक समुदाय के लिए विकास परिषद के गठन को मंजूरी दी गई। करीमगंज मेडिकल कॉलेज के लिए 674.81 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई। इनके अलावा कैबिनेट की बैठक में रंगघर ब्यूटी प्रोजेक्ट के लिए 131.71 करोड़ रुपए मंजूरी दी गई। अमीनगांव ओपन स्टेडियम के लिए 380.66 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई है।

दरंग-उदालगुड़ी से उम्मीदवार दिलीप सैकिया के जीतने का भाजपा ने किया दावा

दरंग (हिंस)। आगामी लोकसभा चुनाव में दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा सीट से भाजपा के गठबंधन उम्मीदवार दिलीप सैकिया के जीतने की पूरी उम्मीद है। यहां तक कि निर्वाचन क्षेत्र में विपक्षी एकता के साझा उम्मीदवार का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन उम्मीदवार दिलीप सैकिया निश्चित ही चुनाव जीतेंगे। उपरोक्त टिप्पणी सिपाझार के भाजपा विधायक परमानंद राजबंशी ने की है। विधायक ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में सांसद दिलीप सैकिया के लिए चुनाव प्रचार में भाग लेते हुए कहा कि रिंग रोड, मंगलदोई बाईपास, रेल लिंक, नरेंगी-कुरुवा पुल आदि योजनाएं सिपाझार के लोगों की मांग है। इसलिए आने वाले दिनों में भाजपा सांसदों की जीत बहुत जरूरी है। इस बात को स्थानीय लोग भी भली-भांति समझते हैं। यही कारण है कि दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र से दिलीप सैकिया की जीत सुनिश्चित है।

कामाख्या रेलवे स्टेशन से 27 सोने का बिस्कुट जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। कामाख्या रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस की छापेमारी के दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 2 से भारी मात्रा में सोना जब्त किया गया। मुंबई से गुवाहाटी तस्करी कर लाए गए सोने के कुल 27 बिस्कुट जब्त किए गए हैं। सोने के बिस्कुट मुंबई से गुवाहाटी आए एक युवक के कब्जे से जब्त किए गए। ज्ञात हो कि जब्त सोने की कीमत करीब 3 करोड़ रुपए है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, युवक गुवाहाटी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक व्यक्ति से प्राप्त सोने के साथ कामाख्या रेलवे स्टेशन पहुंचा था। जीआरपी की एक विशेष टीम ने अभियान चलाकर सोना बरामद किया।

यूपीपीएल दो दिनों में उम्मीदवार की करेगी घोषणा : प्रमोद बोड़ो

बाक्सा (हिंस)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के प्रमुख एवं यूपीपीएल पार्टी के अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो ने आज स्पष्ट किया कि अगले दो दिनों के अंदर कोकराझाड़ सीट के लिए यूपीपीएल के उम्मीदवार के नाम की घोषणा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि यूपीपीएल को कोकराझाड़ की सीट भाजपा गठबंधन की और से छोड़ दिया गया है। प्रमोद बोड़ों आज बाक्सा जिले के बागानपाड़ा में एक सिनेमा हॉल की आधारशिला रखने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोकराझाड़ सीट पर सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार भारी मतों से चुनाव जीतेंगे। बोड़ोलैंड के लोगों ने केंद्र की नरेंद्र मोदी, राज्य की डॉ. हिमंत विश्व शर्मा तथा बीटीसी की यूपीपीएल सरकार के कार्यों पर भरोसा करते हुए गठबंधन के उम्मीदवार को भारी मतों से जिताएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के कार्यकाल में बीटीसी में शांति स्थापित हुई है, जिस कारण विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इस दौरान प्रमोद बोड़ो ने पत्रकारों के अन्य कई सवालों के उत्तर दिए।

विद्यालय में लायंस उमंग ने दी जरूरत की वस्तुएं

गुवाहाटी (विभास)। समाज सेवा के कार्य में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाते आ रही महिलाओं की संस्था लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की और से मानव सेवा से जुड़े विभिन्न कार्य संपादित किए गए। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में आशानीर नामक वृद्ध आश्रम में वहां की जरूरत अनुसार रिंकी केडिया के सहयोग से बिस्तर बेड उपलब्ध कराया गया। वही कंचन पोद्दार के सहयोग से वृद्धो के लिए डायपर कॉटन रोल बेड पेन आदि वस्तुएं दी गई। इसके अलावा दिसपुर कॉलेज में पढ़ रही छात्राओं के बीच महिला दिवस को ध्यान में रखते हुए 1800 से अधिक सेनेटरी नैपकिन पैड का वितरण किया गया। साथ ही काजल थर्ड के सहयोग से

रघुनाथ चौधरी हाई स्कूल में बच्चों की जरूरत अनुसार अलमीरा, वार्डरोब, टेबल आदि उपलब्ध कराई गई। या पूरा कार्य लायंस जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत आयोजित किया गया। इस कार्य को संपादित करने में क्लब की अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी सहित सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

सीएए के विरुद्ध राज्यभर में व्यापक प्रतिक्रिया

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्र सरकार द्वारा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू किए जाने को लेकर कांग्रेस द्वारा तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है। जहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आज इस बाबत धरना दिया गया। वहीं, पार्टी के नेताओं ने इसके विरुद्ध जमकर बयानबाजी की। इस संदर्भ में एक बयान के जरिए असम विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता देवब्रत सैकिया ने कहा कि आज भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने असम और असमिया लोगों के हितों के खिलाफ नागरिकता संशोधन कानून *सीएए* लागू किया है। जबकि, असम के लोग लंबे समय से इस कानून के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, बावजूद इसके आज सरकार ने भाजपा के राजनीतिक लाभ के लिए हम सभी पर यह कानून थोपा है। ज्ञात हो कि राज्य के विपक्षी दलों द्वारा इस कानून के विरोध में लगातार आवाज उठाए जा रहा है। एआईयूडीएफ पहले से ही इस कानून का विरोध कर रही है। वहीं, असम छात्र संघ (आसू) द्वारा इसको लेकर बीते कई दिनों से राज्य के अलग-अलग जिलों में धरना दिया जा रहा है। वहीं, ऑल असम युवा छात्र परिषद (अजायुछाप) द्वारा भी इस कानून के विरोध में बाइक रैली तथा अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इसी बीच मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा लगातार कहते रहे हैं कि इस कानून को लेकर जिसे आपत्ति है उसे उच्चतम् न्यायालय में जाकर इसको चुनौती देनी चाहिए, न कि सड़कों पर आंदोलन करके राज्य में जारी विकास कार्यों को बाधित किया जाना चाहिए।

तिनसुकिया बना विरासती कचरे से मुक्त होने वाला पूर्वोत्तर का पहला जिला

गुवाहाटी (विभास)। तिनसुकिया जिला प्रशासन ने जिले के पांच नगर बोर्डों अर्थात तिनसुकिया, डुमडुमा, डिगबोई, मार्गेरिटा और मकुम नगर बोर्ड के साथ समन्वय में गत वर्ष मार्च 2023 के महीने में जिले को कचरा मुक्त बनाने की एक महत्वाकांक्षी पहल शुरू की थी। तिनसुकिया और मकुम नगर बोर्ड के पुराने कचरे के जैव-खनन के लिए ऑयल इंडिया लिमिटेड सीएसआर फंड में पूलिंग करके शुरू किया गया था। तब से 75,000 मीट्रिक टन (एमटी) कचरे का उपचार तिंगराई, तिनसुकिया में डंपसाइट पर किया गया है। तिनसुकिया दुलियाजान रोड इलाके में चारों और दुर्गंध और गंदी मक्खियों के भिनभिनाने के कारण लोग गुजर नहीं पा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, डूमडूमा नगर बोर्ड में 18,000 मीट्रिक टन (एमटी) का उपचार किया गया है, जबकि डिगबोई और मार्गेरिटा में क्रमश: 25,000 और 30,000 मीट्रिक टन (एमटी) कचरे को जैव-खनन तकनीक का उपयोग करके संसाधित किया गया है, जिससे जिले में कुल 1.53 लाख मीट्रिक टन (एमटी) एक वर्ष की अवधि के भीतर कचरा हो गया है। यह सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एनजीटी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप असम अपने हरित एजेंडे को पूरा कर रहा है। मैसर्स कॉल एंड फिक्स नामक एजेंसी ने सभी यूएलबी में इस परियोजना को निष्पादित करने का अहम भुमिका निभाई हैं। तिनसुकिया जिला आयुक्त स्वप्निल पॉल ने कहा है कि सभी स्थलों पर कचरे के उपचार से जिले के शहरी केंद्रों के पास 80 बीघे से अधिक भूमि पुन: प्राप्त हुई है, जिसका उपयोग अब विकासात्मक गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि डालमिया सीमेंट के साथ एक समझौता ज्ञापन निष्पादित किया गया था जहां प्रक्रिया के उप-उत्पाद के रूप में निकलने वाले रिफ्यूज-व्युत्पन्न ईंधन (आरडीएफ) को उनके उपयोग के लिए सीमेंट कारखानों में भेजा जाता है। इस पहल ने तिनसुकिया को पुराने कचरे के बायोमाइनिंग के माध्यम से भूमि के पुनरुद्धार में एक मॉडल जिला बना दिया है।

धुबड़ी लोकसभा सीट से हारेंगे बदरुद्दीन अजमल : विधायक अब्दुर रशिद मंडल

नगरबेड़ा (विभास)। धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र से सांसद मौलाना बदरुद्दीन अजमल आगामी लोकसभा चुनाव में हार जाएंगे। धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आलोपति में डॉ. जाकिर हुसैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पूर्व छात्रों के सम्मेलन के अंत में कल मीडिया के सामने यह बात सामने आई। गोवालपारा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक अब्दुर राशिद मंडल ने टिप्पणी की। मंडल ने बताया कि धुबरी लोकसभा क्षेत्र में करीब 24 लाख मुस्लिम मतदाता हैं। ये मतदाता निश्चित रूप से निर्वाचन क्षेत्र से मुसलमानों के वरिष्ठ और अनुभवी कांग्रेस नेता रकीबुल हुसैन की जीत का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर रकीबुल हुसैन इस बार

निर्वाचन क्षेत्र में बदरुद्दीन अजमल को हरा देते हैं, तो राहुल गांधी दिल्ली में सरकार बनाने पर रकीबुल हुसैन को केंद्रीय मंत्री पद देंगे बोलके आशा जातायी है। मंडल ने *का*सीएए का यह कहकर भी विरोध किया कि इसे निरस्त नहीं किया गया है और कहा कि अगर 2014 के बाद आए हिंदू बंगालियों को इस कानून के माध्यम से असम लाया जाता है, तो हमारी भाषा का संस्कृति और मीडिया के साथ-साथ आर्थिक क्षेत्र पर भी असर पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार एनआरसी के साथ खिलवाड़ कर रही है।

लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी का लाफ्टर शो कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ने लायंस आई हॉस्पिटल के प्रेक्षागृह में होली के अवसर पर अपने सदस्यों को हंसी से लोटपोट करने के उद्देश्य से लाफ्टर शो का आयोजन किया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष अजय पोद्दार ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि सदस्यों के मनोरंजन हेतु लाफ्टर शो के बेताज बादशाह रोहित शर्मा, राकेश तिवारी और दिनेश बावरा हास्य व्यंग्य से हम सबको लोटपोट कर हमारा मनोरंजन करेंगे। इससे पहले क्लब के सचिव राजेश भूत, कोषाध्यक्ष राजेश केडिया और निवर्तमान अध्यक्ष किशोर साबु ने तीनों हास्य कवियों का असमिया परंपरा के अनुसार अभिनंदन किया। हास्य व्यंग्य के तीर छोड़ते हुए हास्य कवि रोहित शर्मा ने मरवाडियों के रहन-सहन पर चुटकीया लेते हुए कई पंक्तियां सुनाई। भक्ति रस की कविता सुनाते हुए कृष्ण राम कविता भी सुनाई। पति-पत्नी के नोंकझोंक की पंक्तियों ने सबको हंसा कर लोटपोट कर दिया। सास बहू के व्यंग्य, टेलीफोन से मोबाइल तक का सफर कविता में काफी तालियां बजी। रक्तदान, श्रमदान, स्वच्छ भारत अभियान पर अर्थपूर्ण कविताएं सुनाई। रोहित शर्मा की लौट के बुद्धू घर आए कविता को सभी ने सराहा।

राकेश तिवारी ने जीजा साली के रिश्ते पर कई पंक्तियां सुना कर वाह वाही लूटी। दादा दादी की भावपूर्ण कविता सुनकर सबको भाव विभोर कर दिया। दिनेश बावरा ने नई नवेली दुल्हन को हरिद्वार घूमने वाली कविता को लोगों ने बहुत पसंद किया। बाबा रामदेव पर चुटकी लेते हुए सास को कंट्रोल करने का योग भी सिखाया। नीतीश कुमार के पलटी योग पर भी हाल में तालियां बजी। मोदी जी की असम काजीरंगा यात्रा का कविता के माध्यम से वर्णन करते हुए हाथी को चारा खिलाने वाली बात पर दिनेश बावरा ने चुटकी लेते हुए मायावती को संबोधित किया कि हाथी का चारा उधर नहीं है इधर है। मोदी का असम से गहरा रिश्ता बताते हुए कहा कि वे चाय बेचते थे और आप चाय उगाते हैं।

डॉ. जाकिर हुसैन हायर सेकेंडरी स्कूल में पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। समाज से बुराइयों और अंधविश्वासों को दूर कर सभी को अच्छी शिक्षा देकर समाज और देश का ज्ञानवर्धन करना चाहिए। यह बात असम शिशु साहित्य ट्रस्ट के सचिव ऋषिकेश गोस्वामी ने बरपेटा जिले के दक्षिणी भाग में आलोपाटी के एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान डॉ. जाकिर हुसैन हायर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व छात्र सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कही। पूर्व छात्र सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अली की अध्यक्षता में हुई बैठक में ऋषिकेश गोस्वामी ने आगे कहा कि शिक्षक ज्ञान के स्वामी होते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के जिज्ञासु मन को साकार कर ज्ञान का प्रकाश फैलाना चाहिए। गोस्वामी ने विभिन्न दार्शनिकों, विद्वानों और विद्वानों को संबोधित करते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों को सुंदर और अच्छे नागरिक बनाने का आह्वान किया।

बैठक को संबोधित करते हुए पश्चिम गोलपारा निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व छात्र अब्दुर रशीद मंडल ने कहा कि पूर्व छात्र सम्मेलन में भारी जिम्मेदारी है और डॉ. जाकिर हुसैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पूर्व छात्रों को विद्यालय में विज्ञान स्ट्रीम शुरू करने की जिम्मेदारी लेने के लिए कहा और सभी से क्षेत्र के विकास के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ने का आग्रह किया। बरपेटा लोकसभा क्षेत्र से सांसद अब्दुल खालिक ने अपने संबोधन में लोगों से अकादमिक और सामाजिक रूप से आगे बढ़ने के लिए कहा। डॉ. जाकिर हुसैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के रिटायर्ड प्रिंसिपल एम अब्दुल मजिद, रिटायर्ड पूर्व सहायक वन संरक्षक जलालुद्दीन अहमद आदि ने बैठक को संबोधित किया, जिसे पूर्व छात्र सम्मेलन के सचिव गाजी रहमान ने संबोधित किया और स्कूल के प्रभारी प्रिंसिपल रफीकुल हसन ने स्वागत भाषण दिया। पूर्व छात्र सम्मेलन के अवसर पर प्रख्यात लेखक और असम शिशु साहित्य ट्रस्ट के सचिव ऋषिकेश गोस्वामी ने डॉ. शमसुल आलम सरवर्दी के संपादन में स्कूल प्रबंधन और विकास समिति द्वारा प्रकाशित संस्मरण *युग-दर्पण* का विमोचन किया। उल्लेखनीय है कि विद्यालय के पूर्व छात्र सम्मेलन के अवसर पर पूर्व छात्र एवं सेवानिवृत्त सहायक वन संरक्षक जलालुद्दीन अहमद ने स्वच्छ अभियान, पूर्व छात्रों के पंजीयन के बाद सुबह 8 बजे से वृक्षारोपण किया। पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अली ने सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया। इसके बाद स्कूल के दिवंगत शिक्षकों और कर्मचारियों और छात्रों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। सुबह डॉ. जाकिर हुसैन हायर सेकेंडरी स्कूल के संस्थापक प्रधानाध्यापक अलहाज सुल्तान अहमद ने 10-30 पूर्व छात्र सम्मेलन के सचिव गाजी रहमान द्वारा आयोजित एक समारोह में स्कूल के मुख्य तोरण की आधारशिला रखी। सुबह 11 बजे छात्रसंघ के उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त प्रोफेसर अमजद हुसैन की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान सभा में सुबह 11 बजे छात्र-छात्राओं का अभिनंदन किया गया। दोपहर 12 बजे छात्र सम्मेलन के उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त प्रोफेसर नूर आलम की अध्यक्षता में पूर्व छात्रों के बीच अंतरंग संवाद हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'सशक्त नारी-विकसित भारत' कार्यक्रम में 'नमो ड्रोन दीदियों' को ड्रोन सौंपे

-कहा, पूर्ववर्ती सरकारों ने कभी फिक्र नहीं की, आपको आपके नसीब पर छोड़ा

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'सशक्त नारी-विकसित भारत' कार्यक्रम में 'नमो ड्रोन दीदियों' को ड्रोन सौंपे। प्रधानमंत्री मोदी ने दीदियों को संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोई भी देश हो। कोई भी समाज हो। वो नारीशक्ति की गरिमा बढ़ाते और उनके लिए नए अवसर बनाते हुए ही आगे बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, " दुर्भाग्य से देश में पहले जो सरकारें रहीं, उनके लिए आप सभी महिलाओं का जीवन, आपकी मुश्किलें कभी प्राथमिकता नहीं रही और आपको आपके नसीब पर छोड़ दिया गया था। मेरा अनुभव यह है कि हमारी माताओं-बहनों को अगर थोड़ा अवसर, थोड़ा सहारा मिल जाए, तो फिर उनको सहारे की जरूरत नहीं रहती है, वे खुद लोगों का सहारा बन जाती हैं।" उन्होंने कहा, "मैं चाहता हूं कि भारत में तीन करोड़ से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बनें। हमने ड्रोन दीदियों के खाते में 10,000 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की है। मैं पहला प्रधानमंत्री हूं जिसने लाल किले की प्राचीर से महिलाओं की स्वच्छता संबंधी समस्याओं के बारे में बात की।" प्रधानमंत्री मोदी भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) में नमो ड्रोन दीदियों का कृषि ड्रोन प्रदर्शन देखने पहुंचे। इसमें देशभर के 10 अलग-अलग स्थानों से नमो ड्रोन दीदियां शामिल हुईं। उल्लेखनीय है कि नमो ड्रोन दीदी और लखपति दीदी पहल, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बीच आर्थिक सशक्तिकरण और वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का अभिन्न अंग हैं।

मुंबई की महत्वाकांक्षी कोस्टल रोड का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण, 5 घंटे का सफर 15 मिनट में

मुंबई, (हि. स.)। महानगर के महत्वाकांक्षी कोस्टल (तटीय) रोड के पहले चरण का उद्घाटन सोमवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया। बहुप्रतीक्षित इस तटीय रोड को मंगलवार से मुंबईवासियों के लिए खोल दिया जाएगा। इससे मुंबईवासियों का 5 घंटे का सफर सिर्फ 15 मिनट में संभव हो सकेगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बताया कि तटीय मार्ग को पूरी तरह टोलमुक्त रखा गया है। मंगलवार से यह रास्ता मुंबईकरों के लिए खोल दिया जाएगा। साथ ही इस तटीय सडक पर सप्ताह में पांच दिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक ही यात्रा की जा सकेगी। शनिवार और रविवार को तटीय मार्ग को पर यातायात पूरी तरह से बंद रहेगा। वर्ली से मरीन ड्राइव तक का रास्ता खोल दिया गया है। इस रूट की वजह से 5 घंटे का सफर महज 15 मिनट में तय किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोस्टल रोड का नाम छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर रखा जाएगा। जानकारी के अनुसार 10.58 किमी लंबी मुंबई कोस्टल रोड परियोजना पर कुल 14 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इन परियोजनाओं में जलाशय सडकें, पुल, बेहतर सडकें शामिल हैं।

वर्ष 2018 में शुरू हुई इस परियोजना के नवंबर 2023 में पूरा होने की उम्मीद थी लेकिन स्थानीय मछुआरों ने इस योजना का विरोध किया था। इस वजह परियोजना में दोनों पिलर के बीच की दूरी 60 मीटर से बढ़ाकर 120 मीटर कर दिया गया। तटीय सडक परियोजना का 86 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, फिलहाल यातायात के लिए केवल एक मार्ग खुला रहेगा। साथ ही, तटीय सडक पर यात्रा करते समय अधिकतम गति 80 किमी प्रति घंटा होगी। सुरंग में गति सीमा 60 किलोमीटर प्रति घंटा है। मोड़, प्रवेश और निकास बिंदु का स्तर 40 किलोमीटर प्रति घंटा होगा। सडक पर वाहन पार्क करना या रोकना, फोटो सेशन या वीडियो लेना सख्त वर्जित है। कोस्टल रोड परियोजना का काम मई महीने तक पूरा होने की संभावना जताई जा रही है।

केन्द्रीय गृहमंत्री आज तेलंगाना में करेंगे विजय संकल्प सभा

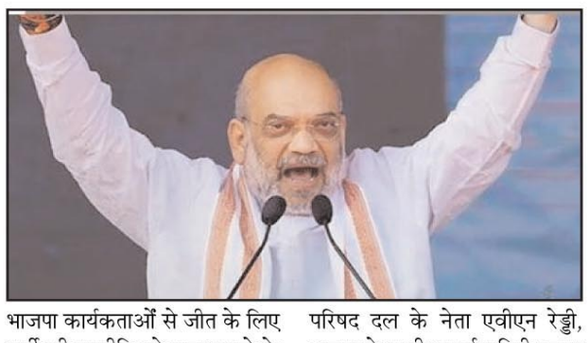

हैदराबाद, (हि.स.)। तेलंगाना राज्य की 17 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अधिक से अधिक सीटों पर जीत का लक्ष्य लेकर भारतीय जनता पार्टी चुनाव में अपनी ताकत झोंकने के लिए तैयार है। इसी क्रम में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर तेलंगाना आ रहे हैं। वे यहां एक विजय संकल्प सभा के अलावा कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रदेश भाजपा ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार सुबह 11 बजे चारमीनार स्थित ऐतिहासिक श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में विशेष पूजा व दर्शन करेंगे। इसके बाद दोपहर बजे 12.30 बजे इम्पीरियल गार्डन में सोशल मीडिया वारियर्स के साथ बैठक कर उन्हें दिशा-निर्देश देंगे। इस बैठक में बाद केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति मंत्री व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली विजय संकल्प सभा में शाह दोपहर 2 बजे नगर के लाल बहादुर स्टेडियम (एलबी स्टेडियम) में उपस्थित होंगे।वे पोलिंग बूथ स्तर के अध्यक्षों व अन्य पदाधिकारियों को भी संबोधित करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस दौरान तेलंगाना में भाजपा कार्यकताओं से जीत के लिए पार्टी की रणनीति को साझा करने के साथ जरूरी टिप्स भी देंगे। केन्द्रीय मंत्री शाह की बैठक को सफल बनाने के लिए भाजपा मुख्यालय श्यामाप्रसाद मुखर्जी भवन में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने दो दिन से विभिन्न लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के पदाधिकारियों व कार्यकताओं के साथ बैठक की। भाजपा की विजय संकल्प सभा में भाजपा संसदीय बोर्ड सदस्य व सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व तेलंगाना प्रभारी तरुण चुघ, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व तेलंगाना प्रभारी (संगठन) सुनील बंसल, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद बंडी संजय, भाजपा विधायक दल के नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी, राज्य विधान परिषद दल के नेता एवीएन रेड्डी, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एपी जितेंदर रेड्डी, भाजपा एलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन व मल्काजगिरी लोकसभा उम्मीदवार इटाला राजेंद्र के अलावा भाजपा के पदाधिकारी व केंद्रीय मंत्री मौजूद रहेंगे। भाजपा लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची कर जारी कर चुकी है। इसमें आदिलाबाद लोकसभा संसदीय चुनाव क्षेत्र को छोड़कर अन्य तीन चुनाव क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को सिकंदराबाद से, धमार्पुरी अरविंद को निजामाबाद से और पूर्व भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय को करीमनगर से फिर से चुनाव मैदान में उतारा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार सोमवार देर शाम तक उम्मीदवारों की दूसरी सूची भी जारी हो सकती है।

सीएम ममता बनर्जी ने भाजपा के आगे नहीं झुकने वालों को सराहा

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन लोगों की जमकर तारीफ की है जो भाजपा के दबाव के आगे नहीं झुके हैं। कोलकाता में जोड़ो गरजो सभा में निर्वाचन आयुक्त अरुण गोयल के पद से इस्तीफा देने के मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी के दबाव के आगे न झुकने के लिए उनकी सराहना की और कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार होगी। यहां ब्रिगेड परेड मैदान में तृणमूल कांग्रेस की एक रैली में बनर्जी ने कहा कि गोयल का अचानक इस्तीफा साबित करता है कि भाजपा लोकसभा चुनावों में वोट लूटने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनावों और सुरक्षा बलों की तैनाती के संबंध में दिल्ली के नेताओं (भाजपा के) और उनके शीर्ष आकाओं के दबाव के आगे न झुकने के लिए मैं अरुण गोयल को सलाम करती हूं। यह साबित हो गया है कि वे (भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार) चुनाव के नाम पर क्या करना चाहते हैं। वे वोट लूटना चाहते हैं। निर्वाचन आयुक्त अरुण गोयल ने 2024 के लोकसभा चुनावों के कार्यक्रम की अपेक्षित घोषणा से कुछ दिन पहले शनिवार को इस्तीफा दे दिया। गोयल का कार्यकाल 5 दिसंबर, 2027 तक था और अगले साल फरवरी में मौजूदा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद वह सीईसी बन जाते। पश्चिम बंगाल में केंद्रीय धन की हेराफेरी के आरोपों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए टीएमसी प्रमुख ने कहा, प्रधानमंत्री को बंगाल के खिलाफ निराधार आरोप लगाने से पहले अधिकारियों के साथ तथ्यों की जांच करनी चाहिए। बनर्जी ने कहा, वह केवल बंगाल में परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं लेकिन राज्य के लिए धन जारी नहीं कर रहे हैं। यही उनकी गारंटी है। उन्होंने सभी झूठे वादे किये हैं।

चूरू सांसद राहुल कस्वां अब कांग्रेस के साथ

जयपुर, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी से टिकट कटने से नाराज चूरू से भाजपा सांसद राहुल कस्वां ने सोमवार को कांग्रेस का हाथ थाम लिया। सोमवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निवास पर कस्वां ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहे। राहुल कस्वां चूरू से लोकसभा में भाजपा के सांसद हैं। वर्ष 2014 और 2019 में लगातार राहुल कस्वां ने भाजपा प्रत्याशी के तौर पर जीत दर्ज की है। इस बार भाजपा ने राहुल कस्वां का टिकट काट कर पैरा ओलंपियन देवेंद्र झाझड़िया को प्रत्याशी घोषित किया है। टिकट कटने से राहुल कस्वां खासे नाराज थे। कस्वां ने टिकट कटने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करके सवाल उठाते हुए पूछा था कि उनका दोष क्या है? उन्होंने सोशल मीडिया पर भड़ास निकालते हुए अपनी ही पार्टी के नेताओं पर भी सवाल उठाए थे। इसके बाद शुक्रवार को सादुलपुर में समर्थकों को जुटाकर टिकट कटने पर सवाल उठाते हुए इशारों में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ पर जमकर निशाना साधा था। इससे पूर्व कस्वां ने कांग्रेस सदस्यता ग्रहण करने से करीब एक घंटे पूर्व अपने समर्थकों के नाम सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए भाजपा छोड़ने की जानकारी दी कि आप सब की भावनाओं के अनुरूप, मैं सार्वजनिक जीवन का एक बड़ा फैसला लेने जा रहा हूं। राजनीतिक कारणों के चलते आज इसी समय, मैं भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता एवं संसद सदस्य पद से इस्तीफा दे रहा हूँ। कस्वां ने लिखा कि वे समस्त भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं अमित शाह का आभार प्रकट करते हैं, जिन्होंने उन्हें 10 वर्षों तक चूरू लोकसभा परिवार की सेवा करने का अवसर दिया। उन्होंने चूरू लोकसभा परिवार का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चूरू ने उन्हें सदैव बहुमूल्य साथ, सहयोग और आशीर्वाद दिया। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व ही दो पूर्व मंत्रियों पूर्व मंत्री लालचंद कटारिया, राजेंद्र यादव और पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा, विजयपाल मिर्धा समेत सैकड़ों कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। कांग्रेस ने अब राहुल कस्वां को पार्टी में शामिल करके भाजपा को राजनीतिक जवाब देने के प्रयास किया है।

सुप्रीम कोर्ट में एसबीआई की याचिका खारिज, आज चुनावी बांड की जानकारी देने का निर्देश

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान बेंच ने सोमवार को इलेक्टोरल बांड के जरिये राजनीतिक पार्टियों को मिले चंदे की जानकारी देने की समय सीमा 30 जून तक बढ़ाने की मांग खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को चुनावी बांड की जानकारी कल यानि 12 मार्च तक दाखिल करने का आदेश दिया। साथ ही कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को चुनावी बांड की जानकारी 15 मार्च तक अपनी वेबसाइट प्रकाशित करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान स्टेट बैंक के वकील हरीश साल्वे ने दलील दी कि इलेक्टोरल बांड खरीदने की तारीख और खरीदने वाले का नाम एक साथ उपलब्ध नहीं है, उसे कोड किया गया है। इसलिए उसे डिकोड करने में समय लगेगा। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि आपकी अर्जी में ही कहा गया है कि डोनर्स की जानकारी सील्ड कवर में संबंधित ब्रांच में रखी गई है, जिसे मुंबई मुख्यालय में भेज दिया गया है। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि केवल सील्ड कवर को खोलना है, दिक्कत कहां है। कोर्ट ने पूछा कि 15 फरवरी को आदेश दिए जाने के बाद पिछले 26 दिन में स्टेट बैंक ने क्या किया। यह बात आपकी अर्जी में नहीं बताई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर नाराजगी जताई कि यह याचिका बैंक के असिस्टेंट जनरल मैनेजर की तरफ से दायर हुई है। एसबीआई की गंभीरता इसी बात से जाहिर हो रही है कि एक असिस्टेंट जनरल मैनेजर सुप्रीम कोर्ट के आदेश में बदलाव की मांग कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक को चेतावनी दी कि अगर कोर्ट के आदेश का पालन नहीं होता है तो अवमानना की कार्रवाई के लिए तैयार रहिए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बांड को असंवैधानिक करार देते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को चुनावी बांड की जानकारी 6 मार्च तक चुनाव आयोग को देने का निर्देश दिया था। चुनाव आयोग को यह जानकारी 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करनी थी। साथ ही कोर्ट ने राजनीतिक दलों को अभी तक कैश न होने वाले चुनावी बांड बैंक को वापस करने का भी निर्देश दिया था। इसी के बाद सुप्रीम कोर्ट की समय सीमा 6 मार्च से 48 घंटे पहले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सभी पार्टियों को इलेक्टोरल बांड के रूप में मिले चंदे की जानकारी देने की समय सीमा 30 जून तक बढ़ाने की मांग की थी। स्टेट बैंक ने कहा था कि 6 मार्च तक इलेक्टोरल बांड की जानकारी निर्वाचन आयोग को देने में कुछ व्यावहारिक दिक्कतें हैं। स्टेट बैंक ने कहा था कि नाम गुप्त रखने की वजह से नाम को डिकोड करना जटिल कार्य है। स्टेट बैंक ने कहा था कि इलेक्टोरल बांड का कोई केंद्रीय डाटाबेस इसलिए नहीं रखा गया था, ताकि इसकी जानकारी किसी को नहीं मिले।

दुनिया में बदलते युद्ध के तरीकों से वैश्विक स्तर पर बढ़ी हथियार जमा करने की होड़

नई दिल्ली, (हि.स.)। दुनिया में बदलते युद्ध के तौर-तरीकों और सेनाओं के आधुनिकीकरण का ही नतीजा है कि वैश्विक स्तर पर हथियारों को जमा करने की होड़ मची है। हाल ही में रूस-यूक्रेन और हमास-इजराइल संघर्ष ने हथियारों का जखीरा बढ़ाने के लिए कई देशों को आकर्षित किया है। इस वजह से नए-नए हथियार बनाने वाले देशों का निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। यूरोपियन देशों ने प्रमुख हथियारों का आयात लगभग दोगुना (94 प्रतिशत) कर दिया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपरी) की सोमवार को प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय हथियार हस्तांतरण पर रिपोर्ट में बताया गया है कि 2014-18 और 2019-23 के बीच अंतरराष्ट्रीय हथियार हस्तांतरण की वैश्विक मात्रा में 3.3 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार 2019-23 में यूरोपीय देशों ने हथियारों के आयात का लगभग 55 प्रतिशत संयुक्त राज्य अमेरिका से किया था, जो 2014-18 में 35 प्रतिशत से अधिक था। सीपरी के निदेशक डैन स्मिथ ने कहा कि यूरोपीय देश आधे से अधिक हथियारों का आयात संयुक्त राज्य अमेरिका से करते हैं। उन्होंने कहा कि 2014-18 और 2019-23 के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका के हथियारों के निर्यात में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल वैश्विक हथियार निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 34 प्रतिशत से बढ़कर 42 प्रतिशत हो गई है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2019-23 में 107 देशों को प्रमुख हथियार वितरित किए, जो पिछले पांच साल की अवधि की तुलना में अधिक है। 2019-23 में हथियारों के निर्यात में संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के राज्यों की हिस्सेदारी 72 प्रतिशत, जबकि 2014-18 में यह 62 प्रतिशत थी। यूरोपियन देशों ने प्रमुख हथियारों का आयात लगभग दोगुना (94 प्रतिशत) कर दिया है। चीन के दो पूर्वी एशियाई पड़ोसियों में जापान ने 155 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया ने 6.5 प्रतिशत हथियारों के आयात में वृद्धि की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2014-18 और 2019-23 के बीच फ्रांस के हथियारों के निर्यात में 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पहली बार रूस के मुकाबले फ्रांस दूसरा सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बन गया है। फ्रांस के हथियार निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा (42 प्रतिशत) एशिया और ओशिनिया के राज्यों को और अन्य 34 प्रतिशत मध्य पूर्वी राज्यों को गया। फ्रांसीसी हथियारों का 30 फीसदी निर्यात भारत को किया गया। फ्रांसीसी हथियारों के निर्यात में वृद्धि मुख्य रूप से भारत, कतर और मिस्र को लड़ाकू विमानों की डिलीवरी के कारण हुई है। पाकिस्तान ने अपने हथियारों के आयात में 43 प्रतिशत की वृद्धि की है। 2019-23 में पाकिस्तान पांचवां सबसे बड़ा हथियार आयातक बना है। पाकिस्तान ने चीन से हथियारों का 82 प्रतिशत आयात किया है।

कोयला मंत्रालय को चालू वित्त वर्ष में 1 बिलियन टन कोयला उत्पादन होने की उम्मीद

नई दिल्ली, (हि.स.)। चालू वित्त वर्ष में 6 मार्च तक देश का कोयला उत्पादन 900 मीट्रिक टन तक पहुंच गया। इसके आधार पर चालू वित्त वर्ष में 1 बिलियन टन कोयला उत्पादन होने का अनुमान है। यह जानकारी कोयला मंत्रालय ने आज यहां दी। दरअसल, भारत का कोयला क्षेत्र देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ रोजगार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मंत्रालय की ओर से जारी ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत सरकार के कोयला उत्पादक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) विशेष रूप से कोल इंडिया लिमिटेड और एनएलसी इंडिया लिमिटेड ने सामूहिक रूप से 369,053 व्यक्तियों को रोजगार दिया, जिनमें 128,236 संविदा कर्मचारी शामिल हैं। प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्रदान करने के अलावा, खनन गतिविधियों में अप्रत्यक्ष रोजगार भी मिलेगा। इसके अतिरिक्त यह क्षेत्र लगभग 3.1 लाख पेंशनभोगियों को आजीविका देता है। जैसे-जैसे कोयला क्षेत्र का विस्तार जारी रहेगा, वैसे वैसे रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा होते रहेंगे। हाल के वर्षों में कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों ने व्यापक भर्ती अभियान चलाया है, जिसमें 2014 से फरवरी 2024 तक 59,681 कर्मियों को शामिल किया है। इसी तरह एनएलसी इंडिया लिमिटेड ने इसी अवधि के दौरान 4,265 व्यक्तियों की भर्ती की है। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों ने मिशन मोड के तहत 5,711 व्यक्तियों को काम पर रखा है। इसी तरह से एनएलसी इंडिया लिमिटेड ने इसी अवधि के दौरान 661 कर्मियों की भर्ती की है।

पार्टी से 105 करोड़ रुपये की वसूली करने के आदेश पर रोक के लिए कांग्रेस पहुंची दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर करके पार्टी से 105 करोड़ रुपये की वसूली करने के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है। हाई कोर्ट आज इस याचिका पर सुनवाई कर सकता है। आज कांग्रेस पार्टी की ओर से पेश वकील विवेक तन्खा ने कार्यकारी चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष इस मामले को मेंशन करते हुए कहा कि इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल ने 8 मार्च को वसूली करने के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। उन्होंने इस याचिका पर आज ही सुनवाई करने की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने इस मामले पर आज सुनवाई करने का आदेश दिया। कांग्रेस पार्टी की याचिका में कहा गया है कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने उनके खाते को फ्रीज कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव का समय है और अगर उनके पास पैसे नहीं होंगे तो वे चुनाव कैसे लड़ेंगे। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने वित्तीय वर्ष 2018-19 कांग्रेस पार्टी पर टैक्स का आकलन करते हुए 105 करोड़ रुपये की वसूली का आदेश दिया था। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कांग्रेस पार्टी की इस दलील को खारिज कर दिया था कि उन्हें 2018-19 के दौरान कोई आय नहीं हुई थी। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को कई लोगों से चंदे के रूप में 14 लाख 49 हजार रुपए मिले थे और इसका रिटर्न काफी देर से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में फाइल किया गया। ऐसा करना इनकम टैक्स कानून की धारा 13ए का उल्लंघन है।

चुनाव आयोग के एक सदस्य का इस्तीफा चिंताजनक : शरद पवार

पवार का आरोप- सिर्फ विपक्षी नेताओं के खिलाफ हुई ईडी की कार्रवाई

मुंबई, (हि. स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार ने कहा कि चुनाव आयोग के एक सदस्य का इस्तीफा देना चिंताजनक है। इस्तीफे के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। इसलिए हम चुनाव प्रणाली को लेकर चिंतित हैं। पवार ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई सिर्फ विपक्षी नेताओं तक सीमित है। उन्होंने 15 से 17 के बीच चुनाव कार्यक्रम घोषित होने की संभावना जताई है। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार सोमवार को पुणे में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। पवार ने कहा कि इससे पहले कभी भी इतने बड़े पैमाने पर नेताओं के खिलाफ सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल नहीं किया गया। विपक्षी नेताओं को दबाने के लिए ईडी, सीबीआई या अन्य एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। सिस्टम का दुरुपयोग हो रहा है। कर्नाटक के एक शख्स को गिरफ्तार किया गया। लेकिन, कोर्ट ने कांग्रेस के डीके शिवकुमार को निर्दोष बरी कर दिया। इससे पता चलता है कि ईडी का इस्तेमाल गलत तरीके से किया जा रहा है। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में भी यही हो रहा है। ऐसी ही कार्रवाई अनिल देशमुख के खिलाफ भी की गई है। अब रोहित पवार पर भी कार्रवाई की जा रही है। चीनी मिल सरकार और बैंक ने बेच दी। सबसे अधिक बोली लगाने वाले को फैक्ट्री दे दी गई। पवार ने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में जानबूझ कर एक सक्रिय कार्यकर्ता को रोकने और दहशत फैलाने के लिए ईडी की कार्रवाई की गयी है। शरद पवार ने पत्रकारों के सामने सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आंकड़ों को रखते हुए कहा कि ईडी के पास दर्ज 5 हजार 906 मामलों में से सिर्फ 25 मामलों पर ही फैसला आया है। पिछले ग्यारह सालों में ईडी ने 141 नेताओं की जांच की। इनमें से 85 फीसदी नेता विपक्षी नेता थे। साथ ही 115 नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई। इनमें से 24 कांग्रेस से, 19 तृणमूल कांग्रेस से, 18 एनसीपी से, आठ शिवसेना से हैं। पार्टी नेताओं में डीएमके के 6, राजद के 5, समाजवादी पार्टी के 5, सीपीएम के 5, आप के 3, नेशनल कॉन्फ्रेंस के 2, एमएनएस के 1, पीडीपी के 2, एआईडीएमके के 1 और टीआरएस के 1 नेता शामिल हैं। ईडी की ओर से एक मुख्यमंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री, विपक्षी पार्टी के 14 मंत्री, 24 सांसद, 21 विधायक, 7 पूर्व सांसद, 11 पूर्व विधायक जैसे नेताओं पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 से वर्ष 2014 तक कांग्रेस के कार्यकाल में ईडी ने 26 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की थी। इन 24 में कांग्रेस के पांच नेता थे और भाजपा के 3 नेता थे। इससे पता चलता है कि यूपीए के दौरान ईडी राजनीतिक मकसद से काम नहीं कर रही थी। पवार ने ईडी पर केंद्रीय सत्ता के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया है।

आजमगढ़ से लखनऊ के लिए शुरू हुई पहली उड़ान, यात्रियों में दिखा उत्साह

आजमगढ़, (हि.स.) आजमगढ़ जिले के मंदुरी में स्थित आजमगढ एयरपोर्ट से सोमवार को पहली उड़ान सेवा शुरू हो गई। पहली उड़ान आजमगढ़ से लखनऊ के हुई। पहले दिन यात्रा करने पहुंचे यात्रियों में उत्साह दिखा और उन्होने इसके लिए पीएम व सीएम को धन्यवाद दिया। वही पहली उड़ान का जायजा लेने के लिए सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ भी एयरपोर्ट पहुंचे और कहा कि अभी तो यह झांकी है, दिल्ली, मुंबई और दुबई की उड़ान बाकी है। बता दें की आजमगढ़ के मंदुरी एयरपोर्ट पर 10 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साढ़े 36 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया था। लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में मंदुरी में स्थित आजमगढ़ एयरपोर्ट भी शामिल रहा। सोमवार को पहली उड़ान को देखते हुए गेट के अंदर व बाहर भारी संख्या में जवान तैनात रहे। फ्लाई विंग कंपनी का 19 सीटर विमान लखनऊ से आजमगढ़ एयरपोर्ट पर पहुंचा। विजविलटी कम होने के कारण पहली फ्लाइट के आने में करीब आधे घंटे का बिलंब हुआ। पहले दिन यात्रा करने पहुंचे यात्रियों में काफी उत्साह दिखा। पहले दिन यात्रा करने पहुंचे सुमितत्र अग्रहरी, पुनीत चौहान, मिलिंद सिंह ने कहा कि काफी लंबे इंतजार के बाद आज पहली उड़ान में बैठने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। एयरपोर्ट काफी खुबशुरत बना है।

सभी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया। एयरपोर्ट के डायरेक्टर मुकेश यादव ने बताया कि आजमगढ़ एयरपोर्ट से 19 सीटर विमान चलाया जा रहा है। आज पहले दिन विजबिलटी कम होने के कारण विमान लखनऊ से करीब 20 मिनट देर से आजमगढ़ पहुंचा। उन्होने बताया कि बुधवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन विमान का संचालन किया जायेगा। वही एयरपोर्ट पर पहली उड़ान का जायजा लेने पहुंचे सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ ने कहा कि अभी यह उड़ान सिर्फ लखनऊ तक ही हो रही है, लेकिन आने वाले समय में देश के अंदर व देश के बाहर भी यहां से उड़ान की जाएगी। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ एयरपोर्ट आजमगढ़ की जनता के लिए हवाई यात्रा का एक सुगम व सुलभ व्यवस्था बनकर उभरेगा, तथा आजमगढ़ सहित आसपास के कई जनपदों की जनता इस एयरपोर्ट से लाभान्वित होगी। उन्होंने कहा कि कल ही प्रधानमंत्री से इसके विस्तार के संबन्ध में बात भी हुई है। सांसद निरहुआ ने कहा कि अभी तो यह झांकी है, दिल्ली, मुंबई और दुबई की उड़ान बाकी है।

किसान पथ के जरिए धरातल पर उतर रहा है अटल जी का सपना : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 11 मार्च (हि.स.)। विकास का जो मॉडल हमें लखनऊ में देखने को मिल रहा है, वह अटल जी का ही सपना है, जो धरातल पर उतर रहा है। आज किसान पथ के उद्घाटन के साथ लखनऊ की जाम की समस्या का समधान होने जा रहा है। इसके अलावा लखनऊ विकास प्राधिकरण की ओर से ग्रीन कॉरीडोर बनाया जा रहा है, यह गोमती नदी के कट को लेते हुए शहीद पथ को जोड़ेगा, जिससे लखनऊ सिटी को जाम की समस्या से निजात मिलेगी। ये बातें सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के ज्यूपिटर हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। इस अवसर पर रक्षामंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 3,666 करोड़ की 206 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने गुरुग्राम से किया लखनऊ आउटर रिंगरोड का उद्घाटन – वहीं दूसरी तरफ गुरुग्राम (हरियाणा) में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश में विस्तारित एक लाख करोड़ रुपये की 112 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें उत्तर प्रदेश में 5,500 करोड़ की लागत से 8 लेन की 104 किमी लखनऊ आउटर रिंग रोड (किसान पथ) के तीन पैकेज का उद्घाटन शामिल है। आउटर रिंग रोड यानी किसान पथ के लोकार्पण से इसका लाभ बाराबंकी, गोरखपुर, अयोध्या, सीतापुर, गोंडा, हरदोई, कानपुर, वाराणसी, रायबरेली, सुल्तानपुर समेत अन्य जिलों के लोग उठा सकेंगे। इस रिंग रोड के बन जाने से इन शहरों में जाने के लिए लखनऊ में प्रवेश करने की जरूरत नहीं होगी। वे बिना शहर में प्रवेश किए सीधे गंतव्य को जा सकेंगे। इससे लखनऊ वालों को भी जाम से छुटकारा मिल जाएगा।

युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नये अवसर : योगी – लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि ग्रीन कॉरीडोर के फर्स्ट फेज का कार्य आज पूरा होन जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां डीआरडीओ की मदद से रक्षा मंत्रालय ने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल के सेंटर का भी उद्घाटन किया जा रहा है। ये हमारे युवाओं को स्टार्टअप और रोजगार के नये अवसर प्रदान करेगा। आज लखनऊ में फॉरेंसिक रिसर्च इंस्ट्रीट्यूट का उद्घाटन और अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी के लोकार्पण का कार्य होने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में विकास कार्यों का श्रेय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को देते हुए कहा कि लखनऊ ने जो यशस्वी नेतृत्व प्राप्त किया है, वह देश की रक्षा के साथ ही लखनऊ के विकास के लिए समर्पित हैं।

लखनऊ से लोकार्पित होने वाली प्रमुख परियोजनाएं – मोहनलालगंज में इंट्रास्टेंट ट्रांसमिसन प्रोजेक्ट, वसंत कुंज योजना के सेक्टर- आई में 3,800 प्रधानमंत्री आवास ग्रीन कॉरिडोर के अंतर्गत गऊगाट पर सेतु, आईआईएम रोड से हार्डिंग ब्रिज तक बंधा एवं सड़क, यूपी दर्शन पार्क (वेस्ट टू वंडर), केजीएमयू में सेंटर फॉर ऑथोर्पेडिक सुपर स्पेशियलिटी, एसजीपीजीआई में एडवांस्ड ऑथ्मेलॉजी भवन एवं एडवांस्ड डायबिटिक सेंटर, मेडिकल टेक्नोलॉजी के छात्रों के लिए 200 बेड का छात्रावास, द्वितीय मेन गेट, रोड एवं पर्किंग, कल्ली पश्चिम स्थित नवीन पुलिस लाइन में 4 ब्लॉक का ट्रांजिट हॉस्टल, हर घर नल योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए 34 परियोजनाएं, वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामुदायिक मनोरंजन केंद्र, एबीडी एरिया में 11 स्मार्ट मार्ग का निर्माण एवं विकास, 75 पब्लिक हेल्थ एटीएम सेंटर, कलेक्ट्रेट परिसर में भूमिगत मल्टीलेवल पार्किंग, जनेश्वर मिश्र पार्क में मल्टीमीडिया लेजर शो, बिजनौर-मातीपरवर मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद का कार्यालय भवन, कैप्टन मनोज पांडेय उत्तर प्रदेश में सैनिक स्कूल में महिला छात्रावास, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 200 बेड का सावित्री भई फुले महिला छात्रावास- एनाएच-56 से गंगागंज-नगराम रोड का लोकार्पण किया गया।

लखनऊ से शिलान्यास होने वाली प्रमुख परियोजनाएं – अवध चौराहे पर अंडरपास, गोसाईगंज-बनी मोहन मार्ग पर अनूपगंज में रेलवे कॉलिन संख्या 188 स्पेशल पर 4 लेग रेल उपरिणामी सेतु, किसान पथ से भटगांव डिफेंस नोड पार्सल संपर्क मार्ग, पक्का पुल से डालीगंज एवं गोमती नदी के ब्रिज तक 2 लेन आरओबी कम फ्लाईओवर, हनुमान सेतु से समतामूलक चौराहे तक सीधे रोड कनेक्टिविटी के लिए निशातगंज बंधा का चौड़ीकरण, हनुमान सेतु पर दो नए पुल, सरोजनीनगर में 100 बेड क्रिटिकल केयर ब्लॉक, एस.जी.पी. जी. आई. में 500 बेड का एडवांस्ड पीडियाट्रिक सेंटर (फेज-एक), ग्रीन कॉरिडोर के अंतर्गत निशातगंज में सेतु का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना, केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जितिन प्रसाद, एके शर्मा, सांसद सत्यदेव पचौरी, देवेन्द्र सिंह 'भोले', डॉ दिनेश शर्मा, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक डॉ नीरज बोरा, योगेश शुक्ल, डॉ राजेश्वर सिंह, जय देवी, अमरेश कुमार, विधान परिषद् सदस्य डॉ महेन्द्र सिंह, मुकेश शर्मा, राम चंद्र सिंह प्रधान, डॉ लालजी प्रसाद 'निर्मल', मोहसिन रजा, उमेश द्विवेदी, बुक्कल नवाब, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

भाजपा पार्षद को बंधक बनाने को लेकर सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर कसा तंज

वाराणसी, (हि.स.)। वाराणसी के सरायनंदन खोजवा इलाके में कई दिनों से सीवर समस्या से परेशान लोगों ने क्षेत्रीय भाजपा पार्षद रीता सेठ के पति अशोक सेठ और गंगा प्रदूषण के जेई को बंधक बना लिया था। इस मामले में अब शहर में सियासत भी उबलने लगी है। विरोधी दलों के नेता इसको लेकर भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इसको लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर घटना का वीडियो पोस्ट कर लिखा देश के प्रधान संसदीय क्षेत्र में पार्षद का काम न करने की वजह से बंधक बनाया जाना सत्ताधारियों के लिए शर्मनाक घटना है। ये विकसित भारत की विरोधाभासी तस्वीर है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी इस घटना को लेकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में क्षेत्र में काम न होने से नाराज जनता ने खोजवा भाजपा सभासद को बंधक बना लिया। ये है प्रधानमंत्री के स्मार्ट सिटी की हकीकत! माहे रमजान और होली पर्व पर वाराणसी में सफाई व्यवस्था, पेयजल आदि की समस्या को लेकर सोमवार को कांग्रेस पार्षद दल का एक प्रतिनिधि मंडल नगर आयुक्त से उनके कार्यालय में मिला और अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। पार्टी के महानगर अध्यक्ष राघवेन्द्र चौबे और पार्षद दल के नेता गुलशन अंसारी के अनुसार काशी को कास्मेटिक विकास के जाल में फंसाकर मूलभूत जनसुविधाओ से दूर किया जा रहा है।

आईएनडीआईए गठबंधन के गीत की उत्तर प्रदेश में हुई पहली प्रस्तुति

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ के समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यलय में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने संयुक्त रुप से पत्रकार वार्ता कर आईएनडीआईए गठबंधन के गीत की पहली प्रस्तुति (लांचिंग) करायी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पत्रकारों के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में एनडीए गठबंधन पर हमारा गठबंधन भारी पड़ेगा। प्रदेश की 80 सीटों में जीत के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता एक साथ काम करेंगे। अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीट से हमारे नेता लड़ेंगे, जिस पर जल्द मुहर

लग जायेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं ने चुनाव जीतने के लिए वार रुम तैयार किया है। समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं के हमारे साथ आने पर बहुत अच्छा रिजल्ट आयेगा। निश्चित ही गठबंधन ज्यादा सीटें जीतेगी। अजय राय ने अखिलेश यादव का हाथ उठाकर एक साथ होने का संदेश दिया।

जन समस्याओं का त्वरित गति से निदान किया जाए : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने- 7 कालिदास मार्ग स्थित कैम्प कार्यालय पर विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होंने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाए कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार -बार चक्कर न लगाने पड़े। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जनता दर्शन में भूमि विवाद, दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, स्कूल निर्माण, भूमि पट्टा, कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, बिजली, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक-एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे रू-ब-रू होकर सुना। जनता दर्शन में लगभग 2 दर्जन ज़िलों से आए लोगों ने आकर अपनी समस्याएं रखीं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत कई जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता भी की।

राष्ट्रीय पटल पर राज्य के स्कूली बच्चों ने खेल प्रतिभाओं से बनाई अमिट पहचान

रांची, (हि.स.)। खेल प्रतिभाओं के मामले में झारखंड राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पटल पर अलग पहचान रखता है। झारखंड में खेल को लेकर अलग ही उत्साह और जुनून देखने को मिलता है। राज्य के स्कूली बच्चों में भी लगातार खेल प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए राज्य स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और राज्य शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा कई कार्यक्रम व आयोजन किये जा रहे हैं। इन प्रतिभाओं को मंच देने के लिए झारखंड राज्य में संचालित 35,443 सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त एवं गैर सरकारी विद्यालयों में 'खेलो झारखंड' खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेलो झारखंड का उद्देश्य स्कूली स्तर पर बच्चों को शिक्षा के साथ नवोदित प्रतिभाओं की पहचान करना, साथ ही विद्यालय स्तर पर खेल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरीय प्रतिस्पधाओं में पदक प्राप्त करना है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार एवं राज्य शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा खेलो झारखंड 2023-24 का आयोजन राज्य के 24 जिलों के सभी 268 प्रखंडों के कुल 35,443 स्कूलों में विद्यालय स्तर, प्रखंड, जिला एवं राज्य स्तर पर किया गया। इसका मुख्य आयोजन राज्यस्तर पर रांची के मेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, खेलगांव में किया गया था। इन सभी आयोजनों के उपरान्त राष्ट्रीय आयोजनों से पूर्व सभी खेलो के चयनित खिलाड़ियों को 21 दिनों के विशेष प्रशिक्षण शिविर में भेजा गया था, जहां इन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। इसी का परिणाम है कि राज्य के स्कूली बच्चों ने अपने खेल प्रतिभाओं से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदकों से राज्य की झोली भर दी है। 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2023-24, सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूनामेंट, नेहरू कप प्रतियोगिता में राज्य के स्कूली बच्चों ने अपने खेल प्रतिभाओं से डंका बजा दिया है। 66वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के मुकाबले 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में अधिक बच्चों ने भाग लिया। 66वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में 47 बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया था जबकि 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में यह संख्या बढ़कर 220 बच्चों तक पहुंच गयी। यह दशार्ता है कि राज्य में खेल प्रतिभाओं के विकास और उनके प्रोत्साहन के लिए राज्य स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव हो रहा है। 66वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के मुकाबले 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं में राज्य के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य की झोली पदकों से भर दी। 66वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में झारखंड की झोली में 3 स्वर्ण, 1 रजत और 9 कांस्य पदकों को मिलाकर कुल 13 पदक आये थे। 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में राज्य ने स्वर्णिम छाप छोड़ते हुए 19 स्वर्ण, 30 रजत और 39 कांस्य पदकों के साथ कुल 88 पदक अपने नाम कर लिया। अंडर 17 62वीं सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में राज्य की बेटियों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा दिया है। झारखंड की ओर से सत. पैट्रिक्स हाई स्कूल, गुमला की टीम ने हरियाणा को फाइनल में 3-0 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीतकर झारखंड के नाम कर दिया। इस टीम में सुरजमुनी कुमारी, ममता कुमारी, अलका इंदवार, नामिना कुमारी, एलिजाबेथ लकड़ा, रिया वर्मा, रश्मी मिंज, बीना कुमारी, अल्फा कंडुलना, सबर्णी कुमारी, बिनीता होरो, दीपिका कुमारी, सुनैना टुडू, क्रीती उरांव , संध्या कुमारी शामिल थी। चरणजीत राय 29वें नेहरू कप अंडर 17 बालिका वर्ग हॉकी प्रतियोगिता में राज्य की बेटियों ने राष्ट्रीय पटल पर चांदी की चमक बिखेर दी। इस प्रतियोगिता में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, बरियातू की बेटियों ने सिल्वर मैडल जीतकर हमें गर्व करने का मौका दिया। इस प्रतियोगिता में शामिल राज्य की सुगन सांगा, ऋचा मिंज और स्वानी केरकेट्टा को कांस्य पदक भी प्राप्त हुआ है।

चेक बाउंस मामले में अभिनेत्री अमीषा पटेल ने दिया 20 लाख का पहला किस्त

रांची, (हि. स.)। फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल से जुड़े चेक बाउंस मामले में सोमवार को शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह को प्रथम किस्त की राशि 20 लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से अकाउंट में जमा करवा दी गयी है। इससे पूर्व नौ मार्च को सिविल कोर्ट में लगी राष्ट्रीय लोक अदालत में अमीषा पटेल एवं शिकायतकर्ता के बीच दो करोड़ 75 लाख रुपए में सहमति बनी थी। इसमें पांच किस्तों में पूरी राशि लौटाने है । किस्त की पहली राशि सोमवार को शिकायतकर्ता को मिल गई। चेक बाउंस की पूरी राशि शिकायतकर्ता के खाते में आने के बाद ही केस बंद होगा। इससे पूर्व झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सह हाई कोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने भी शिकायतकर्ता और अभिनेत्री अमीषा पटेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात की थी । दोनों पक्षों के बीच दो करोड़ 75 लाख देने का समझौता हुआ है। जबकि दूसरी किस्त के रूप में 50 लाख, तीसरी किस्त के रूप में 70 लाख, चौथी किस्त रूप में 62

लाख और अंतिम के रूप में 31 जुलाई 2024 को 62 लाख रुपए का भुगतान शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह को होना है। पूर्व में अमीषा पटेल ने शिकायतकर्ता को 11 लाख रुपए का भुगतान कर दिया था। शिकायतकर्ता की अधिवक्ता विजयलक्ष्मी श्रीवास्तव ने बताया कि पहला किस्त 20 लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से अकाउंट में सोमवार को जमा करवा दी गयी है। फिल्म मेकर अजय कुमार सिंह ने अभिनेत्री अमीषा पटेल पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है।

राज्यसभा चुनाव : एनडीए प्रत्याशी प्रदीप वर्मा ने दाखिल किया नामांकन पत्र

रांची (झारखंड), (हि.स.)। राज्यसभा की रिक्त दो सीटों पर एनडीए गठबंधन की तरफ से भाजपा के उम्मीदवार प्रदीप वर्मा ने सोमवार को विधानसभा पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्र दो सेट में दाखिल किया गया। नामांकन के दौरान सभी भाजपा विधायक उनके प्रस्तावक बने। प्रदीप वर्मा के नामांकन दाखिल करने को लेकर भाजपा के सभी विधायक एक साथ विधानसभा पहुंचे थे। नामांकन दाखिल करने के बाद प्रदीप वर्मा ने भाजपा आलाकमान और वहां पर मौजूद तमाम भाजपा के विधायकों शुक्रिया अदा किया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह मोदी का काल है। यहां कोई गड़बड़ी नहीं होगी। इस दौरान विधायकों ने विधानसभा के बाहर प्रधानमंत्री मोदी जिंदाबाद और अबकी बार 400 पार के नारे लगाये।

उल्लेखनीय है कि राज्य में दो सीटों पर 21 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने का आज आखिरी दिन है। यदि केवल डॉ सरफराज अहमद और प्रदीप वर्मा नामांकन दाखिल करते हैं तो संख्या बल के आधार पर दोनों का निर्विरोध चुना जाना तय है लेकिन मुंबई के व्यवसायी हरिहर महापात्र ने भी नामांकन के लिए पर्चा खरीदा है। हालांकि, महापात्र नामांकन दाखिल करते हैं या नहीं इस पर अभी सस्पेंस कायम है। नामांकन दाखिल करने के लिए झारखंड विधानसभा के सदस्यों की संख्या के अनुसार, कम से कम 10 विधायकों का प्रस्तावक होना जरूरी है।

सत्ता और विपक्ष की विधानसभा में स्थिति

सत्ता पक्ष : झामुमो-29, कांग्रेस-17, राजद-1, माले-1 - कुल-48

विपक्ष : भाजपा-26 , आजसू-03, एनसीपी-1- कुल-30

निर्दलीय सरयू राय ओर अमित यादव भी एनडीए के साथ जाते हैं, तो एनडीए के पास 32 विधायक होंगे। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा चुनाव के लिए चार मार्च को अधिसूचना जारी की गई थी। 11 मार्च तक चुनाव नामांकन दाखिल करने का समय है। 12 मार्च को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की जायेगी। 14 मार्च को नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख है। 21 मार्च को मतदान और 23 मार्च तक चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

चिराग के लिए हमारे दरवाजे खुले हैं : तेजस्वी यादव

पटना, (हि.स.)। बिहार में विधान परिषद की 11 सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर महागठबंधन की ओर से आज राबड़ी समेत पांच उम्मीदवारों ने अपना नामांकन भरा। इस मौके पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि चिराग के लिए हमारे दरवाजे खुले हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं लेकिन बिहार में अभी तक राजग गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर पेंच फंसा हुआ है। सीट शेयरिंग को लेकर जहां महागठबंधन में फिलहाल किसी तरह की कोई सुगबुगाहट नहीं है। वहीं राजग में शामिल क्षेत्रीय दल अधिक सीटों की मांग कर भाजपा पर लगातार दबाव बना रहे हैं। चिराग पासवान लोकसभा की पांच और राज्यसभा की एक सीट की मांग पर अड़ गए हैं। भाजपा की तरफ से चिराग को मनाने की कोशिश की जा रही है। सीटों के बंटवारे को लेकर राजग में चल रहे घमासान पर राजद की पैनी नजर है। राजद की तरफ से चिराग

को महागठबंधन में शामिल होने का खुला ऑफर दिया जा रहा है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारे दरवाजे सभी के लिए खुले हुए हैं, जो आना चाहते हैं उनका स्वागत करेंगे। तेजस्वी यादव से जब मीडिया ने पूछा कि चिराग पासवान राजग गठबंधन से नाराज चल रहे हैं। वे अगर महागठबंधन के साथ आना चाहें ते क्या स्वागत करेंगे? उन्होंने कहा कि राजद के लिए सभी के दरवाजे खुले हुए हैं। समय बताएगा कि लोकसभा चुनाव में कौन किस पर भारी पड़ेगा। सभी लोग अच्छी तरह से जान गए हैं कि देश के लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। देश की जितनी भी संवैधानिक संस्थाएं हैं उनको लगातार हाईजैक करने की कोशिश हो रही है। उल्लेखनीय है कि बिहार विधान परिषद की खाली हो रही 11 सीटों में से महागठबंधन के पांच उम्मीदवारों ने आज अपना नामांकन दाखिल किया है। राबड़ी देवी समेत पांच उम्मीदवारों ने सोमवार को अपना पर्चा भरा। इस मौके पर लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे।

भारत विश्व में शिक्षा का केंद्र पूर्व से ही रहा है : राज्यपाल

पटना/रोहतास, (हि.स.)। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने सोमवार को गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने संबोधन में कहा कि भारत विश्व में शिक्षा का केंद्र पूर्व से ही रहा है। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने कहा कि विश्व में नालंदा विश्व विद्यालय,तक्ष शीला समेत कई शिक्षण केंद्र रहे है। ऋग्वेद विश्व की प्राचीन लिखित वेद में शिक्षक और शिक्षिका को आचार्य और आचार्या के रूप में उद्रित है। राज्यपाल ने कहा कि अपने देश में ब्रिटिश द्वारा 1896 में पहली सर्वे हुआ था। उस समय संयुक्त बंगाल और बिहार में शैक्षिक दर 90 प्रतिशत रही थी, जिसमे महिला और पुरुष दोनों का शैक्षिक दर समान थी। हमारी संस्कृति प्रारंभ से ही महिला उत्थान और उत्थान में महिलाओ की महत्वपूर्ण भूमिका से परिपूर्ण रही है। मौके पर उपमुख्यमंत्री

विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि श्रृष्टि के निर्माण,श्रृष्टि को ज्ञान देने और श्रृष्टि की सुरक्षा में भी देवी (महिला) का ही योगदान है। हमारी संस्कृति और धर्म प्रारंभ काल से ही महिलाओं को देवी स्वरूपा के रूप में सम्मान दिया है। स्वामी विवेकानंद ने ही कहा था कि 21 सदी में विश्व का नेतृत्व भारत करेगा। आज प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऐसा हो रहा है । किस गुलाम मानसिकता के कारण हम गुलाम हुए थे। नारी वंदन और वसुधैव कुटुंबकम् की भावना ही सृष्टि में सम्मान दिलाता है।इस देश से ही विश्व का मार्गदर्शन पूर्व में भी हुआ है और भविष्य में होगा।

अन्तरराष्ट्रीय मैथिल व्यवसायिक सम्मेलन को लेकर मधुबनी में बैठक

मधुबनी, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय मैथिली व्यवसायिक सम्मेलन आगामी 17 मार्च को मुम्बई में आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिला मुख्यालय स्थित विद्यापति टावर परिसर में सोमवार को साहित्यिक विमर्श संगोष्ठी आयोजित हुई। डा शुभ कुमार वर्णवाल के संयोजन में सोमवार को प्रारम्भ कार्यक्रम में शहर के गणमान्य लोगों सहित बुद्धिजिवियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर डा वर्णवाल ने सूचित किया कि अंतरराष्ट्रीय मैथिल व्यवसायिक सम्मेलन 17 मार्च को मुम्बई आयोजित किया जाना सुनिश्चित है। डा वर्णवाल द्वारा सोमवार को इस मंच से कार्यक्रम में मधुबनी से विद्वतगणों व बुद्धिजिवियों को भाग लेने को आमंत्रित किया गया।इस सन्दर्भ में स्थापित साहित्यकार व समाजसेवी संजय झा ने मुम्बई में आयोजित होने वाले वृहत कार्यक्रम की सूचना दिया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में भारत सहित विभिन्न देशों के स्थापित विद्वान व मिथिलावासियों में से पन्द्रह देशों सहित भारत के तीन दर्जन शहरों के प्रतिनिधियों की मनोभाव स्वतः स्फूर्त सहभागिता होगी। वर्तमान केन्द्रीय सरकार मैथिली

भाषा के उत्थान को कृतसंकल्पित है। जिसका उदाहरण सम्यक रूप से चहुंओर प्रस्तुत है। कहा कि कार्यक्रम में मिथिलावासियों द्वारा शुरू किए गए स्ट्राट्रअप को देश व विदेशों में बढ़ावा देने हेतु विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रांत व देश विदेश के विभिन्न जगहों से उपस्थित अतिथिवक्ता द्वारा व्यवसायिक सहभागिता त्वरित गति से बढावा देने को विमर्श मंथन की योजना है। आर्थिक उपार्जन व व्यावसायिक व्यवस्थित इन्तजाम को वृहत वर्णन चर्चा होगी। कहा कि नया पीढी को अवार्चीन व परम्परागत व्यावसायिक स्थिति को किस प्रकार आगे ले जाया जाय व प्रारूप बनाया जाय।इस विषय पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। लाभान्वित होने वाले इच्छुक प्रतिभासंपन्न लोगों को संस्थान द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान करने की प्रतिबद्धता होगी। 17 मार्च को मुम्बई में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ओमन निवासी राकेश झा करेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में अमेरिका से क्रमशः अजय झा, माला झा तथा सतीश झा की सहभागिता सुनिश्चित है। इधर इंग्लैण्ड से शरद झा, दुबई से मनीष झा,जर्मनी से चंद्रप्रकाश झा, पड़ोसी राष्ट्र नेपाल से विभा झा को कार्यक्रम में सिरकत होना बताया है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों के स्वनामधन्य व्यक्तित्व व

संपादकीय

सडक़ों से सडक़ों का मिलन

हिमाचल में सडक़ों की परिभाषा को सुदृढ़ता का पैगाम देते हुए केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक लाख करोड़ का खाका पेश किया है। यह दूसरी बार है कि गडकरी हमीरपुर आ कर सडक़ परियोजनाओं की महत्त्वाकांक्षा में हिमाचल को वरदान दे रहे हैं। इससे पूर्व पिछले लोकसभा चुनाव से पूर्व उन्होंने राष्ट्रीय उच्च मार्गों के साथ-साथ फोरलेन परियोजनाओं का हवाला दिया था। करीब चार हजार करोड़ की अधोसंरचना निर्माण की जमीन पर उद्घाटन व शिलान्यासों की श्रृंखला बना कर गडकरी एक साथ कई पैगाम व प्रतिबद्धता का सबूत देने से नहीं चूकते। हिमाचल की दृष्टि से सडक़ परिवहन की अनिवार्यता को इन परियोजनाओं के माध्यम से केंद्र संबोधित कर रहा है, तो इसके कई राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। खास तौर पर इस उपलब्धि के केंद्र में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर का रुतबा परवान चढ़ता है। यह इसलिए भी कि सारी परियोजनाओं में ऐसा हिमाचल आपस में जुड़ रहा है, जहां अनुराग ठाकुर की प्राथमिकताएं सामने आ रही हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में शिमला-मटौर के बीच आधी-अधूरी फोरलेन को अब पूरी तरह इसी मापदंड में बनाया जाएगा, तो नादौन से अंब तक भी फोरलेन का मिलन सुनिश्चित हो रहा है। अभी कुछ दिन पहले ही अंब-अंदौरा तक पहुंची रेलवे ट्रैक का नादौन से जोडऩे का अनुमानित बजट व लक्ष्य फिर से नजर आया है। ऊना ट्रेन से नित नई झंडियां दिखाते अनुराग ठाकुर अपना महत्त्व और हिमाचल के राजनीतिक परिदृश्य में अपना भविष्य दिखा रहे हैं। दरअसल कनेक्टिविटी के लिहाज से ऊना, हमीरपुर और बिलासपुर जिला इस समय हिमाचल को अग्रणी बना रहे हैं। भानुपल्ली से बिलासपुर निकल रही रेलवे लाइन अपनी रूपरेखा को यथार्थ की जमीन पर अंकित कर रही है, तो ऊना से अंब-अंदौरा पहुंचे ट्रैक को हमीरपुर की तरफ मोडऩे का संकल्प मजबूत होता दिखाई दे रहा है। ये सारी महत्त्वाकांक्षी परियोजनाएं हिमाचल के हमीरपुर संसदीय क्षेत्र को केंद्रीय सूची में सबसे ऊपर रख रही हैं। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में केंद्रीय संस्थानों की पैरवी में एम्स, एनआईटी, ट्रिपल आईटी, खेलो इंडिया एक्सीलेंस सेंटर, पीजीआई सेटेलाइट सेंटर के अलावा अब पूरा का पूरा केंद्रीय विश्वविद्यालय भी देहरा के प्रांगण में स्थापित हो रहा है, तो इसका श्रेय केवल एक ही सांसद को जाता है। इसके मुकाबले अन्य संसदीय क्षेत्र अपने सांसदों की वजह से बौने नजर आते हैं। इतना ही नहीं हिमाचल के विधायकों की वजह से कई जिला पिछड़ रहे हैं। खास तौर पर कांगड़ा भले ही सत्ता सौंपने की भूमिका में अग्रणी रहे, लेकिन विधायकों के कारण एकदम फिसड्डी साबित हो रहा है। प्रदेश तीसरी बार हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से मुख्यमंत्री चुन रहा है तो इसलिए कि वहां केंद्र और प्रादेशिक नेतृत्व में नेताओं की श्रेष्ठता का कुछ तो आलाकमान पर असर है। बहरहाल हमीरपुर जैसे शहर में अब दूसरे बाईपास के लिए मुहैया हो रहे 740 करोड़ के रास्ते शिमला से धर्मशाला का सफर मीलों कम हो जाएगा। इसी तरह बिजली महादेव तक यात्री अगर सात से दस मिनट में पहुंच पाएंगे, तो 283 करोड़ की परियोजना का शिलान्यास रज्जु मार्गों के विकल्प को आसान बना रहा है। समृद्ध व आत्मनिर्भर हिमाचल की दृष्टि से सडक़ मार्गों का सशक्तिकरण निश्चित रूप से हमें विकास के असली मायने समझा रहा है। देवी दर्शन तथा पर्यटन के लिए अगर वाकई एक लाख करोड़ की अधोसंरचना परियोजनाएं चहलकदमी कर रही हैं, तो इसके नतीजे में विकास का भविष्य अवश्य ही उज्ज्वल होगा। हिमाचल को सडक़ों के साथ- साथ रज्जु मार्गों तथा परिवहन के अन्य विकल्पों की ओर भी आगे बढऩा होगा।

हिमाचल की दृष्टि से सडक़ परिवहन की अनिवार्यता को इन परियोजनाओं के माध्यम से केंद्र संबोधित कर रहा है, तो इसके कई राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। खास तौर पर इस उपलब्धि के केंद्र में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर का रुतबा परवान चढ़ता है। यह इसलिए भी कि सारी परियोजनाओं में ऐसा हिमाचल आपस में जुड़ रहा है, जहां अनुराग ठाकुर की प्राथमिकताएं सामने आ रही हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में शिमला-मटौर के बीच आधी-अधूरी फोरलेन को अब पूरी तरह इसी मापदंड में बनाया जाएगा, तो नादौन से अंब तक भी फोरलेन का मिलन सुनिश्चित हो रहा है। अभी कुछ दिन पहले ही अंब-अंदौरा तक पहुंची रेलवे ट्रैक का नादौन से जोडऩे का अनुमानित बजट व लक्ष्य फिर से नजर आया है। ऊना ट्रेन से नित नई झंडियां दिखाते अनुराग ठाकुर अपना महत्त्व और हिमाचल के राजनीतिक परिदृश्य में अपना भविष्य दिखा रहे हैं। दरअसल कनेक्टिविटी के लिहाज से ऊना, हमीरपुर और बिलासपुर जिला इस समय हिमाचल को अग्रणी बना रहे हैं। भानुपल्ली से बिलासपुर निकल रही रेलवे लाइन अपनी रूपरेखा को यथार्थ की जमीन पर अंकित कर रही है, तो ऊना से अंब-अंदौरा पहुंचे ट्रैक को हमीरपुर की तरफ मोडऩे का संकल्प मजबूत होता दिखाई दे रहा है। ये सारी महत्त्वाकांक्षी परियोजनाएं हिमाचल के हमीरपुर संसदीय क्षेत्र को केंद्रीय सूची में सबसे ऊपर रख रही हैं।

नए शाहजहां के बारे में यौन शोषण व जमीनें हड़पने के कई मामले सामने आने लगे

शाहजहां मामले में क्या छुपाना चाहती हैं ममता

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

बंगाल की पुलिस को इतना तो पता ही था कि यह शाहजहां मुगल वंश का शाहजहां नहीं है, बल्कि तृणमूल वंश का शाहजहां है। इसलिए उसने कूट भाषा को समझ कर शाहजहां को पकडऩे की बजाय उसे छिपाने में सारी शक्ति खर्च कर दी। लेकिन इसे ममता का दुर्भाग्य ही कहना चाहिए कि उसके शाहजहां की एक के बाद एक करतूत सामने आती गई। यहां तक कि उसके आदमी सुंदर लड़कियों को उनके परिजनों के सामने ही उ कर ले जाते थे।

बंगाल में शाहजहां शेख ने उनसे पूछताछ करने के लिए गई ईडी की टीम पर अपने लोगों से हमला करवा दिया था। इसके बाद वह 'सरकारी कागजों' में फरार हो गया था। ईडी ने उसके खिलाफ पुलिस के पास एफआईआर दर्ज करवा दी। ऐसे मामलों में सामान्यतया पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करती है। लेकिन पुलिस ने ज्यादा रुचि ईडी की टीम के खिलाफ कार्रवाई करने में दिखाई। पर तब तक इस नए शाहजहां के बारे में यौन शोषण व जमीनें हड़पने के कई मामले सामने आने लगे। लोग, विशेषकर महिलाएं, सडक़ों पर उतरने लगे तो शाहजहां के खिलाफ नए-नए केस दर्ज होने लगे। लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने में कोई रुचि नहीं दिखाई। अलबत्ता ममता बनर्जी ईडी के खिलाफ जरूर भाषण देती रही। यह भी बताती रही कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को जानबूझकर तंग किया जा रहा है। अब बंगाल की पुलिस को इतना तो पता ही था कि यह शाहजहां मुगल वंश का शाहजहां नहीं है, बल्कि तृणमूल वंश का शाहजहां है। इसलिए उसने कूट भाषा को समझ कर शाहजहां को पकडऩे की बजाय उसे छिपाने में सारी शक्ति खर्च कर दी। लेकिन इसे ममता का दुर्भाग्य ही कहना चाहिए कि उसके शाहजहां की एक के बाद एक करतूत सामने आती गई। यहां तक कि उसके आदमी सुंदर लड़कियों को उनके परिजनों के सामने ही उ कर ले जाते थे। उनके अपने घर में या पार्टी कार्यालय में ले जाकर उनसे बलात्कार करते थे। लगता था, उन्होंने अपनी इस गतिविधि को भी पार्टी चुनाव घोषणा पत्र का हिस्सा मान लिया हो। जब बंगाल पुलिस यौन शोषण पीड़ित महिलाओं की पक्षधर होने की बजाय शाहजहां की पक्षधर बन गई तो लोग कोलकाता हाई कोर्ट की शरण में गए। वैसे भी अब तक शाहजहां भी सक्रिय हो गया था और लोगों को अपने गुर्गों को माध्यम से धमकाने लगा था। उच्च न्यायालय ने शाहजहां को गिरफ्तार न करने पर प्रदेश सरकार के रवैए पर हैरानी जाहिर की और प्रशासन को उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आदेश दिया। लेकिन लोग जानते थे कि प्रदेश सरकार की रुचि उसे बचाने में है, न कि गिरफ्तार करने में। प्रदेश में संदेशखाली में शाहजहां के शासन के काले चि_ सामने आ रहे थे। इसलिए हो-हल्ला

बढ़ता जा रहा था। मामला यहां तक पहुंच गया था कि प्रदेश सरकार को कोई न कोई सफाई देना जरूरी हो गया था कि वह बताए कि वह तृणमूल नेता शाहजहां को आखिर क्यों गिरफ्तार नहीं कर रही? 'वह मिल नहीं रहा', यह बहाना अब काम नहीं आ रहा था। तब ममता बनर्जी के भतीजे मैदान में उतरे। जिस प्रकार ममता बनर्जी कई शाहजहां की सहायता से बंगाल का प्रशासन चला रही हैं, उसी प्रकार उनके भतीजे अभिषेक बैनर्जी तृणमूल कांग्रेस का प्रशासन चला रहे हैं। अभिषेक ने बाकायदा एक प्रेस कान्फ्रेंस कर कहा कि राज्य सरकार तो शाहजहां को पकडऩा चाहती है, लेकिन कोलकाता हाईकोर्ट ने ही इस पर रोक लगाई हुई है। वैसे भी शाहजहां को 'भागे हुए' अब पचपन दिन हो ही गए थे। तब हाई कोर्ट ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए इस प्रकार की बहानेबाजी पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए शाहजहां को तुरंत गिरफ्तार करने के लिए ही नहीं कहा, बल्कि यहां तक आदेश दिया कि उसे प्रदेश पुलिस के अलावा ईडी या सीबीआई भी गिरफ्तार कर सकती हैं। जाहिर है हाई कोर्ट के इस आदेश से ममता के साम्राज्य में हलचल मचती। अब शाहजहां को छिपाना मुश्किल था। खतरा यह हो गया था कि यदि ईडी या सीबीआई ने उसे गिरफ्तार कर लिया तो कहर टूट पड़ेगा। इसलिए उसे तुरंत बंगाल पुलिस की सुरक्षा में लेना पड़ेगा अन्यथा वह ईडी या सीबीआई की गिरफ्त में आ जाएगा। तब पता नहीं क्या-क्या उगल दे। इसलिए तुरंत बंगाल पुलिस ने 'गिरफ्तारी' की ढाल में उसे अपनी सुरक्षा में ले लिया। लेकिन साथ ही अपनी सफलता का जश्न भी मनाना शुरू कर दिया कि बंगाल पुलिस कितनी चुस्त दुरुस्त है कि शाहजहां उसके शिकंजे से बच नहीं सका। पुलिस को लगता था बंगाल के लोग उसके इस आदेश से धोखे में आ जाएंगे। ममता बनर्जी के लोग अपनी इस सफलता पर बाकायदा नाचने लगे। लेकिन यह शोर शराबा ज्यादा देर नहीं चल सका। ममता और उनका भतीजा अभी यह नकली फुलझडियां चला ही रहे थे कि हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि शाहजहां तुरन्त सीबीआई के हवाले कर दिया जाए। अब मामला टेढ़ा हो गया था। हाई कोर्ट ने कहा था शाम साढ़े चार बजे तक अपराधी को सीबीआई के हवाले कर दिया जाए। आम तौर पर होता यह है कि इस प्रकार के मामलों में अपराधी कोर्ट की तरफ भागते हैं कि मुझे सीबीआई के हवाले न किया जाए। जितना बड़ा अपराधी उतना बड़ा वकील। सरकार अपराधियों की इस प्रकार की अपीलों का विरोध करती है। लेकिन शाहजहां के मामले में उलटा हुआ। बंगाल सरकार रात को ही दिल्ली स्थित उच्चतम न्यायालय की ओर भागी। गुजारिश यह थी कि हुजूर किसी तरह हमारे शाहजहां को सीबीआई की कस्टडी में जाने से रोकिए। उधर साढ़े चार बजे का घंटा बज रहा है। सीबीआई के अधिकारी बंगाल पुलिस के दरवाजे पर खड़े हैं, हाईकोर्ट का आदेश लेकर। शाहजहां को हमारे हवाले कीजिए। बंगाल पुलिस का कहना है कि ममता बनर्जी सरकार सुप्रीम कोर्ट गई हुई है शाहजहां को सीबीआई से बचाने के लिए। सीबीआई के अधिकारी पूछ रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने कोई स्टे वगैरह दिया हो तो दिखा दें। लेकिन कोई स्टे नहीं है। दिल्ली में ममता के वकील गुहार लगा रहे हैं, हुजूर यह मसला बहुत जरूरी है। सब काम छोड़ कर तुरंत सुनवाई करें। लेकिन सुप्रीम कोर्ट इसमें कोई जल्दी नहीं देखता। वह तारीख दे देता है। अब ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के पास कोई रास्ता नहीं बचा। तब उन्होंने 'ममता बनर्जी' वाला सूत्र अपनाया। शाहजहां को सीबीआई को नहीं दिया। जो करना हो कर लो। सारा बंगाल देख रहा है। आखिर ममता बनर्जी शाहजहां को इस सीमा तक जाकर भी क्यों बचाना चाहती हैं? यह प्रश्न शेषनाग की तरह फन तान कर उसके सामने खड़ा है। ममता बनर्जी को किस बात का डर है? दूसरे दिन हाई कोर्ट फिर आदेश देता है।

दृष्टि कोण

सेना में आगे आ रही हैं महिलाएं, यह चलन दे सकता है देश की सुरक्षा प्रणाली को मजबूती

भारतीय संस्कृति में युगों से महिलाएं साहस और शक्ति का प्रतीक मानी जाती रही हैं। पर दुर्भाग्य से दसवीं सदी से लेकर 19वीं सदी तक गुलामी के समय विदेशी शासकों ने भारतीय नारियों पर अत्याचार करने शुरू किए, जिसके कारण वे घरों में पर्दे में रहने के लिए मजबूर हुईं। लेकिन आजादी के बाद भारतीय महिलाओं को अच्छी शिक्षा और विकास के सारे अवसर मिले, जिससे उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा, प्रशासन, शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में पुरुषों के बराबर योगदान देना शुरू किया। आज हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर देश की उन्नति में अपना योगदान दे रही हैं। लेकिन आजादी के बाद भी काफी समय तक सैन्य सेवा का अवसर पुरुषों को ही मिलता रहा। वर्ष 1992 में भारत सरकार ने सेना में महिलाओं को अफसर बनाने के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी और इसके बाद थल सेना में अल्पकालिक सेवा आयोग स्कीम द्वारा महिलाओं को दस वर्ष की आवश्यक सेवा के बाद चार साल की अतिरिक्त सेवा का अवसर प्रदान किया जाता है। दस साल की सेवा के बाद इनमें चयनित महिला अफसरों को नियमित पूर्णकालीन सेवा का अवसर भी मिलता है। वर्ष 1992 से लेकर 2023 तक 6,993 महिला अफसर तथा 100 महिलाएं सैनिक के रूप में अब तक अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। अब अग्निवीर योजना के तहत अकेले नौसेना में एक हजार अग्निवीर महिलाओं की भर्ती की जा रही है। सैन्य सेवा में महिलाओं के प्रदर्शन और लगन को देखते हुए 2023 से उन्हें नियमित स्थायी कमीशन स्कीम के तहत भारतीय रक्षा अकादमी खड़कवासला पुणे में भर्ती किया गया, जहां से वे पुरुषों की तरह ट्रेनिंग पूरी करके भारतीय रक्षा अकादमी देहरादून से पूरी सेवा के लिए अफसर बनेंगी। शुरू में इन्हें थल सेना में लिया जाता था, परंतु कुछ समय बाद ही

महिलाओं को वायुसेना तथा नौसेना में भी सेवा का अवसर मिलने लगा है! थल सेना में इन्फेंट्री तथा आर्म्ड कोर (टैंक कोर) दुश्मन से आमने-सामने का युद्ध लड़ती है और युद्ध में कभी-कभी दुश्मन सैनिकों के साथ द्वंद्व युद्ध और हाथापाई तक की नौबत आ जाती है। उल्लेखनीय है कि 1971 के युद्ध में फाजिल्का की सीमा पर भारत के मेजर नारायण सिंह ने पाकिस्तान के मेजर शरीफ के साथ कुश्ती लड़ी थी और कुछ वर्ष पहले 2019 में गलवान में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच लाठी-डंडों से युद्ध लड़ा गया था। इसे देखते हुए इन्फेंट्री और आर्म्ड कोर के अलावा सेना के अन्य 11 विभागों-इंजीनियरिंग, सिग्नल, आर्मी सर्विस कोर, आर्मी ऑर्डिनेंस कोर इत्यादि में महिलाओं को अफसर के रूप में सेवा के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। महिलाओं को सैनिक के रूप में आर्मी सर्विस कोर, आर्मी ऑर्डिनेंस तथा मिलिट्री पुलिस इत्यादि में भर्ती हो रही है। वहीं पर वायु और नौसेना की सेवा में दुश्मन से सीधा आमना-सामना न होने कारण इन्हें बिना लैंगिक भेदभाव के हर विभाग में सेवा का पूरा अवसर प्रदान किया जाता है। अब तक थलसेना में 120 महिलाओं को कर्नल के पद के लिए चयनित किया गया है। यह देश के लिए गर्व का विषय है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा विभिन्न देशों में भेजे गए भारत के शांति दलों में 20 फीसदी महिला अधिकारी हैं। सेना में महिलाओं की कॅरिअर प्लानिंग के लिए भारत सरकार ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया है कि योजनाबद्ध तरीके से महिला सैनिक अधिकारियों के कॅरिअर की प्रगति पर एक विस्तृत नीति बनाई जा रही है, जिसे 31 मार्च तक तैयार कर लिया जाएगा। इससे महिलाओं के लिए सेना की यूनिटों में कमान संभालने के अवसरों तथा कॅरिअर के लिए विस्तृत प्रणाली उपलब्ध होगी। पिछले साल वृंदावन के वत्सल ग्राम में साध्वी ऋतंभरा ने देश का पहला महिला सैनिक स्कूल स्थापित किया है, जिसका उद्घाटन भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया था। लड़कों के लिए देश के हर राज्य में सैनिक स्कूल हैं, परंतु लड़कियों को सेना में प्रवेश के लिए तैयार करने वाला वृंदावन में यह पहला स्कूल खोला गया है। ज्यादा से ज्यादा लड़कियों को सैनिक सेवा के लिए एनसीसी तथा सैनिक और मिलिट्री स्कूलों द्वारा तैयार किए जाने से देश की प्रथम और द्वितीय श्रेणी की सुरक्षा प्रणाली भी मजबूत की जा सकती है।

कुछ अलग

जीवन को समझिए

मैं एक संन्यासी हूं, पर मैं एक गृहस्थ भी हूं, मैं सिर्फ वानप्रस्थ आश्रम में ही नहीं हूं बल्कि एक गृहस्थ संन्यासी हूं। मैंने बीस साल मीडिया घरानों में गुजारे और उसके बाद के बीस साल जनसंपर्क में रहा। एक राष्ट्रीय जनसंपर्क कंपनी के चेयरमैन के रूप में भी मीडिया घरानों, संपादकों और पत्रकारों से जुड़े रहना मेरे पेशे का हिस्सा था। मैंने गिनीज विश्व रिकॉर्ड एक लेखक के रूप में बनाया, और अब भी मैं एक कॉलमिस्ट के रूप में मीडिया से जुड़ा हुआ हूं। मीडिया घरानों से जुड़े रहने का जिक्र मैं इसलिए कर रहा हूं क्योंकि इस पेशे ने मेरे जीवन को संवारा है। मीडिया से मेरे संबंधों ने पहले मुझे हैपीनेस गुरू के रूप में तराशा और फिर एक आध्यात्मिक सिद्धगुरू बनने के यात्रापथ पर आगे बढ़ाया। मीडिया घरानों से मुझे जो सीख मिली उसने मुझे जीवन को समझने की कूवत दी। इसके अलावा, जीवन में सफलता, खुशी और खुशहाली का संदेश मैं मीडिया के माध्यम से जल्दी और ज्यादा लोगों तक पहुंचा सकता हूं, यही कारण है कि स्पिरिचुअल हीलर और सिद्धगुरू हो जाने के बाद भी मैं मीडिया से अपना साथ लगातार बनाए हुए हूं। आइए, अब समझने की कोशिश करते हैं कि मीडिया से मुझे क्या सीख मिली और उसने मेरा जीवन कैसे संवारा। अखबार में काम करने वाले दो समूहों का बड़ा महत्व है। पहला समूह है पत्रकारों का, जो समाज के बीच रहकर खबरें टटोलते हैं और नए-नए खुलासे करते रहते हैं। खबर ढूंढना, खबर के महत्व को समझना और उसकी रिपोर्ट बनाकर सौंपना पत्रकारों की महारत है। मीडिया घरानों का दूसरा महत्वपूर्ण अंग है संपादकीय विभाग। संपादकीय विभाग के विभिन्न स्तरों के संपादकगण अपने पास आई खबरों को पढक़र, उनमें आवश्यक काट-छांट करके, उन्हें सजा-संवारकर पाठकों अथवा दर्शकों को पेश करते हैं। पत्रकार लोग खोजी किस्म के होते हैं। छुपी घटनाओं को ढूंढ निकालना और उसे जनता के सामने पेश करना उनकी खूबी है। संपादकगण उस सूचना को तराशने का काम करते हैं। उसे काट-छांटकर और पालिश लगाकर इस काबिल बनाते हैं कि खबर में कही गई पूरी बात आसानी से सबकी समझ में आ जाए। पत्रकार खबर को विस्तार देता है और संपादक उसमें काट-छांट करता है। यह काट-छांट ही जीवन का असली सबक है। खबर में से वो हर हिस्सा निकाल देना जो अनावश्यक है, जो खबर को बोझिल बनाता है या जो खबर में कोई नई वैल्यू नहीं जोड़ता, उस सबको निकाल देना, संपादक का काम है। जैसे पत्थर में काट-छांट करके एक सुंदर मूर्ति बनती है, वैसे ही पत्रकार द्वारा दी गई खबर के अनावश्यक हिस्सों को हटाकर संपादकगण खबर को समझ में आने वाला बना देते हैं। यह घटाना इतना महत्वपूर्ण है कि यह खबर में वैल्यू जोड़ देता है। मैं दोहरा कर कहना चाहूंगा कि यह घटाना इतना महत्वपूर्ण है कि यह खबर में वैल्यू जोड़ देता है, और मीडिया घरानों में रहकर मैंने जीवन का यही सबसे महत्वपूर्ण सबक सीखा है। हमें जीवन में कई तरह के ऑफर आते हैं, कई तरह के अवसर मिलते हैं, कई तरह की इच्छाएं जोर मारती हैं, और हमें उनमें से अपने लिए सर्वश्रेष्ठ को चुनना होता है। जब हम किसी एक बात को चुनते हैं, उसके लिए 'हां' बोलते हैं तो इसका सीधा-सीधा मतलब है कि हमने बाकी सारे विकल्पों को 'न' बोलकर इस एक विकल्प को, इस एक काम को, इस एक प्रोजेक्ट को, इस एक अवसर को, इस एक चीज को 'हां' बोला है। यही एडिटिंग है। सही बात को चुनना, और बाकी सब को इन्कार कर देना। सही बात को सहेजना और बाकी सब को काट देना। इससे फोकस बनता है, इससे सफलता बनती है, इससे खुशहाली बनती है, इससे खुशी आती है, स्थायी खुशी आती है।

देश दुनिया से

सर्वप्रिय नेतृत्व के आदर्श प्रतिमान हैं भगवान शिव

भगवान शिव जगत वंध होने के कारण सब के प्रिय आराध्य हैं। इस संदर्भ में यह विचारणीय प्रश्न है कि जब देवता और दैत्य परस्पर शत्रु हैं तब देवाधिदेव महादेव दैत्यों के लिए भी वंदनीय क्यों हैं ? दैत्य वरदान प्राप्ति के लिए सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा की शरण में जाते हैं। उनकी तपस्या करते हैं किन्तु उनकी पूजा नहीं करते। दैत्य विष्णु से कभी कोई याचना नहीं करते परन्तु शिव के समक्ष सदा नतमस्तक मिलते हैं। शिव की इस सर्वप्रियता का रहस्य उनकी कल्याणकारी शक्ति और त्यागपूर्ण सरलता में निहित है। नेतृत्व यदि सर्वप्रिय होना चाहें तो उसे भी शिव के समान सहज सुलभ और सबके प्रति कल्याणकारी बनना चाहिए। 'शिव' का एक अर्थ कल्याण' भी है।

भगवान शिव सर्वप्रिय देवता हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने उन्हें जगत्वन्द्य कहा है - 'संकर जगत वन्द्य जगदीसा' - अर्थात भगवान शंकर संसार के स्वामी हैं और समस्त संसार' उन्हें वंदनीय मानता है। देवता, मनुष्य, ऋषि मुनि सब उन्हें नमन करते हैं। यहाँ प्रयुक्त 'सब' शब्द में देवताओं, मनुष्यों और साधारण मनुष्यों से अधिक अलौकिक शक्ति सम्पन्न मुनियों के साथ यक्ष, किन्नर, नाग, असुर आदि अन्य जातियाँ भी समाहित हो जाती हैं। भगवान शिव जगत वंध होने के कारण सब के प्रिय आराध्य हैं। इस संदर्भ में यह विचारणीय प्रश्न है कि जब देवता और दैत्य परस्पर शत्रु हैं तब देवाधिदेव महादेव दैत्यों के लिए भी वंदनीय क्यों हैं ? दैत्य वरदान प्राप्ति के लिए सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा की शरण में जाते हैं। उनकी तपस्या करते हैं किन्तु उनकी पूजा नहीं करते। दैत्य विष्णु से कभी कोई याचना नहीं करते परन्तु शिव के समक्ष सदा नतमस्तक मिलते हैं। शिव की इस सर्वप्रियता का रहस्य उनकी कल्याणकारी शक्ति और त्यागपूर्ण सरलता में निहित है। नेतृत्व यदि सर्वप्रिय होना चाहें तो उसे भी शिव के समान सहज सुलभ और सबके प्रति कल्याणकारी बनना चाहिए। 'शिव' का एक अर्थ कल्याण' भी है। कल्याण सब चाहते हैं- देवता भी और दैत्य भी। अतः शिव के भक्त सभी हैं। कल्याण-कामना से किसी का विरोध नहीं होता। इसलिए शिव से भी किसी का विरोध नहीं है। शिव वैदिक- पौराणिक देवता होने के साथ- साथ लौकिक घरातल पर भी एक ऐसे नेहूत्व का प्रतीकार्थ देते हैं जो सबका भला चाहता है, सबका भला करता है, सबके लिए सुलभ है और भोला-भंडारी है। जो वीतरागी है, संन्यासी है, जिसका अपना अपने लिए कुछ नहीं, अपना सब कुछ सबके लिए हैं। जो समन्वय की सामर्थ्य से युक्त है और विरोधों में सामंजस्य बैठाना जानता है, जिसे अपयश, अपमान एवं निन्दा का विष पीना- पचाना और समाज के लिए घातक भयानक विषधरों को वश में करना आता है। ऐसा ही व्यक्तित्व शिव हो सकता है, लोक के लिए शुभ हो सकता है और सर्वप्रिय तथा जगतबंद्य बन सकता है। शिव के कंठ में, भुजाओं में नाग लिपटे हैं। नाग संसार के लिए भयकारी हैं किन्तु जब वे शिव के नियन्त्रण में उनकी देह पर मालाओं के समान

शोभायमान होते हैं तब लोक के लिए भय का कारण नहीं रह जाते। लौकिक संदर्भ में नाग अपराधी ताकतों के प्रतीक हैं। लोक के कल्याण के लिए इनका नियंत्रण आवश्यक है। शिव वही हो सकता है जो इन पर नियंत्रण कर सके। नेतृत्व की शिवता शिव जैसी नियन्त्रण-शक्ति की अपेक्षा करती है। शिव को त्रिलोचन कहा गया है। दो नेत्र तो सबके पास हैं। सब उनसे देखते हैं, अनुमान लगाते हैं और निष्कर्ष निकालकर कार्य करते हैं किन्तु शिव ज्ञान के तृतीय नेत्र से देखकर विचार करते हैं। सही निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए ज्ञान के तृतीय नेत्र का सदुपयोग शिव-नेतृत्व की परम उपलब्धि है। ज्ञान का यही तृतीय नेत्र लोक-कल्याण के लिए आवश्यकता पड़ने पर रुद्र रूप धारण कर अशिव शक्तियों के संहार का कारण भी बनता है। समाज की सुरक्षा के लिए नेतृत्व के तीसरे नेत्र का संहारक रौद्ररुप लेना और उसकी कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में उसका विचार सम्पन्न ज्ञान रूप में परिणत होना आवश्यक है। भगवान शंकर के इस तीसरे नेत्र का रहस्य समझकर ही कोई नेतृत्व समाज को समृद्धि और सुरक्षा देकर सर्वप्रिय बन सकता है। लच्छेदार बातों और कोरे वादों की बौछारें समाज को वहका सकती हैं, बहला सकती हैं उसे रिझाकर वोट बटोर सकती हैं लेकिन समाज का भला नहीं कर सकतीं। शिव की देह पर लगी भस्म का अंगराग उनकी निष्कामता, निर्लोभता और निर्लिप्तता का प्रतीक है। सर्वप्रिय बनने के लिए उत्सुक नेतृत्व को व्यक्तिगत सुख सुविधाओं और वैभवपूर्ण प्रदर्शनों की विलासप्रियता पर अंकुश लगाना चाहिए। निजी महत्वाकांक्षाएं नेता को इंद्र बना सकती हैं, शिव नहीं और इन्द्र कभी सर्वप्रिय नहीं हो सकते। इंद्र व्यवस्था चला सकते हैं किन्तु समाज पर आयी विपदाओं के निवारण के लिए सक्षम नहीं हो सकते। इस कार्य के लिए उन्हें शिव आदि अन्य शक्तियों की शरण में आना पड़ता है। नेतृत्व का इन्द्र बन जाना समाज के लिए शुभ नहीं होता। समाज की शुभता तो शिवता की विलासिता विहीन भस्मरागमयी भूमि में ही विलसती है। भगवान शिव नित्य शुद्ध हैं। शुद्धता का संधारण मन, वाणी और कर्म से होता है। शिव की कथाओं में कोई प्रसंग ऐसा नहीं मिलता जब उन्होंने कहीं किसी से कोई छल किया हो।

आप का नजरीया

खत्म करें संसदीय विशेषाधिकार

सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने संविधान पीठ का ही फैसला बदल दिया। फर्क इतना था कि 1998 की पीठ पांच न्यायाधीशों की थी, जिसने 'नरसिम्हा राव बनाम सीबीआई' मामला सुना था और 3-2 न्यायाधीशों के बहुमत से फैसला सुनाया था। अब संविधान पीठ सात न्यायाधीशों की है। मुद्दा संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) के तहत सांसदों और विधायकों के, सदन के भीतर, विशेषाधिकार का है। पहला केस झामुमो सांसदों को दी गई घूस का था, जिसके एवज में उन्होंने तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार के समर्थन में वोट दिए थे। वह अल्पमत सरकार थी और बहुमत के लिए कई सांसदों को 'खरीदा' गया था। विशेषाधिकार यह रहा है कि सांसद और विधायक सदन में अपना वोट बेच सकते थे। संविधान पीठ ने भी इसे 'माननीयों' का विशेषाधिकार करार दिया था। ऐसी घूस के लिए उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता था। यदि 'माननीय' रिश्वत लेकर, रिश्वत देने वाले पक्ष के बजाय, किसी और को वोट देता है, तो उसके खिलाफ मुकदमा चलाया जा सकता था। नरसिम्हा राव सरकार के संदर्भ में संविधान पीठ का फैसला था कि न्यायपालिका विधायिका के सदन की कार्यवाही में हस्तक्षेप नहीं कर सकती, तो देश को निराशा हुई थी, क्योंकि विशेषाधिकार निरंकुश था। सांसद और विधायक सदन के भीतर कुछ भी बोल सकते थे, कोई भी सवाल पूछ सकते थे, भाषणों की भाषायी मर्यादा लांघ सकते थे, झूठ बोल कर गलत तथ्य पेश कर सकते थे, किसी की छवि बिगाड़ सकते थे, लेकिन वे दंडनीय नहीं थे। स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने 11 सांसदों की सदस्यता बर्खास्त कर दी थी, क्योंकि उन्होंने सदन में सवाल पूछे थे, लेकिन प्रायोजित सवाल पूछने के लिए घूस सदन के बाहर ली थी। बहरहाल अब सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ के सर्वसम्मत फैसले ने न केवल पुराना फैसला अप्रभावी और अप्रासंगिक बना दिया है, बल्कि सांसदों और विधायकों के विशेषाधिकार की परिभाषा ही बदल दी है। यह फैसला 'मील का पत्थर' साबित हो सकता है, क्योंकि यह संसदीय लोकतंत्र को अपेक्षाकृत ईमानदार, स्वच्छ, शुचितापूर्ण और जिम्मेदार बना सकता है। 'माननीयों' की भेड़-बकरी की तरह खरीद-फरोख्त थम सकती है। सात न्यायाधीशों के फैसले के बाद अब घूस लेकर वोट देना, पैसे लेकर सवाल पूछना अथवा विशेष तरह से भाषण देना, सदन में किसी पर, कुछ भी आरोप लगाते हुए बोलना संसदीय विशेषाधिकार नहीं होगा। संविधान पीठ ने अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) की नई व्याख्या कर दी है। यह उसका संवैधानिक विशेषाधिकार भी है। अब दायित्व संसद पर है कि वह ऐसे संसदीय विशेषाधिकार को ही खत्म करे। संविधान में संशोधन करना संसद का विशेषाधिकार है। दरअसल हमारे सांसदों और विधायकों के विशेषाधिकार विदेशी नकल की देन हैं। ब्रिटेन के 'हाउस ऑफ कॉमन्स' (संसद का निचला सदन) के विशेषाधिकारों की तर्ज पर भारतीय संविध

रमजान से पहले शांति समझौते की बातचीत एक बार फिर बेनतीजा, इजराइल और हमास प्रतिनिधिमंडल में नहीं बनी बात

तेल अवीव ।
इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध को रोकने और बंधकों की रिहाई के लिए हुई बातचीत एक बार फिर बेनतीजा रही। हमास प्रतिनिधिमंडल और इजराइली अधिकारियों की टीम में समझौता नहीं हो सका। गौरतलब है कि सात अक्तूबर को इजराइल पर हमास द्वारा 5000 रॉकेट दागने के बाद से दोनों पक्षों में युद्ध जारी है। अब तक युद्ध में करीब 30 हजार लोगों की मौत हो गई।

यह कोई नया नहीं है: बदरान – हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य होसाम बदरान का कहना है कि बंधकों की रिहाई के बदले युद्धविराम पर पहुंचने के लिए बातचीत फिर से शुरू करने के लिए हमास प्रतिनिधिमंडल के काहिरा दोबारा जाने की अभी कोई तारीख नहीं है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा की बुनियादी जरूरतों और फलस्तीनियों की निष्पक्ष मांगों का जवाब देने से साफ इनकार करते हैं। यह कोई नई बात नहीं है। बता दें, कई दिनों की बातचीत के बाद और बिना किसी अंतिम निर्णय के हमास प्रतिनिधिमंडल सात मार्च को काहिरा से वापस चला गया।

रमजान के कारण मानवीय संकट गहराने की आशंका – इसके अलावा, गाजा नगरपालिका ने रमजान के दौरान मानवीय सहायता के लिए अपील की। नगरपालिका ने अपने बयान में कहा कि जैसे-जैसे रमजान करीब आ रहे हैं, गाजा के लोगों को इजराइली हमलों के कारण गंभीर मानवीय संकटों का सामना करना पड़ेगा। हमले के कारण गाजा में पानी, स्वच्छता और अव्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं। उन्होंने अतंरराष्ट्रीय संगठनों से बुनियादी सेवाओं, ईंधन, पानी और बिजली की सुविधा प्रदान करने के लिए सहायता मांगी है। बता दें, गाजा भुखमरी और निर्जलीकरण से मरने वाले लोगों की बढ़ती संख्या के साथ गंभीर मानवीय संकट से जूझ रहा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा पट्टी में कुपोषण और निर्जलीकरण से अब तक कम से कम 25 लोगों की मौत हो चुकी है।

गाजा का प्रभारी फलस्तीनी प्रधिकारण को बनाना हमारा आखिरी काम – इजराइली पीएम नेतन्याहू ने एक साक्षात्कार में कहा कि मेरी नीतियों को इस्राइलियों का भारी समर्थन प्राप्त है। हमास के आतंकियों को खत्म करने की हमारी कार्रवाई का इजराइली समर्थन कर रहे हैं। इजराइली कहते हैं कि एक बार जब हम हमास को नष्ट कर देंगे तो हमारा आखिरी काम होगा गाजा का प्रभारी फिलिस्तीनी प्राधिकरण को सौंपना, जो अपने बच्चों को आतंकवाद के प्रति शिक्षित करता है।

न्यूज ब्रीफ

हैती में जारी गृह युद्ध के बीच अमेरिका ने अपने दूतावास से कुछ कर्मियों को वापस बुलाया, जानें वजह

पोर्ट ऑ प्रिंस । हैती में बढ़ती हिंसा और आपातकाल की स्थिति के बीच अमेरिकी सेना ने वहा अपने दूतावास से कई कर्मियों को वापस बुलाने का अभियान चलाया। अमेरिका की तरफ से यह कदम हिंसा में वृद्धि, सरकार के लिए खतरा पैदा करने और बड़ी संख्या में विस्थापन को बढ़ावा देने के बाद उठाया गया है। इससे पहले इसी महीने सशस्त्र गिरोह ने हैती के दो सबसे बड़े जेलों में जेल तोड़ने की साजिश रची थी। जिस वजह से हजारों की संख्या में कैदी जेल से फरार हो गए। सशस्त्र गिरोह ने इस दौरान अपने प्रधानमंत्री एरियल हेनरी के इस्तीफे की मांग भी की। हैती के पीएम देश छोड़कर भाग गए हैं और वे संयुक्त राष्ट्र समर्थित सुरक्षा बलों के हस्तक्षेप के लिए अंतरराष्टीय समुदाय से गुहार लगा रहे हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमांड ने जारी किया बयान अमेरिकी दक्षिणी कमांड ने यह स्पष्ट किया कि दूतावास के कर्मियों को वापस बुलाने का अभियान केवल दूतावास की सुरक्षा के अनुरूप चलाया गया है। उन्होंने कहा, दूतावास के अंदर और बाहर कर्मियों की यह एयरलिफ्ट दुनिया भर में दूतावास की सुरक्षा बढ़ाने के लिए हमारे मानक अभ्यास के अनुरूप है, और सैन्य विमान में कोई भी हैती का नागरिक नहीं था। सुरक्षा कारणों से यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने भी हैती में अस्थाई रूप से अपनी उपस्थिति कम कर दी है। सूत्रों के अनुसार, जर्मनी और यूरोपीय संघ के दूतावास भी अपने कर्मचारियों को यहां से निकाल रहे हैं। हैती में जारी है हिंसा कैरिबियाई देश हैती में गृह युद्ध की हिंसा की आग में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। देश में फैली इस हिंसा के कारण 362,000 हैती वासियों को विस्थापित होना पड़ा। सशस्त्र गिरोह देश की राजधानी पर कब्जा कर चुके हैं। वे राष्ट्रपति भवन समेत कई सरकारी इमारतों को निशाना बना रहे हैं। सड़कों पर गोलियां चल रही है। सशस्त्र गिरोह दुकानों और घरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं, जिसके बाद हैती में 72 घंटों के लिए आपातकाल लगा दिया गया है।

पेट की सर्जरी के बाद जारी हुई केट मिडलटन की पहली तस्वीर को लेकर उभरी चिंताएं, छेड़छाड़ की आशंका

लंदन । ब्रिटेन की राजकुमारी केट मिडलटन की बीते दिनों पेट की सर्जरी हुई थी। सर्जरी के बाद मदर्स डे पर केट मिडलटन की पहली तस्वीर सामने आई थी, लेकिन अब उस तस्वीर को लेकर चिंता जाहिर की गई है और ऐसी आशंका है कि तस्वीर में कांट-छांट की गई है। यही वजह है कि अधिकतर न्यूज एजेंसियों ने उस तस्वीर को अपने प्लेटफॉर्म से हटा लिया है। इस तस्वीर को लेकर उठे सवाल ब्रिटिश राजघराने की 42 वर्षीय राजकुमारी केट मिडलटन के पति प्रिंस विलियम ही ब्रिटेन के शासन के अगले दावेदार हैं। केट मिडलटन की बीती जनवरी में पेट की सर्जरी हुई थी। इसके बाद 29 जनवरी को अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद केट पश्चिमी लंदन स्थित अपने विंडसर महल में आराम कर रही हैं। मदर्स डे पर केट की सर्जरी के बाद पहली तस्वीर सामने आई, जिसमें वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। तस्वीर में केट के तीनों बच्चे जॉर्ज, चार्लेट और लुइस भी नजर आ रहे हैं। क्यों जाहिर की जा रही है आशंका तस्वीर में दिख रहा है कि केट मिडलटन एक गार्डन चेयर पर बैठी हुई हैं और उन्होंने जींस, स्वेटर और एक जैकेट पहनी है। इस तस्वीर को केट के पति प्रिंस विलियम ने ही क्लिक किया था। तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा है कि बीते दो महीनों में आपकी दुआओं और समर्थन के लिए धन्यवाद। सभी को मदर्स डे की शुभकामनाएं। अब तस्वीर को अपने प्लेटफॉर्म से हटाते हुए न्यूज एजेंसियों ने बताया है कि ऐसा लगता है कि तस्वीर से छेड़छाड़ की गई है।

हैदराबाद की महिला का ऑस्ट्रेलिया में मिला शव, पति पर कथित तौर पर हत्या का आरोप; जांच कर रही पुलिस

कैनेबरा । ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल की एक महिला की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, कथित आरोप है कि महिला के पति ने ही उसकी हत्या की है। पति अब वापस भारत लौट आया है और अपने बच्चों को अपने माता-पिता को सौंप दिया है। भारतीय मूल की चैतन्य मधागनी (36) का शव बकले में एक सड़क किनारे व्हीली बिन में मिला था। महिला अपने पति और बेटे के साथ ही ऑस्ट्रेलिया में रहती थी। शव लाने के लिए विदेश मंत्रालय को विधायक ने पत्र लिखा हैदराबाद के उप्पल विधायक बंडारी लक्ष्मा रेड्डी ने जानकारी मिलते ही महिला के माता-पिता से मुलाकात की। उनका कहना है कि माता-पिता के अनुरोध पर उन्होंने महिला के शव को वापस हैदराबाद लाने के लिए विदेश मंत्रालय को पत्र लिखा है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के कार्यालय को भी इस बारे में सूचित किया है। महिला के माता-पिता के अनुसार, उनके दामाद ने उनकी बेटी की हत्या करने की बात कबूल की है।

हरकतों से बाज नहीं आ रहा पड़ोसी, पीएम मोदी के अरुणाचल दौरे से बौखलाया ; सीमा विवाद पर चीन ने कही यह बात

बीजिंग ।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने पूर्वोत्तर दौरे के दौरान अरुणाचल प्रदेश का भी दौरा किया था। इस दौरान पीएम मोदी ने हजारों करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था। इनमें सबसे खास सामरिक रूप से महत्वपूर्ण, बहुप्रतीक्षित और दुनिया के सबसे ऊंचाई (13000 फीट) पर बनी सबसे लंबी सुरंग (सेला पास) थी। उनके इस दौरे के बाद चीन बौखला गया है। चीन ने उनके इस दौरे को लेकर भारत के समक्ष विरोध दर्ज कराया है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश पर अपने अधिकार का दावा करते हुए कहा कि भारत के इस कदम से सीमा विवाद और जटिल ही होंगे। ये कोई पहली बार नहीं है जब चीन ने इस तरह का दावा किया है। वह पहले भी अरुणाचल में भारत के नेताओं के दौरे का विरोध करता रहा है। हालांकि भारत ने हमेशा उसके इन दावों को खारिज किया है।

पीएम के अरुणाचल दौरे पर चीन की आपत्ति

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हुई अरुणाचल प्रदेश की यात्रा पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जंगनान (अरुणाचल प्रदेश) क्षेत्र चीनी क्षेत्र है। चीन ने भारत द्वारा अवैध रूप से स्थापित तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को कभी मान्यता नहीं दी और वह इसका दृढ़ता से विरोध करता है। उन्होंने कहा कि चीन-भारत सीमा प्रश्न अभी तक हल नहीं हुआ है। भारत को चीन के जंगनान क्षेत्र को मनमाने ढंग से विकसित करने का कोई अधिकार नहीं है। प्रवक्ता वांग वेनबिन ने आगे कहा कि भारत के इस तरह के कदमों से केवल सीमाई विवाद और जटिल होगा। उन्होंने कहा कि भारत-चीन सीमा के पूर्वी हिस्से में भारतीय नेता की यात्रा से ड्रैगन असंतुष्ट है और इसका विरोध करता है।

पीएम मोदी ने किया था शनिवार को दौरा

पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा कर हजारों करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था। इनमें सबसे खास सामरिक रूप से महत्वपूर्ण, बहुप्रतीक्षित और दुनिया के सबसे ऊंचाई (13000 फीट) पर बनी सबसे लंबी सुरंग (सेला पास) थी। इस सुरंग का रणनीतिक रुप से काफी महत्व है। यह रणनीतिक रूप से स्थित तवांग को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और सीमावर्ती क्षेत्र में सैनिकों की बेहतर आवाजाही सुनिश्चित करेगी। असम के तेजपुर को अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले से जोड़ने वाली सड़क पर बनी 825 करोड़ रुपये की सुरंग को इतनी ऊंचाई पर दुनिया की सबसे लंबी द्वि-लेन सड़क सुरंग माना जा रहा है।

अरुणाचल पर अपना दावा करता है ड्रैगन

भारत-चीन के बीच जिन क्षेत्रों को लेकर विवाद है, उनमें अरुणाचल प्रदेश भी है। चीन का दावा है कि भारत जिस इलाके को अरुणाचल प्रदेश बताता है वो दक्षिण तिब्बत है। और इस पर उसका अधिकार है। बीजिंग ने इस क्षेत्र का नाम भी जांगनान रखा है। 1962 में यहां हमला कर उसने अरुणाचल के एक हिस्से पर कब्जा जमा लिया था। साल 2021 में उसने अरुणाचल की सीमा से लगे 15 स्थानों के नाम बदल दिए थे।

भारत का है ऐसा रुख

चीन पहले भी इस तरह के दावे करता रहा है। हालांकि भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के क्षेत्रीय दावों को बार-बार खारिज किया है। भारत हमेशा से कहता रहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। भारत ने चीन द्वारा इस इलाके का नामकरण करने के ड्रैगन के कदम को भी खारिज कर दिया था। भारत ने कहा है कि चीन के इस तरह के कदमों से वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आया है।

नेतन्याहू ने फिर दोहराई रफा में सैन्य कार्रवाई की बात, बोले- नहीं चाहते फिर हो सात अक्तूबर जैसा हमला

तेल अवीव ।
पिछले साल सात अक्तूबर को गाजा स्थित आतंकी संगठन हमास ने इजराइल पर पांच हजार रॉकेट दागे थे, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में इजराइल ने गाजा में हमास के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए। मौजूदा समय में भी इजराइल लगातार गाजा पर हमले कर रहा है। दक्षिणी गाजा शहर राफा में सैन्य अभियान शुरू करने के लिए इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने रुख को एक बार फिर दोहराया है।

हम आतंकियों के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध- नेतन्याहू – गाजा पर लगातार कार्रवाई को लेकर पीएम नेतन्याहू ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सात अक्तूबर जैसा हमला दोबारा न दोहराया जाए। जिसके लिए लगातार आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। हम पूरी तरह से आतंकियों का नामों निशान मिटा देंगे। नेतन्याहू ने कहा कि ऑपरेशन दो महीने से अधिक नहीं चलेगा लेकिन उन्होंने समयसीमा के बारे में विशेष जानकारी नहीं दी।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन दोनों मामलों में गलत- नेतन्याहू – गाजा पट्टी पर इजराइली नीतियों का बचाव करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि कुछ सहयोगी देश इजराइल की मदद करने से ज्यादा हमें ही नुकसान पहुंचा रहे हैं। गौरतलब है कि यह इशारा अमेरिकी राष्ट्रपति बाइटन की टिप्पणी के जवाब में था। एक साक्षात्कार में नेतन्याहू ने कहा कि मुझे ठीक से नहीं पता कि राष्ट्रपति बाइडन का इशारा किस ओर था, लेकिन अगर उनका मतलब यह था कि मैं इस्राइलियों की इच्छा के खिलाफ अपनी निजी नीतियां और इजराइल के हितों को नुकसान पहुंचा रहा हूं, तो वो दोनों मामले में गलत हैं।

बाइडन बोले, निर्दोष लोगों के बारे में भी सोचे नेतन्याहू – बता दें एक साक्षात्कार के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा था कि नेतन्याहू को गाजा में उठाए जा रहे कदमों के कारण जान गंवा रहे निर्दोष लोगों पर भी ध्यान देना चाहिए। इस बीच, हमास आंतकी, इस्माइल हनीयेह ने कहा कि आतंकवादी समूह अभी भी इजराइल के साथ लगातार मध्यस्थता वार्ता के लिए खुला है, क्योंकि दोनों पक्ष रमजान से पहले एक संघर्ष विराम समझौते पर पहुंचने में विफल रहे हैं।

पुर्तगाल में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी बनी किंगमेकर सेंटर-राइट गठबंधन की जीत, पर बहुमत से दूर

लिस्बन ।
पुर्तगाल में हुए प्रारंभिक आम चुनाव में सेंटर राइट डेमोक्रेटिक अलायंस गठबंधन को जीत मिली है। गठबंधन को 29.5 फीसदी वोट मिले हैं। हालांकि गठबंधन बहुमत का आंकड़ा पार करने में असफल रहा। ऐसे में पुर्तगाल में जोड़-तोड़ की राजनीति शुरू हो गई है और अगर बात नहीं बन पाई तो फिर से चुनाव हो सकते हैं। खास बात ये है कि पुर्तगाल के चुनाव में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी चेगा की लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल आया है और पार्टी को 18 प्रतिशत वोट मिले हैं। अस्पष्ट नतीजे में चेगा की पार्टी किंगमेकर बनकर उभरी है।

पुर्तगाल में जोड़-तोड़ की राजनीति शुरू

सेंटर राइट डेमोक्रेटिक अलायंस गठबंधन के नेता लुइस मोंटेन्ग्रो ने जीत का दावा किया, लेकिन उन्होंने कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी चेगा से गठबंधन को लेकर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोंटेन्ग्रो के गठबंधन में कई नेता कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी के साथ गठबंधन के इच्छुक हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में पुर्तगाल की राजनीति में जोड़-तोड़ का खेल होगा और सरकार गठन में थोड़ा वक्त लग सकता है।

कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी बनी किंगमेकर

पुर्तगाल में दशकों से दो पार्टियों सोशलिस्ट पार्टी और सेंटर राइट डेमोक्रेटिक पार्टी की ही सत्ता रही है और यही दोनों पार्टियां बारी-बारी से पुर्तगाल की सत्ता पर काबिज रही हैं। हालांकि इस बार के चुनाव में ये दोनों ही पार्टियां स्पष्ट बहुमत पाने में विफल रही हैं। वहीं आंद्रे वेंचुरा के नेतृत्व में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी चेगा का उभार हुआ है और वह किंगमेकर बनी है। चेगा का गठन महज पांच साल पहले हुआ था, लेकिन कम समय में ही ये पार्टी तेजी से उभरी है और अब तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। बीते साल नवंबर में भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर पीएम एंटोनियो कोस्टा ने इस्तीफा दे दिया था। हालांकि भ्रष्टाचार के आरोप पीएम कोस्टा पर नहीं लगे हैं, लेकिन उनके इस्तीफे से पुर्तगाल में फिर से चुनाव हुए हैं। पुर्तगाल में आर्थिक संकट, घर की बढ़ती कीमतें और खराब होती स्वास्थ्य व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चुनाव हुए।

बाहरी ग्रह में मिला खौलते पानी का महासागर, चार हजार डिग्री सेल्सियस हो सकता है अधिकतम तापमान

वाशिंगटन ।
पृथ्वी के बाहर जीवन की उम्मीद की खोज में पहली बार एक बाहरी ग्रह मिला है। इसमें पानी का विशाल खौलता हुआ महासागर होने की संभावना है। इसे अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के जेम्स वेब टेलिस्कोप से खोजा गया है। वैज्ञानिकों ने इसे टीओआई-270 का नाम दिया है। इसके आंकड़ों से वैज्ञानिकों को बाहरी ग्रह के वायुमंडल में मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड होने के साथ वाष्प रूप में पानी के होने के भी संकेत मिले हैं।

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कहा, ग्रह कि रासायनिक संरचना से पता चला है कि यह एक ऐसा संसार है, जिस पर पानी के महासागर के चारों ओर हाइड्रोजन से भरपूर वायुमंडल की परत चढ़ी हुई है। इस विश्लेषण की अगुआई करने वाले प्रोफसर निक्कू मधुसूदन ने बताया कि इस ग्रह के महासागरों का तापमान 100 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। यहां का वातावरण बसने लायक नहीं है। हालांकि, इस पर अध्ययन जारी है।

पानी रुकने की संभावना नहीं

कनाडा के शोधकर्ताओं की टीम ने कहा है कि इस ग्रह का तापमान इतना अधिक हो सकता है कि यहां पर पानी तुरंत भाप बनकर उड़ जाएगा। इसके साथ ही यह भी हो सकता है कि यहां का अधिकतम तापमान 4 हजार डिग्री सेल्सियस हो सकता है।

ग्रह की रोशनी के अध्ययन से खुलेंगे रहस्य

इस बाहरी ग्रह की रोशनी का अध्ययन करके खगोलविद ग्रह के वायुमंडल के रासायनिक संरचना के रहस्य के बारे में और अधिक जानकारी दे सकेंगे। इससे ग्रह पर जीवन हो सकता है या नहीं इसके बारे में पता चलता है। टीओआई-270 के वायुमंडल में अमोनिया न होना इस बात का प्रमाण है कि हाइड्रोजन से भरे वायुमंडल के नीचे महासागर हो सकता है।

बृहस्पति के चंद्रमा पर हर दिन बनती है एक हजार टन ऑक्सीजन, नासा के मिशन से मिली जानकारी

नासा के 'जूनो मिशन' से पता चला है कि बृहस्पति के यूरोपा नामक चंद्रमा पर हर 24 घंटे में एक हजार टन ऑक्सीजन बनती है। जो एक लाख इंसानों के लिए एक दिन की सांस लेने के लिए बहुत है। ये डाटा वैज्ञानिकों के पिछले ऑक्सीजन उत्पादन के अनुमानों के मुताबिक काफी कम है। नेचर एस्ट्रोनॉमी में प्रकाशित स्टडी के अनुसार, यूरोपा पर हर सेकंड में 12 किलोग्राम ऑक्सीजन बनती है।

पाकिस्तान बदलेगा प्रथम महिला की परिभाषा, राष्ट्रपति की बेटी को दिया जा सकता है

इस्लामाबाद ।
देश की फर्स्ट लेडी (प्रथम महिला) शब्द को राष्ट्रपति की पत्नी के तौर पर जाना जाता है। लेकिन भारत का पड़ोसी देश पाकिस्तान इसकी परिभाषा को ही बदलने जा रहा है। जी हां...पाकिस्तान में यह दर्जा आसिफ अली जरदारी की बेटी आसिफा भुट्टो जरदारी को दिया जा सकता है।

आईये समझते है आखिर मामला क्या है

दरअसल में पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति के तौर पर आसिफ अली जरदारी ने शपथ ली, लेकिन लोगों के मन का यह सवाल है कि पाकिस्तान की प्रथम महिला कौन बनने जा रही है।

पाकिस्तान मीडिया ने बताया कि इस्लामाबाद में राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जरदारी के साथ उनकी सबसे छोटी बेटी आसिफा भुट्टो जरदारी भी थी।

आसिफा को मिल सकता है प्रथम महिला का दर्जा

जरदारी की सबसे बड़ी बेटी बख्तावर भुट्टो जरदारी ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर पोस्ट साझा किया, जिसमें बख्तारवर भुट्टो जरदारी ने अपनी बहन आसिफा को टैग किया। उन्होंने लिखा, शपथ ग्रहण समारोह में अपने पिता के साथ देखा जाना सुखद है। गौरतलब है कि प्रथम महिला राष्ट्रपति की पत्नी होती है। हालांकि, इस मामले में राष्ट्रपति जरदारी अपनी पत्नी, पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के 2007 में मौत होने के बाद विधुर हैं।

पहले कार्यकाल में खाली था प्रथम महिला का पद

बता दें देश के राष्ट्रपति के रूप में उनके पहले कार्यकाल 2008 से 2013 तक के दौरान प्रथम महिला का पद भी खाली रहा। हालांकि अब स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। आसिफा आठ फरवरी के चुनावों से पहले पार्टी के चुनावी अभियान में सक्रिय रूप से शामिल थीं और उन्हें अपने भाई बिलावल भुट्टो जरदारी, जो उस समय पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे, के लिए समर्थन मांगने के लिए कई रैलियों की मेजबानी करती हुई नजर आई थी।

राजनीति में सक्रिय है आसिफा, कर चुकी हैं प्रचार

आसिफा ने 30 नवंबर, 2020 को मुल्तान में पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) की रैली में अपनी राजनीतिक शुरुआत की। इसके अलावा, अतीत में, मदार-ए-मिल्लत फातिमा जिन्ना भी आधिकारिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न अवसरों पर कभी-कभी अपने भाई कायदे आजम के साथ जाते थे। वह एक विधुर भी थे। विदेशों में ऐसे कई उदाहरण हैं जब राष्ट्रपतियों ने, जो विधुर थे, अपनी बेटियों, बहनों और यहां तक कि भतीजियों को भी अपनी प्रथम महिला बनने के लिए कहा गया था।

निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त कर्मियों का प्रदर्शन, चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी

यमुनानगर (हिंस)। राष्ट्रीय संघर्ष समिति संगठन के आह्वान पर निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त कर्मियों ने सोमवार को लघु सचिवालय के सामने पेंशन वृद्धि की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कर्मियों ने प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला उपायुक्त को सौंपकर अन्यथा की स्थिति में लोकसभा चुनाव का बहिष्कार कर नोटा में वोट डालने का ऐलान किया है। ईपीएस 95 हरियाणा के उपाध्यक्ष बालेश्वर सिंह और सचिव जय प्रकाश मिश्रा ने सोमवार को संयुक्त रूप से बताया कि अपनी मांगों को लेकर आठ साल से अधिक का समय हो गया है। कई दौर की बैठकों में केंद्र सरकार की और से केवल आश्वासन ही दिया गया है। केंद्र सरकार हमारी पेंशन वृद्धि की मांग को लटका रही है। उन्होंने कहा कि इसी के चलते आज देशभर में सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें मात्र 1170 रुपए पेंशन मिलती है। इससे हमारा गुजारा नहीं होता है। हमारी मांग है कि कम से कम हमें 7500 रुपए पेंशन के अलावा दैनिक भत्ते और मेडिकल भत्ते भी दिए जाए। उन्होंने कहा कि देश के सांसद और विधायक अपनी पेंशन तो अपनी मनमर्जी से बढ़ा लेते है जबकि हमें केवल आश्वासन देते है। उन्होंने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आचार संहिता के लगने से पहले हमारी मांगों को नही माना गया तो देशभर के 78 लाख से अधिक पेंशनर अपने परिवार सहित लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे और नोटा को वोट डालेंगे। इस मौके पर बड़ी संख्या में कर्मी शामिल रहें।

कांग्रेस के होते हुए कोई एक इंच भी संविधान को बदल नहीं सकता : दीपेंद्र हुड्डा

जींद (हिंस)। राज्यसभा सांसद दीपेंद हुड्डा ने कहा कि भाजपा सांसद अनंत हेगड़े 400 पार तथा संविधान बदलने के बारे में कहा जा रहा है। कांग्रेस के होते हुए कोई एक इंच भी संविधान को बदल नहीं सकता। स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के लिए अपना खून बनाया है। उसके बाद डॉ. भीमराव आंबेडकर जैसे महापुरुषों जिनमें उनके दादा चौधरी रणबीर सिंह भी शामिल थे, संविधान का निर्माण किया है। ऐसे कोई कैसे संविधान बदल सकता है। देश की जनता सब कुछ जानती है। राज्यसभा सांसद दीपेंद हुड्डा सोमवार को वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बलजीत रेढू के भाई जिला खेल अधिकारी कुलदीप सिंह की मौत के बाद तेरहवीं पर शोक प्रकट करने आए थे। उन्होंने परिवार को सांत्वना दी और कुलदीप सिंह की आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। बृजेंद्र सिंह के कांग्रेस में शामिल होने तथा उचाना में टिकट के दावेदार कांग्रेस नेताओं में मायूसी छाने पर सवाल किया तो कहा कि किसी को मायूस होने की जरूरत नहीं है। सभी को पूरा मान-सम्मान मिलेगा। लोकसभा व विधानसभा की टिकट किसे देनी है, यह हाईकमान निर्णय करेगा। छोटे से छोटा

कार्यकर्ता भी उनकी नजर में बृजेंद्र सिंह या उनसे कम नहीं है। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बेशक सांसद बृजेंद्र सिंह कांग्रेस में शामिल हो गए हों लेकिन किसी भी कार्यकर्ता के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। सभी को पूरा मान-सम्मान मिलेगा। चौटाला शासन में जेल से बदमाश हरियाणा में वारदातों को अंजाम देते थे, अब मनोहर सरकार में विदेशों से अपनी बदमाशी चला रहे हैं। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि एक सवाल के जवाब में दीपेंद्र सिंह ने कहा पिछले एक साल में 36 पूर्व विधायक, पूर्व सांसद कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। अब यह संख्या और जोर पकड़ेगी। इस मौके पर सफीदों के विधायक सुभाष गांगोली, बलजीत रेढू, पूर्व विधायक परमेंद्र सिंह ढुल, जगबीर ढिगाना, प्रो. धर्मेंद्र ढुल, ऋषिपाल सिहाग, बलराम कटवाल, सारंग शमशेर ढाठरथ भी मौजूद रहे।

व्यापारी के साथ लूट का मामला, पुलिस पर लगा आरोप

लुधियाना। फिरोजपुर रोड पर बने नए पुल पर एक्टिवा पर जा रहे एक व्यापारी को दो लुटेरों ने तेजधार हथियार दिखा डराते हुए नकदी व मोबाइल छीन लिया। व्यापारी उनका पीछा न कर सके, इस लिए लूटेरे उसकी एक्टिवा भी चाबी भी निकाल कर ले गए। लुटेरों का शिकार हुए व्यापारी इसकी शिकायत थाना डिवीजन नंबर 5 को दी। लेकिन अभी तक पुलिस ने इस संबंध में ना तो मामला दर्ज किया और न ही कोई कार्रवाई की। अग्र नगर के रहने वाले दिनेश ढंड ने बताया कि वह अपनी एक्टिवा पर अपना काम खत्म कर वापस घर जा रहे थे तो उसे एलिवेटिड पुल से उतर कर नहर की तरफ जाने लगे उसके पीछे आ रही एक्टिवा पर सवार युवकों ने घेर लिया और उसे दात दिखा कर धमकाते हुए उससे 50 हजार रुपए की नकदी, मोबाइल व अन्य सामान छीन लिया जिस पर उन्होंने पुलिस को सूचित किया लेकिन बार-बार पुलिस के पास चक्कर लगाने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

जम्मू-कश्मीर में अगले लोस चुनावों के लिए पुलिस की तैयारियां पूरी : डीजीपी

पुलवामा (हिंस)। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आरआर स्वैन ने सोमवार को कहा कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव कराने के लिए तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। चुनाव की घोषणा के बाद पुलिस बल उत्साही मतदाताओं को एक सुरक्षित माहौल प्रदान करेगा। पुलवामा के दक्षिणी जिले के रोहमू में पुलिस चौकी का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डीजीपी ने कहा कि हम जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव सुनिश्चित करेंगे। हम उत्साही मतदाताओं को एक सुरक्षित माहौल प्रदान करेंगे। डीजीपी ने कहा कि पहले उन्हें सिर्फ नार्को-व्यापार और आतंकवाद के आपस में जुड़े होने का संदेह था लेकिन जांच के दौरान इनके गहराई से एक दूसरे के साथ जुड़े होने के ठोस सबूत सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि अल-बद्र, जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी संगठन इस व्यापार के पीछे हैं। पुलिस प्रमुख ने कहा कि कश्मीर से दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों तक यात्रा करते समय नशीले पदार्थों की 15 लाख रुपए की खेप का मूल्य 1 करोड़ रुपए तक पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास इस व्यापार पर अंकुश लगाने और उस पर रोक लगाने के लिए एक मजबूत तंत्र है। यह इतना आसान नहीं है लेकिन हम कर रहे हैं और पुलिस बल इसे करने में सक्षम है।

सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के छह लोगों की मौत

रेवाड़ी (हिंस)। हरियाणा के रेवाड़ी में दिल्ली रोड पर गांव मसानी के पास रविवार रात हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा एक पंक्चर कार का टायर बदलते वक्त पीछे से आ रही दूसरी कार की टक्कर मारने से हुआ। पुलिस के अनुसार, हादसे में चार महिलाओं सहित छह लोगों की मौत हो गई। घायलों को रेवाड़ी और गुरुग्राम के प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मृतकों में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की रोशनी (58), नीलम (54), पूनम जैन (50), शिखा (40) के अलावा हिमाचल प्रदेश का रहने वाला ड्राइवर विजय (40) और रेवाड़ी के गांव खरखड़ा निवासी सुनील (24) शामिल हैं। घायलों में रेवाड़ी के गांव खरखड़ा निवासी रोहित (24), अजय (35), सोनू (23), रजनी (46) यूपी, मिलन (28) खरखड़ा, बरखा (50) शामिल हैं। रेवाड़ी पुलिस के अनुसार, गाजियाबाद की अजनारा ग्रीन सोसाइटी में रहने वालीं शिखा, पूनम, नीलम, रजनी, रोशनी ड्राइवर विजय के साथ इनोवा से राजस्थान के खाटू श्याम गए थे। ये सभी रविवार रात वापस लौट रहे थे। गांव मसानी के पास उनकी गाड़ी पंक्चर हो गई। ड्राइवर गाड़ी का टायर बदल रहा था और महिलाएं सड़क किनारे खड़ी थीं। इस दौरान रेवाड़ी से धारूहेड़ा की तरफ जा रही कार ने सभी को अपनी चपेट में ले लिया।

कच्ची बस्ती मुक्त भारत अभियान : मकान पट्टा नहीं तो वोट नहीं अभियान की घोषणा

जयपुर (हिंस)। लंबे समय से घुमंतू समाज तथा कच्ची बस्ती के नागरिकों के वर्तमान में कई वर्षों से रह रहे स्थान पर पट्टे तथा आवास बनाकर देने की मांग को लेकर संघर्षरत भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी ने इस बार लोकसभा चुनाव में कच्ची बस्ती मुक्त भारत अभियान की शुरुआत करते हुए पट्टा नहीं तो वोट नहीं अभियान की घोषणा की हैं। सोमवार को जयपुर विकास प्राधिकरण के उपायुक्त को ज्ञापन देते हुए भारत जोड़ो मिशन सोसायटी तथा बाबा रामदेव नगर विकास समिति के पदाधिकारी ने आरोप लगाया है कि 1987 में सरकार द्वारा बसाई गई कच्ची बस्ती की भूमि पर जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से साठ- गांठ कर भू-माफिया वहां बड़ी-बड़ी बिल्डिंग बना ली,जबकि कच्ची बस्ती वहीं पर उसी हाल में है। इसी चलते सोमवार

को बाबा रामदेव नगर गुर्जर की थड़ी के रहने वाले लोगों ने पट्टे तथा आवास बनाकर देने की मांग को लेकर सरकार से मांग करते हुए धरना- प्रदर्शन किया। भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी के अध्यक्ष अनीष कुमार ने बताया कि उनका संगठन विगत तीन वर्षों से इस दिशा में संघर्ष कर रहा है और पिछले विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात करने के बाद घुमंतू तथा गरीब नागरिकों को लंबे समय से बसे हुए स्थान पर ही पट्टे देने की मांग को लेकर बीजेपी का समर्थन किया था। ग्रामीण क्षेत्र में तो बीजेपी सरकार ने रियायती दर पर घुमंतू समाज को पट्टे देने के आदेश दे दिए हैं लेकिन शहर में कच्ची बस्तियों में रहने वाले घुमंतू समाज के नागरिक तथा गरीब लोग आज भी पट्टे और मकान का इंतजार कर रहे हैं।

मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में हुए भाजपा में शामिल : अशोक चौधरी

यमुनानगर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की जनहित कल्याणकारी नीतियों के चलते सोमवार को जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के गांव खैरी ताजेवाला के मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों को छोड़कर भाजपा में अपनी आस्था जताते हुए शामिल हुए। वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक चौधरी बहादुरपुर ने आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों को फूलों की माला व भाजपा का पटका पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक

चौधरी ने कहा कि भाजपा में शामिल हुए सभी लोगों को पूरा मान सम्मान दिया जाएगा व उनके बताए गए विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी और मनोहर की गारंटी पर आज देश की आम जनता विश्वास कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा हरियाणा सरकार द्वारा शहरों की भांति गांवों में सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाकर और विकसित करने का काम किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा हरियाणा में 90 विधानसभा क्षेत्रों में समान रूप से विकास कार्य हो रहे हैं। कोई भी क्षेत्र विकास कार्यों से अछूता नहीं हैं। वहीं स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल द्वारा जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में अनगिनत विकास कार्यों को करवाने का काम किया गया है और आगे भी जो भी विकास कार्य होंगे उन्हें भी तीव्रता से करवाते हुए आम जनमानस को इसकी सुविधा देने का काम किया जाएगा। इस दौरान भाजयुमो जिला अध्यक्ष निश्चल चौधरी, भाजपा जिला यमुनानगर मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग साथ रहे।

किसानों ने मांगों को लेकर मीरा साहिब में निकाली रैली

आरएस पुरा (हिंस)। मीरा साहिब क्षेत्र के गांव नंदपुर के किसानों ने जम्मू कश्मीर किसान तहरीक कमेटी के बैनर तले मीरा साहिब कस्बे में सोमवार को एक रैली निकाली और प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि जिस भूमि पर गांव के किसान पिछले लंबे समय से खेती करते आ रहे हैं उन किसानों को उनकी जमीनों का मालिकाना हक दिया जाना चाहिए। कमेटी के राज्य प्रधान कामरेड किशोर कुमार की अध्यक्षता में निकाली गई इस रैली के दौरान काफी संख्या में किसान मौजूद रहे। रैली रिंग रोड मीरा साहिब से शुरू हुई और कस्बे के मुख्य बाजार से होते हुए शहीद भगत सिंह पार्क में पहुंची और उसके उपरांत अन्य क्षेत्रों से होते हुए धरना स्थल पर जाकर संपन्न हुई। इस मौके पर कामरेड किशोर कुमार ने कहा कि प्रशासन की तरफ से पिछले दिनों गांव नंदपुर में जिस भूमि पर किसान पिछले कई सालों से खेती-बाड़ी करते आ रहे हैं उस भूमि पर प्रशासन की तरफ से सरकारी बोर्ड लगा दिया गया। इसके विरोध में स्थानीय किसान पिछले 11 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन प्रशासन की तरफ से इन गरीब परिवारों की कोई बात नहीं सुनी जा रही है। उन्होंने कहा कि मीरा साहिब क्षेत्र में पुलिस स्टेशन बनाने के लिए और भी काफी सरकारी जगह हैं ऐसे में प्रशासन को वहां पर पुलिस स्टेशन का निर्माण कार्य करना चाहिए ना कि किसानों को उजाड़ कर उनकी भूमि में पुलिस स्टेशन बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर प्रशासन वहां पर ही पुलिस स्टेशन का निर्माण कार्य करना चाहता है तो उसके बदले किसानों को दूसरी जगह पर भूमि दी जानी चाहिए। किशोर कुमार ने कहा कि आज रैली के माध्यम से प्रशासन को जगाने का प्रयास किया गया है लेकिन आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। पूर्व पंच संगीता देवी ने कहा कि गांव के किसान काफी गरीब हैं और खेती-बड़ी करके अपने परिवार का पालन पोषण करते आ रहे थे लेकिन अब प्रशासन की तरफ से उनकी भूमि पर सरकारी बोर्ड लगा दिए गए हैं और प्रशासन ने जमीन को अपने कब्जे में ले लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को जल्द से जल्द इन किसानों को उनकी जमीनों के मालिकाना हक देने की जरूरत है। इस अवसर पर सरदार मनदेव सिंह, बाबा राम सहित काफी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज करेंगे बीकानेर मंडल के विभिन्न प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण

बीकानेर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 12 मार्च, मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा। सोमवार को मीडिया से बातचीत करते हुए डीआरएम डॉ. आशीष कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 15 दिसंबर 2021 को लांच किए गए गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल जीटी के संबंध में प्रधानमंत्री के गति शक्ति के दृष्टिकोण और रेल मंत्रालय की नीति के अनुसरण में गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों को रेल कार्गो हैंडलिंग के लिए विकसित किया जा रहा है। साथ ही बड़ी संख्या में स्टेशनों पर नए गुड्स शेड सुविधाओं की स्थापना और मौजूदा गुड्स शेड (जो रेलवे संसाधनों की कमी के कारण कार्य करने में असमर्थ हैं) को विकसित करने की अनुमति देकर टर्मिनल क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि रेल मंत्रालय ने भारत सरकार के वोकल फॉर लोकल दृष्टिकोण को बढ़ावा देने, स्थानीय/ स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार प्रदान करने और हाशिए पर रहने वाले समाज के वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (ओएसओपी) योजना शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य देशभर के रेलवे स्टेशनों पर बिक्री आउटलेट के प्रावधान के माध्यम से स्थानीय कारीगरों, कुम्हारो, बुनकरों, हथकरघा बुनकरों, शिल्पकारों आदि को आजीविका के बेहतर अवसर प्रदान करना है। बीकानेर मंडल पर दो गति शक्ति कार्गो टर्मिनल, एक गुड्स शेड तथा हिसार स्टेशन सहित 25 स्टेशनों पर वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल का लोकार्पण प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा। मंडल पर 14 स्थानों पर लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें भट्टू और लाहली में गति शक्ति कार्गो टर्मिनल तथा मानहेरू में गुड्स शेड का लोकार्पण होगा।

10 की 10 सीट जीतकर मोदी की झोली में डालेगा हरियाणा : मनोहर लाल

गुरुग्राम (हिंस)। यहां द्वारका एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 130 करोड़ भारतीयों के दिल की धड़कन बताते हुए उनका हरियाणा की धरती पर स्वागत किया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमने यातायात सुचारू करने के लिए द्वारका एक्सप्रेस-वे बनाने की मांग की थी। उस समय इसकी अनुमानित लागत 200-300 करोड़ आंकी गई थी। इसे वर्ल्ड क्लास बनाने के लिए इस पर 9000 करोड़ से अधिक की राशि खर्च हो चुकी है। यह स्टेट ऑफ द आर्ट प्रोजेक्ट है। यह एक्सप्रेस-वे उत्तर भारत, दक्षिण भारत, पश्चिम भारत के लोगों को लाभ देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने बड़े अभियान की शुरुआत हरियाणा की धरती से की थी। वर्ष 2014 में वन रैंक वन पेंशन की शुरुआत यहां से की थी। पानीपत से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की थी। इसके अलावा विकास की दृष्टि से यहां अनेक उद्योग केंद्र सरकार की ओर से लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा भले ही छोटा राज्य हो, लेकिन देश की जीडीपी में यहां का 4 प्रतिशत योगदान है। उन्होंने प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी की गारंटी से आपने

देश को भरोसा दिया है। हरियाणा की जनता की ओर से भी भरोसा है कि हरियाणा 10 की 10 सीट जीतकर मोदी की झोली में डालेगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का हरियाणा से विशेष लगाव रहा है। मुख्यमंत्री ने मंच से मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में अब तक हुए कई कामों को गिनवाया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की सांस्कृतिक विरासत को पूरे विश्व में पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व का ही कमाल है कि आबू धाबी में भगवान श्रीराम का भव्य बना है और इसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को ही जाता है।

सफाई कर्मचारी भर्ती का विरोध शुरू, हड़ताल पर सफाई कर्मचारी

जयपुर (हिंस)। प्रदेश की नगर निकायों में हो रही सफाई कर्मचारी भर्ती का विरोध शुरू हो गया है। प्रदेश में वाल्मीकि समाज से जुड़े कर्मचारियों ने विरोध शुरू किया है। जयपुर नगर निगम हेरिटेज मुख्यालय पर सोमवार संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ ने बैठक बुलाई है। विभिन्न मांगो को लेकर सरकार से विरोध के चलते बैठक में तय किया गया कि सोमवार से ही सफाई कार्य का बहिष्कार शुरू कर दिया है। सफाई कर्मचारियों के कार्य बहिष्कार से शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा सकती है। आमजन को परेशानी से बचाने लिए निगम को वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी। ताकि आमजन के साथ यहां आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों कचरा और गदंगी से परेशानी ना झेलनी पड़े। संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने बताया कि राज्य सरकार 24 हजार 797 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती करने जा रही है। इसकों लेकर सोमवार को हैरिटेज मुख्यालय जलेबी चोक में संपूर्ण राजस्थान के सभी सफाई कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों की एवं सफाई कर्मचारियों की आम सभा रखी गई। आम सभा में सभी ने एकमत होकर निर्णय लिया की स्वायत्त शासन विभाग द्वारा 24797 सफाई कर्मचारियों की भर्ती लॉटरी द्वारा 2018 की तर्ज पर की जा रही है। इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। उनकी मांग है कि सफाई कर्मचारी भर्ती मस्ट्रोल द्वारा की जाए, सफाई कर्मचारी भर्ती 2024 में जिन अभ्यार्थियों ने नगर निगम में काम किया है उन्हे प्राथमिकता दी जाए, जिन अभ्यार्थियों के कोर्ट केस चल रहे है उन्हे प्राथमिकता दी जाएं। वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता दी जाएं। चुनाव आचार संहिता की आड़ में सफाई कर्मचारी भर्ती रोकी नही जाए। जब तक उक्त मांगे पूरी नहीं होती है तब तक जयपुर शहर सहित संपूर्ण राजस्थान के सफाई कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर सफाई कार्य का बहिष्कार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि संघ से जुड़े कर्मचारी इस भर्ती में वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता देने की मांग कर रहे हैं। साथ ही इस भर्ती से पहले वे प्रैक्टिकल करवाने की भी मांग कर रहे हैं।

शहर में मची फागोत्सव की धूम, फूलों से खेली होली

जोधपुर (हिंस)। फाल्गुन मास के चलते शहर में कई मंदिरों व अन्य स्थानों पर फागोत्सव मनाया जा रहा है। इस दौरान शिव-पार्वती व राधाकृष्ण की झांकी सजाकर फूलों से होली खेली जा रही है। ओल्ड कैंपस के सामने स्थित श्री पीपलेश्वर महादेव मंदिर में महंत श्रीधरगिरी महाराज व संत गंगागिरी महाराज के सानिध्य में मंदिर समिति सदस्यों व भक्तगणों की ओर से फाग महोत्सव मनाया गया। मंदिर समिति सदस्य शशिकांत तिवाड़ी ने बताया कि इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक फूलमंडली व रोशनी से सजाया गया और शिव परिवार, रामदरबार व राधाकृष्ण सहित देव प्रतिमाओं का मनोरम श्रृंगार किया। इस दौरान सूरसागर बड़ा रामद्वारा के संत मनोहरदास शास्त्री महाराज सहित पंकज जांगिड़, शशिलता शर्मा, मंजू

डागा, मंजू प्रजापति, गीता मेवाड़ा, मंजू पंवार, प्रियंका बोराणा, बबीता भाटी, विजयलक्ष्मी, अनुसुइया, सुमन शर्मा, मधु बोहरा और महिला मंडल ने होरियों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिन पर भक्त शिव पार्वती व राधाकृष्ण की झांकी के साथ पुष्प होली खेलते हुए और नृत्य करते हुए मंत्रमुग्ध नजर आए। वहीं नेहरू पार्क के पास स्थित गणगौर गार्डन में आगोत्तर सुधार मंडली की ओर से फागोत्सव का आयोजन हुआ। मंडली की मंजू झंवर ने बताया कि इस दौरान संत मनोहर दास शास्त्री, पंकज जांगिड़ व मंजू डागा द्वारा होरिया प्रस्तुत की गई जिन पर राधाकृष्ण की झांकी बनी महिलाओं के साथ मंडली के सदस्य और भक्त पुष्प होरी खेलते हुए थिरकते हुए फाल्गुण की मस्ती में सराबोर नजर आए। गुलाब सागर स्थित राधाकृष्ण व पंचमुखा महादेव मंदिर में संतो के सानिध्य में फाग महोत्सव मनाया गया। आयोजन समिति सदस्य प्रमोद गहलोत ने बताया कि इस दौरान गायिका मंजु डागा एण्ड पार्टी द्वारा चंग और संगीतमय वाद्ययंत्रों के साथ प्रस्तुत होरी गायन पर जोधपर शहर की पूर्व विधायक मनीषा पंवार और विदेशी सैलानियों सहित भक्त पुष्प होली खेलते हुए हुए फाल्गुण की मस्ती में मंत्रमुग्ध नजर आए। आयोजन समिति के रविन्द्र सिंह सिसोदिया, घनश्याम सिंह भाटी, वीरेन्द्रसिंह परिहार, पदमसिंह गहलोत, अरविन्द सांखला, रणजीत सिंह पंवार, नरेश सिंधी, सत्यनारायण व जयेश तम्बोली आदि सदस्यों ने अतिथियों व कलाकारों का मान-सम्मान किया और व्यवस्था में सहयोग दिया।

कांग्रेस से प्रताड़ित होकर लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं : चतुर्वेदी

भरतपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। कांग्रेस से प्रताड़ित होकर लोग पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं और यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति नीति के कारण हो रहा है। उनकी नीतियों को समझते हुए अन्य पार्टियों को छोड़कर लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं। चतुर्वेदी सोमवार को यहां आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करद रहे थे। कांग्रेस सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे भजनलाल जाटव द्वारा नेशनल हाईवे के किनारे जमीन पर अतिक्रमण करने के मामले को लेकर उन्होंने कहा कि सभी का नंबर आ रहा है। न्यायिक प्रक्रिया के तहत सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सप्ताह के पहले दिन ही टूटा शेयर बाजार

मुनाफावसूली के दबाव में लुढ़के सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली (हि.स.)। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन ही सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में मुनाफावसूली का दबाव बना रहा। इस वजह से निवेशकों को आज 3 लाख करोड़ से भी अधिक की चपत लग गई। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी लेकिन पहले कुछ मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में मंदड़ियों ने बिकवाली का दबाव बना दिया, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार गिरते चले गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। पूरे दिन हुए कारोबार के दौरान बैंकिंग, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी, टेलीकम्युनिकेशंस, कमोडिटी और एफएमसीजी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। फार्मास्युटिकल इंडेक्स बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार की कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब सवा तीन लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 389.60 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 392.81 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.21 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,081 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 923 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,036 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 122 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,266 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 411 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,855 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 56.54 अंक की मामूली बढ़त के साथ 74,175.93 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से ये सूचकांक 67.96 अंक की मजबूती के साथ 74,187.35 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण ये सूचकांक लगातार गिरता चला गया। मंदड़ियों के दबाव के कारण सेंसेक्स 685.48 अंक टूट कर 73,433.91 अंक तक गिर गया। हालांकि, आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण इस सूचकांक ने निचले स्तर से करीब 70 अंक की रिकवरी करके 616.75 अंक की कमजोरी के साथ 73,502.64 अंक के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 23.95 अंक की तेजी के साथ 22,517.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद कुछ मिनट तक खरीदार अपना जोर बनाने की कोशिश करते रहे, जिसके कारण ये सूचकांक 33.05 अंक की बढ़त के साथ 22,526.60 अंक तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण ये सूचकांक लुढ़कता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 219.35 अंक का गोता लगा कर 186.30 अंक की कमजोरी के साथ 22,307.25 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन हुई खरीद बिकने के बाद निफ्टी निचले स्तर से करीब 25 अंक की रिकवरी करके 160.90 अंक के गिरावट के साथ 22,332.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अपोलो हॉस्पिटल 2.58 प्रतिशत, नेस्ले 1.97 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.44 प्रतिशत, सिप्ला 1.27 प्रतिशत और बजाज फिनसर्व 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 3.24 प्रतिशत, बजाज ऑटो 2.47 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 2.43 प्रतिशत, टाटा स्टील 2.42 प्रतिशत और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 1.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

वित्त मंत्री ने पीएफआरडीए के अध्यक्ष दीपक मोहंती से की मुलाकात

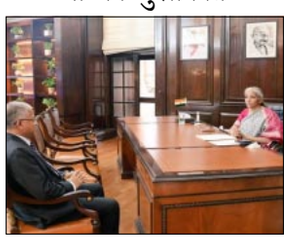

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों के मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष दीपक मोहंती से मुलाकात की। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने पीएफआरडीए के अध्यक्ष दीपक मोहंती से मुलाकात की है। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान दीपक मोहंती ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से किन मसलों पर बात की, इसकी जानकारी नहीं नहीं दी गई है। उल्लेखनीय है कि पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) भारत में पेंशन फंड्स के लिए बनाई गई नियामक संस्था है।

कच्चा तेल 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली (हि.स.)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में कुछ गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन ब्रेंड क्रूड 0.51 डॉलर यानी 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ 81.57 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है।

सर्राफा बाजार में सोना-चांदी की बढ़ी चमक, चेन्नई में सोना पहुंचा 67 हजार के पार

नई दिल्ली (हि.स.)। घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का दौर लगातार जारी है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 66 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के पार कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 61 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के करीब पहुंच गया है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 67 हजार रुपये और 22 कैरेट सोना 61 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है। सोना की तरह ही चांदी ने भी आज तेजी दिखाई है। बाजार में आई तेजी के कारण दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी आज 75,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 66,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 60,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 66,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 60,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 61,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 66,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 60,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 66,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 60,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 66,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 60,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 66,310 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 60,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 66,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 60,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 66,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 60,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वर्ष 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत : राणे

मुंबई/नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री नारायण राणे ने सोमवार को कहा कि 2030 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिंधुदुर्ग में प्रौद्योगिकी केंद्र युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इससे राज्य के विकास और औद्योगिक विकास को और बढ़ावा मिलेगा। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र की आधारशिला रखने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राणे ने यह बात कही। इसके साथ ही उन्होंने सिंधुदुर्ग औद्योगिक महोत्सव और स्वरोजगार कॉन्क्लेव का भी उद्घाटन किया। राणे ने कहा कि वर्ष 2030 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिंधुदुर्ग में प्रौद्योगिकी केंद्र युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इससे राज्य के विकास और औद्योगिक विकास को और बढ़ावा मिलेगा और खाद्य प्रसंस्करण इस क्षेत्र में एक प्रमुख औद्योगिक गतिविधि बन जाएगी। इसके साथ ही राणे ने पीएम विश्वकर्मा पर एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया और उपस्थित लोंगों से बातचीत की। इसके अलावा एएस एंड डीसी (एमएसएमई) डॉ. रजनीश ने अपने संबोधन में कहा कि एमएसएमई को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और विश्व स्तरीय बनना होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत 2047 तक एक विकसित देश बन जाए। उन्होंने आगे कहा कि देश भर में फैले प्रौद्योगिकी केंद्र इस परिवर्तन में एक बड़ी भूमिका निभाएंगे। इस मौके पर अतिरिक्त सचिव और विकास आयुक्त, एएस एंड डीसी (एमएसएमई), डॉ. रजनीश तथा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिष्ठित अतिथि भी उपस्थित थे। एमएसएमई मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों द्वारा प्रौद्योगिकी तक पहुंच बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा देशभर में 20 नए प्रौद्योगिकी केंद्र और 100 विस्तार केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मंत्रालय ने बताया कि एमएसएमई-प्रौद्योगिकी केंद्र, सिंधुदुर्ग, 182 करोड़ रुपये की अनुमानित परियोजना लागत के साथ, जनरल इंजीनियरिंग और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा। इससे आस- पास के क्षेत्रों में एमएसएमई के लिए विकास के नए अवसर पैदा होंगे।

ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 11 मार्च (हि.स.)। ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में निराशा का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के तीनों सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण यहां के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करते नजर आए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,123.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डैक ने 188.26 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.21 प्रतिशत टूट कर 38,639.77 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान निराशा का माहौल बना रहा। पूरे सत्र के कारोबार के बाद यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणामों के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,659.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत गिर कर 17,814.51 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,028.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी आज दबाव में कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में आज छुट्टी होने की वजह से कारोबार नहीं हो रहा है। हैंग सेंग इंडेक्स 209.59 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ 16,562.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,052.28 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 147 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की

पूंजी बाजार नियामक को एसएमई क्षेत्र में आईपीओ और शेयरों की खरीद-बिक्री में हेरा-फेरी के संकेत

मुंबई (हि.स.)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने सोमवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक को छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) क्षेत्र में कीमतों में हेरा-फेरी के संकेत मिल रहे हैं। सेबी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच मुंबई में वी आर यूनिक कार्यक्रम के दौरान लोगों से बातचीत कर रही थीं। इस मौके पर मीडिया के पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमें कीमतों में हेरा-फेरी के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास इसके बारे में पता लगाने की तकनीक है। बुच ने कहा कि हम कुछ पैटर्न देख रहे हैं। माधवी बुच ने निवेशकों को सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि कीमतों में हेरा-फेरी फिलहाल आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) और सामान्य रूप से शेयरों की खरीद-बिक्री, दोनों में है। उन्होंने कहा कि मैं कहूंगी कि ये अभी शुरुआती चरण में है। बुच ने कहा कि अगर उसे कुछ गलत मिला, तो इस पर सार्वजनिक परामर्श जारी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को यह समझने की जरूरत है कि एसएमई खंड मुख्य बोर्ड (बड़ी कंपनियों) से अलग है। एसएमई खंड को नियंत्रित करने वाले नियम के मानदंड अलग हैं और इसलिए जोखिम की प्रकृति भी अलग है।

एसएमई सेगमेंट में हेरफेर के मिल रहे संकेत, सेबी की चेयरपर्सन ने चेताया

नई दिल्ली। सेबी (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने आज बताया कि सेबी कई तरीके के हेरफेर देख रहा है। उन्होंने कहा कि स्मॉल और मध्यम उद्यमों (एसएमई) खंड में मूल्य हेरफेर के संकेत देख रहा है। यह हेरफेर आईपीओ (आईपीओ) और ट्रेडिंग दोनों में देखने को मिल रही है। हम कीमत में हेरफेर के संकेत देख रहे हैं। हमारे पास ऐसा करने की तकनीक है जिसके वजह से हम हेरफेर के कुछ पैटर्न देख पा रहे हैं। इसके आगे वह कहती हैं कि पूंजी बाजार नियामक यानी सेबी अभी भी सभी आयामों को समझने और डेटा का विश्लेषण करने के लिए सलाहकारों के साथ काम कर रहा है, अगर उसे कुछ कदाचार मिलते हैं तो अगला कदम इस पर सार्वजनिक परामर्श जारी करना हो सकता है। निवेशकों को यह समझने की जरूरत है कि एसएमई खंड मुख्य बोर्ड से अलग है और सेबी के लिए निवेशकों को किए जाने वाले खुलासे के नियमों के संदर्भ में इसे रेखांकित करना जरूरी है। सेबी एसएमई सेगमेंट को नियंत्रित करने वाले नियम, खुलासे और इसलिए जोखिम की प्रकृति सभी अलग-अलग हैं।

श्रीलंका और बांग्लादेश के अलावा कई देश चाहते हैं स्थानीय मुद्रा से हो लेन-देन : गोयल

नई दिल्ली। भारतीय करेंसी धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। इसको लेकर वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि बांग्लादेश, श्रीलंका और खाड़ी क्षेत्र के देशों सहित कई विकसित और विकासशील देश भारत के साथ रुपये में व्यापार शुरू करने के इच्छुक हैं। अगर भारतीय करेंसी में व्यापार शुरू होता है तो यह लेनदेन में लगने वाली लागत में कटौती को कम करने में मदद करता है। पीयुष गोयल ने कहा कि मुझे विश्वास है कि भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए बहुत गेम-चेंजिंग आयाम होने जा रहा है। दरअसल, घरेलू मुद्रा में व्यापार करना काफी फायदेमंद होता है। बांग्लादेश, श्रीलंका पहले से ही हमसे बात कर रहे हैं और वे चाहते हैं कि हम तुरंत रुपये में कारोबार शुरू करें। खाड़ी क्षेत्र के अन्य देश इस पर विचार कर रहे हैं। मुझे लगता है कि लोगों को लाभ देखने में कुछ समय लगेगा। अधिक से अधिक विकसित देश और सुदूर पूर्व के देश भी इसमें शामिल हो रहे हैं। सिंगापुर पहले से ही कुछ हद तक इसमें शामिल है। वह आगे कहते हैं कि कई देश इस व्यवस्था के लिए आगे आए हैं और इसके लिए भारत से बात कर रहे हैं क्योंकि वे भी अपनी स्थानीय मुद्रा और रुपये के बीच सीधा लेनदेन शुरू करना चाह रहे हैं। गोयल ने पीटीआई के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि धीरे-धीरे यह समझ आ रही है कि सभी लेन-देन को तीसरी मुद्रा में बदलने के बजाय, दोनों तरीकों से लेन-देन की लागत में काफी वृद्धि होती है। बता दें कि जब कोई लोन-देन तीसकी मुद्रा के साथ होता है तब उसमें लेन-देन की लागत लगती है। वहीं अगर यह लेन-देन स्थानीय मुद्रा में होती है तो लेन-देन लागत नहीं लगती है। स्थानीय मुद्रा से लेन-देन संयुक्त अरब अमीरात से शुरु हुआ। संयुक्त अरब अमीरात पहला देश है जिसने भारतीय करेंसी से लेन-देन को स्वीकार किया है। अब यह जोर पकड़ रहा है। गोयल ने कहा, यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें समय लगता है। इसमें ढांचा तैयार करने के लिए दोनों देशों के केंद्रीय बैंकरों को शामिल किया जाता है और फिर इसे आयातकों और निर्यातकों द्वारा स्वीकृति दी जाती है। यह जुड़ाव इसलिए भी फायदेमंद है क्योंकि भारतीय रुपया ज्यादातर अंतर्राष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले स्थिर है और विशेषज्ञों के मुताबिक, यही एक कारण है कि आज विभिन्न देश रुपये के व्यापार पर आधारित व्यापार संबंध बनाना चाहते हैं। रुपये के व्यापार से उन कई देशों को भी मदद मिल रही है, जिनके पास डॉलर की कमी है।

भारत ने नेपाल और भूटान समेत पड़ोसी देशों के साथ रुपये में व्यापार शुरू कर दिया है। रूस के साथ राष्ट्रीय मुद्रा में व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए रुपया व्यापार तंत्र शुरू किया गया है, जबकि श्रीलंका ने रुपये को अपनी नामित विदेशी मुद्राओं की सूची में शामिल किया है। भारत द्वारा खरीदे गए कच्चे तेल के लिए रुपये में पहली बार भुगतान संयुक्त अरब अमीरात से किया गया था और इससे दुनिया के तीसरे सबसे बड़े एनर्जी उपभोक्ता को स्थानीय मुद्रा को वैश्विक स्तर पर ले जाने में मदद मिल रही है, क्योंकि यह अन्य आपूर्तिकर्ताओं के साथ इसी तरह के सौदों की तलाश में है। आईएनआर को वैश्विक मुद्रा बनाने के उद्देश्य से भारतीय रुपए में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार निपटान की अनुमति देने के लिए एपटीपी (विदेश व्यापार नीति) में बदलाव किए गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने जुलाई 2022 में रुपये में भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के निपटान की अनुमति देने का निर्णय लिया। एचडीएफसी बैंक और यूको बैंक सहित कई बैक्तों ने रुपये में विदेशी व्यापार की सुविधा के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते खोले हैं और कई देशों ने स्थानीय मुद्रा व्यापार के लिए इस व्यवस्था में रुचि व्यक्त की है।

महाभारत में द्रौपदी के रोल के लिए पहली पसंद थीं जूही

मुंबई (ईएमएस)। इंडस्ट्री की वो जानी मानी एक्ट्रेस जूही ने 1984 में मिस इंडिया खिताब अपने नाम करने के बाद 1986 में डेब्यू किया। करियर की पहली ही फिल्म फ्लॉप साबित हुई। बीआर चोपड़ा की महाभारत में ये ही एक्ट्रेस द्रौपदी के रोल के लिए पहली पसंद थीं, जिसे बाद में रूपा गांगूली ने निभाया था। साल 1993 में आई फिल्म आइना में जैकी श्रॉफ संग और फिल्म डर में सनी देओल संग नजर आ चुकीं जूही ने अपने करियर की शुरूआत साल 1986 में नसीरउद्दीन शाह की फिल्म सल्तनत से की थी। हालांकि उनके करियर की ये पहली ही फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी। इस फिल्म के रिलीज होने से पहले जूही को एक साउथ के प्रोड्यूसर ने फोटो लेकर बीआर चोपड़ा के पास भेजा था जब वह महाभारत की कास्ट की तलाश कर रहे थे। जूही चावला ने अपने इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने पहली बार में जूही को द्रौपदी के रोल के लिए साइन कर लिया था। लेकिन उसी वक्त जूही की फिल्म भी रिलीज होने वाली थी, इस फिल्म की वजह से जूही को द्रौपदी का रोल छोड़ना पड़ा था। जूही की पहली फिल्म भले ही फ्लॉप साबित रही हो। लेकिन आमिर खान के साथ फिल्म कयामत से कयामत में जूही ने अपने रोल से सभी को चौंका दिया था। उनकी ये फिल्म हिट साबित हुई थी। आमिर खान के साथ उनकी केमिस्ट्री भी काफी पसंद की गई थी। इस फिल्म के बाद जूही ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा इसके बाद उन्होंने हम हैं राही प्यार के, दीवाना मस्ताना, यस बॉस, लुटेरे, आईना, डर, इश्क जैसी कई ऐसी फिल्मों में काम किया, जिसके बाद तो उनका नाम इंडस्ट्री की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हो गया था। फिर एक दौर एक्ट्रेस की लाइफ में ऐसा भी आया जब उनकी फिल्में सिल्वर स्क्रीन पर फ्लॉप साबित होने लगीं।। दरअसल साल 1997 में उनसे एक ऐसी गलती हो गई कि देखते ही देखते उनका पूरा करियर डूबने लगा था। कहा जाता है कि यश चोपड़ा की फिल्म दिल तो पागल है रिजेक्ट करने के बाद से ही उनका करियर ठप होने लगा था।

परिवार पर फोकस्ड हैं सेलिना जेटली

मुंबई (ईएमएस)। फिलहाल अपने परिवार पर फोकस्ड सेलिना जेटली भारतीय सिनेमा की जानी- मानी एक्ट्रेस रही हैं और उन्होंने 2 दर्जन से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। अभिनय के अलावा वे अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने फेमिना मिस इंडिया 2001 का खिताब जीता और मिस यूनिवर्स 2001 में चौथी रनर-अप बनीं। उन्होंने 2003 की थ्रिलर जानशीं से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी। अभिनेत्री ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर की है जिसके जरिए वे यूजर्स का अटेंशन ले रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में एक पोस्ट के जरिए हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। लेटेस्ट तस्वीर में जेलिना अपने जुड़वा बच्चों के साथ देखी जा सकती हैं। इस तस्वीर को शेयर कर उन्होंने एक लंबा कैप्शन लिखा और इसी में उन्होंने महिलाओं से संबधित लोगों की विचारधाराओं को भी उजागर किया है। अभिनेत्री ने लिखा, एक उर्दू कविता है जो कहती है औरत बिकी तो तवायफ हुई, मर्द बाइक तो दुल्हें बन गए। उनके इस पोस्ट पर हजारों कमेंट्स आ रहे हैं। तस्वीर तब की है जब उन्होंने अपने जुड़वां बच्चों संग तस्वीर डाली थी और इसमें वे बिकिनी पहने हुए अपने एक बेटे को दूध पिलातीं दिख रही थीं। अभिनेत्री ने लिखा, जब यह पहली बार पोस्ट किया गया था तो यह इंटरनेट पर मेरे एक महीने के #जुड़वां लड़कों के साथ मुझे खूब ट्रोल किया गया था। जबकि #बिकिनी का ट्रोलिंग से बहुत लेना-देना था, मुझे याद है कि मेरे एक लव केक (बेबी विंस्टन) को अपने बगल में रखने और उसे अपनी बाहों में न पकड़ने के लिए मुझ पर अटैक किया गया था। अभिनेत्री ने कहा, बिकिनी में अपने ही बच्चों को दूध पिलाने के लिए मुझे डायन होने से लेकर दुष्ट होने जैसी न जाने क्या-क्या मेरे लिए लिखा गया था। वे कहती हैं, पर्दे के पीछे जो चल रहा था वो यह था कि बच्चे हमेशा गोद में नहीं रहना चाहते। उन्हें पैर पटकना और स्वतंत्र महसूस करना पसंद है। जब आपके जुड़वां बच्चे होते हैं तो आप हमेशा उनकी जरूरतों के अनुसार बच्चों के बीच बदलाव करते रहते हैं। मेरी गोद में बैठा विराज अभी-अभी दूध पी रहा था और विंस्टन घूमना-फिरना और धूप का आनंद लेना चाहता था और विटामिन डी लेना चाहता था। बकौल जेलिना मुझे स्विमसूट पहनने के लिए जज किया गया, ट्रोल किया गया, बुरा-भला कहा गया। मेरे पति उस समय वहां मौजूद थे, जब हमारे मित्र लेबनानी फोटोग्राफर महा नसरा एडे ने हमारे लिए ये खूबसूरत यादें बनाईं। किसी ने एक बार भी लिहाज दिखाने की नहीं सोची। मुझे एक इंसान होने के लिए शर्मिंदा किया जा रहा था, सिर्फ इसलिए कि मैं एक मां बन गई थी इसलिए मैंने अपनी पहचान नहीं खोई, क्योंकि मां बनने के बाद मैंने अपनी पुरानी पहचान खोई थी, कारण था कि वो उस वक्त मेरे लिए सही नहीं था। फिर भी मुझे शर्मिंदा किया जा रहा था। मेरे पति ने उस दिन बहुत पावरफुल बात कही थी। उन्होंने कहा कि मुझे शेम के कल्चर में अपनी शक्ति और साहस को फिर से अचीव करने पर फोकस करना चाहिए। जब भी मुझे मेरे फ्लो के अपोजिट जाने के लिए आंका जाता है तो मैंने इसे हमेशा अपने दिमाग में रखा है। मैं केवल एक ही बात कहना चाहूंगा- अगर लोग आपको नीचे गिराने की कोशिश कर रहे हैं, तो इसका मतलब केवल यह है कि आप उनसे ऊपर हैं, किसी को भी आपको अपने प्रामाणिक आत्म को कम करने के लिए कहने न दें।

श्रॉफ और अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का बेसब्री से इंतजार

मुंबई (ईएमएस)। टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में सोशल मीडिया पर दोनों का एक मजेदार वीडियो भी इन दिनों काफी वायरल हो रहा है, जिसमें अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ दोनों एक दूसरे को टक्कर देते नजर आ रहे हैं। टाइगर श्रॉफ ने ये वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। सामने आई इस वीडियो में दोनों स्टंटमैन एक साथ नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, फैंस इस वीडियो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। अक्षय इस वीडियो में टाइगर कुछ हिसाब बराबर करने वाली बात करते नजर आ रहे हैं। इस दिलचस्प वीडियो पर फिल्म इंडस्ट्री के कई सेलेब्स और फैंस भी रिएक्शन कर रहे हैं। टाइगर ने जो वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है इसमें वह अक्षय से पूछते हैं कि बड़े एक रेस हो जाए क्या वहा पूल के आखिर तक? अक्षय टाइगर के इस चैलेंज को क्यों एक्सेप्ट नहीं करते। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार तो जाने ही अपनी फिटनेस के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने टाइगर के साथ मिलकर पूल में छलांग लगा दीस जबकि टाइगर चीटिंग करते हुए जल्दी से आखिर में पहुंच जाते हैं और विनर घोषित कर देते हैं। टाइगर की इस हरकत को देख अक्षय कुमार काफी कनफ्यूज हो जाते हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए टाइगर ने कैप्शन में लिखा, हिसाब बराबर बड़े अक्षय कुमार। अक्षय कहां पीछे हटने वाले थे उन्होंने करारा जवाब देते हुए लिखा, हिसाब बराबर नहीं छोटे, हिसाब यूंही चलता रहेगा। एक्टर का ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस के साथ इस पर राहुल देव और दर्शन कुमार जैसे कई सेलेब्स भी कमेंट कर रहे हैं। बता दें कि अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की बड़े मियां छोटे मियां इसी साल ईद के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। दोनों स्टंटमैन की ये फिल्म ,अमिताभ बच्चन, गोविंदा और माधुरी दीक्षित की सुपरहिट फिल्म का रीमेक है।

पति करण संग मुंबई लौटी नई नवेली दुल्हनिया सुरभि

इश्कबाज की अभिनेत्री सुरभि चंदना ने हाल ही में करण शर्मा संग शादी रचाई। सुरभि चंदना और करण शर्मा ने राजस्थान के जयपुर शहर में स्थित चोमू पैलेस में परिवार और दोस्तों के बीच सात फेरे लिए। कपल की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं जिसे लोगों ने खूब प्यार दिया। वहीं अब नई नवेली दुल्हन सुरभि अपने दुल्हे राजा के साथ मुंबई लौट आईं हैं। इस दौरान सुरभि चंदना येलो कलर के सूट में खूबसूरत दिखीं। गले में मंगलसूत्र, व्हाइट चूड़ा, हाथों और पैरों में लगी मेहंदी नई नवेली दुल्हन के लुक को चार-चांद लगा रहे हैं। मिनिमल मेकअप, ग्लोसी लिप्स और स्ट्रेट ओपन हेयर्स से सुरभि ने अपने इस ट्रेडिशनल लुक को पूरा किया था। करण शर्मा इन तस्वीरों में व्हाइट कुर्ते के साथ ब्लू जींस में नजर आए हैं।

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने मीडिया के सामने छिपाया अपना चेहरा, वीडियो वायरल

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की आने वाली फिल्म "बड़े मियां छोटे मियां" ईद के मौके पर रिलीज होगी। दोनों सितारे अलग-अलग शहरों में इस फिल्म का प्रमोशन करते नजर आ रहे हैं। मीडिया के सामने आते समय हमने अक्षय और टाइगर को अलग-अलग रूप में देखा होगा लेकिन आज मीडिया के सामने आते वक्त ये दोनों अपना चेहरा छिपाते नजर आए। दोनों का ये वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बड़े मियां अक्षय कुमार और छोटे मियां टाइगर श्रॉफ का एक वीडियो सामने आया है। इसमें अक्षय और टाइगर ने पैपराजी के सामने आते ही अपना चेहरा ढक लिया और छुपते हुए मीडिया के सामने आ गए। अक्षय और टाइगर के व्यवहार ने सभी को भ्रमित कर दिया। ऐसे ही एक ने पूछा, "आखिर क्या हुआ सर?" एक अन्य पैपराजी ने कहा, "यह निश्चित रूप से एक चलन है।" इसके बाद अक्षय और टाइगर ने मुस्कुराते हुए एक दूसरे को गले लगाया। ऐसे में देखा गया कि दोनों ने पैपराजी के साथ मजाक किया। इस वायरल वीडियो पर नेटिजेंस ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, "खिलाड़ी के अलावा कोई भी ऐसा मजाक नहीं कर सकता।" एक ने ऐसा कमेंट किया तो कुछ ने कहा, "तुम्हें अपना चेहरा क्यों छिपाना है?" इस बीच, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर "बड़े मियां छोटे मियां" 12 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में अक्षय और टाइगर के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन, सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर, अलाया फर्नीचरवाला, रोनित रॉय भी अहम भूमिका में हैं।

निर्देशक शेखर कम्मुला की फिल्म कुबेर, फर्स्ट लुक जारी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक शेखर कम्मुला की आगामी फिल्म का नाम अब कुबेर रखा गया है। इस फिल्म में धनुष, नागार्जुन, रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ भी अभिनय करेंगे। निमार्ताओं ने महा शिवरात्रि पर फिल्म का शीर्षक और फिल्म से धनुष का पहला लुक जारी किया। धनुष का फर्स्ट लुक जबकि धनुष ने केवल डी51 टाइटल लुक लिखकर एक्स पर पोस्टर और वीडियो साझा किया, नागार्जुन ने लिखा कि वह आगे की यात्रा के लिए उत्साहित थे, उन्होंने लिखा, कुबेरफर्स्ट लुक यहां है...अविश्वसनीय प्रतिभाओं के साथ आगे की यात्रा के लिए उत्साहित!! रश्मिका ने लिखा, पहला लुक है (दिल की आंखें और आग इमोजी) मुझे यह पसंद है! मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूँ!! #कुबेर और इसके फर्स्ट लुक पोस्टर में भगवान शिव और पार्वती हैं..आशीर्वाद के साथ शुरूआत और इससे अधिक की उम्मीद नहीं की जा सकती थी!

नयनतारा परिवार के साथ सउदी अरब पहुंची

साउथ सुपरस्टार नयनतारा अपने परिवार के साथ सउदी अरब पहुंची हैं। नयनतारा अपने पति विग्नेश शिवन और बच्चे, उइर और उलाग के साथ रेसिंग कार्यक्रम में शामिल होने सउदी अरब पहुंची। इवेंट से पहले नयनतारा और विग्नेश शिवन ने एक साथ कुछ क्वालिटी टाइम बिताया। इससे पहले नयनतारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा की थीं, जिसमें वो अपने पति के प्रति अपना आभार प्रकट करती हुई नजर आ रही थीं। अपने पति विग्नेश को टैग करते हुए अभिनेत्री ने लिखाः आज मैं जिस तरह की महिला हूं, वैसी महिला बनाने के लिए आपका दिल से शुक्रिया। इसके अलावा उन्होंने अपने पति से अलग होने को लेकर उठी सभी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि उनके और उनके पति के बीच सबकुछ ठीक है। इससे पहले एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया था, जिसे पढ़ने के बाद उसके प्रशंसक घबरा गए थे।

अल्लू अर्जुन ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के पक्ष में दिया बड़ा बयान

अल्लू अर्जुन की फिल्म "पुष्पाः द राइज" को दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला। फिल्म ने सचमुच बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया। इस फिल्म के कलाकार, उनके डायलॉग, गाने सब सुपरहिट हुए। तो अब दर्शकों को फिल्म "पुष्पा 2ः द रूल" का बेसब्री से इंतजार है। ये फिल्म इसी साल रिलीज होगी। पिछले कुछ सालों में हम देख सकते हैं कि साउथ फिल्में आगे बढ़ रही हैं। कोविड काल में आई "पुष्पा" के बाद "केजीएफ", "कांतारा", "आरआरआर" से लेकर "सालार" तक कई साउथ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं। साउथ फिल्मों की इस दीवानगी में बॉलीवुड फिल्में भी पिछड़ रही हैं। हमने यह चर्चा तो सुनी होगी कि बॉलीवुड के पास साउथ फिल्मों का रीमेक बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है लेकिन अल्लू अर्जुन की इस बारे में अलग राय है। हाल ही में उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान इस पर टिप्पणी की है। उन्होंने बॉलीवुड के इस गिरते समय को लेकर कमेंट किया है। अल्लू अर्जुन ने कहा, "बॉलीवुड को बुरा कहना सही नहीं है क्योंकि बॉलीवुड इस वक्त मंदी के दौर में है। ये बॉलीवुड के साथ अन्याय है। पिछले 60-70 सालों से इस फिल्म इंडस्ट्री ने हमें एक से एक बेहतरीन फिल्में दी हैं। साउथ सिनेमा पर सबसे ज्यादा प्रभाव बॉलीवुड का है। हमारे बीच भाईचारा है, हम एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं।" इतना ही नहीं अल्लू अर्जुन ने ये भी कमेंट किया कि हम आने वाले समय में पूरी दुनिया पर राज करने वाले हैं। उन्होंने कहा, "भारत जल्द ही महाशक्ति बनेगा। अगले 10 से 15 साल में हम पूरी दुनिया पर राज करने वाले हैं। भारत बहुत तेजी से प्रगति कर रहा है। इससे सभी उद्योगों को फायदा होगा। इससे खासतौर पर मनोरंजन उद्योग को फायदा होगा। फिल्में हों या ओटीटी प्लेटफॉर्म, जैसे-जैसे देश आगे बढ़ रहा है, हमारी इंडस्ट्री को भी काफी फायदा हो रहा है।" फिल्म "पुष्पा 2" 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में एक बार फिर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री देखने को मिलेगी।

वैलेंटाइन डे पर रिलीज होगी फिल्म सनकी

साजिद नाडियाडवाला की फिल्म सनकी में अहान शेट्टी पहली बार पूजा हेगड़े के साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। उन्होंने कहा, वैलेंटाइन डे (14 फरवरी 2025) पर फिल्म सनकी रिलीज होगी। फिल्म को साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। नाडियाडवाला ग्रैंडसन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म सनकी की घोषणा की और स्टारकास्ट को दिखाया। रजत अरोरा द्वारा लिखित इस फिल्म को अदनान ए. शेख और यासिर जाह निर्देशित करेंगे। बॉलीवुड स्टार सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने एक्शन रोमांस फिल्म तड़प से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई थी। फिल्म में तारा सुतारिया ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसका निर्देशन मिलन लूथरिया ने किया था और साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस की थी।

सूडोकु नवताल- 6729

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6728 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्दजाल - 7476

जि	दि	ल	ज	ले	म	ज	ब	न	र	क
दा	स	यू	न	आ	वा	ग्री	द	इ	ह	ल
स	व	दे	पू	ह	जी	ल	न	ग	क	हो
र	ची	न	श	ट	ज	ज्ञा	म	पा	त	न
फ	त	ई	ड	में	व	खें	न	भा	र्क	हो
रो	मे	म	सु	न	गं	पू	न	ई	र	रू
श	जं	ज	मे	ता	क	गा	श	न	ज	री
क	ल	ग	र	सं	ज	ख्म	र	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	सा	चि	क	री	ह	प	ला
त	रा	जु	न	ज	ह	त्र	य	जी	ता	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ब	र	रा	त	हैं

शब्दजाल में शोनाली बेन्द्रे की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

सरफरोश, मेजर साहब, जख्म, दिलजले, भाई, लज्जा, कल हो न हो, तराजु, आहट, जिस देश में गंगा रहता है.

शब्दजाल - 7475 का हल

ऐ	म	मा	अ	शो	का	म	न	ह	क	रा
हा	त	सू	ह	री	ल	जी	स	ल	का	ज
चु	वी	रा	द	अ	प्यु	त	र	म	ल	वी.
प	र	दा	ज	ल	क	जी	ओ	मु	व	त
चु	अ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	सी	ला
प	मी	ज	स	जि	स्वा	क	प	कु	गु	श
के	ह	बु	न	वी	म	मी	टे	छ	हा	ण
न	पू	सु	पा	बी	पं.	सौ	ल	क	ना	स
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	ह	न	त
आ	प	बे	व	फा	दी	र	ह	ना	क	थ
दो	स्ती	न	प	द	न	इ	ह	है	ह	धी

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6429

5		3	4		6	
	33	6	36		30	1
1		7		5		3
4	32		32		32	4
7		1	4		2	
	37		25	7	36	
3		5		2		6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6428 का हल

4	2	7	6	3	5	1
2	33	2	33	4	26	7
7	5	4	6	1	2	3
5	34	3	30	6	32	6
6	3	1	4	5	7	2
3	30	5	33	7	39	5
1	5	6	3	2	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत दौरे से पहले छिन सकती है टिम साउदी से टेस्ट कप्तानी

नई दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की मौजूदा पॉइंट्स टेबल में जहां टॉप पर भारत काबिज हैं। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम और तीसरे पर न्यूजीलैंड है। जिस कारण वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का प्रबल दावेदार के रूप में भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को माना जा रहा है। हालांकि, ये आंकलन मौजूदा स्थिति को देखकर लगाया जा रहा है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीनस्वीप कर डाला। न्यूजीलैंड को होम टेस्ट सीरीज में इस हार से बड़ा झटका लगा है। इतना ही नहीं कप्तान टिम साउदी को लगता है कि आने वाली टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड को नया टेस्ट कप्तान भी मिल सकता है। न्यूजीलैंड को अगली दो टेस्ट सीरीज एशिया में खेलनी हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की और भारत के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज न्यूजीलैंड को सितंबर से नवंबर के बीच खेलनी है। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक जब टिम साउदी से कप्तानी को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि हम देखते हैं, आपको एशिया जाना है, स्क्वॉड में कुछ बदलाव देखने को मिलेगा, क्योंकि वहां स्पिन सबसे बड़ा खतरा बन जाती है। लेकिन ये सब हम तब देखेंगे, जब हम वहां जाएंगे। हम इस बारे में रात में बात करेंगे, और देखेंगे कि आगे कौन आता है।

अंतर सचिवालय टी-20 चैंपियंस ट्रॉफी: सुपर किंग्स ने रोमांचक मुकाबले में बुल्स को हराया

देहरादून (हि.स.)। महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड पर सोमवार को अंतर सचिवालय टी-20 चैंपियंस ट्रॉफी के तहत खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में सुपर किंग्स ने बुल्स को 3 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बुल्स की टीम 19.2 ओवरों में 128 रनों पर ऑल आउट हो गई। बुल्स के लिए मुकेश ने 36 और सुनील ने 19 रन बनाए। सुपर किंग्स की तरफ से ललित नौटियाल ने 04 विकेट लिए। जवाब में सुपर किंग्स की टीम ने 16.2 ओवरों मे 07 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। किंग्स की ओर से मनदीप ने शानदार 47 और अमीन सिंह ने 26 रन बनाए। विक्की और मुकेश ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच ललित नौटियाल को दिया गया, जबकि फाइटर ऑफ द मैच मुकेश रावत को दिया गया।

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय पुरुष कोचिंग शिविर के लिए की 28 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा

नई दिल्ली (हि.स.)। हॉकी इंडिया ने सोमवार को सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 28 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की है। भुवनेश्वर के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में लगने वाला यह शिविर 12 मार्च से शुरू होगी और 30 मार्च तक चलेगी। आगामी शिविर महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय टीम महत्वपूर्ण पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने का लक्ष्य रखेगी। टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में सफल प्रदर्शन के बाद शिविर में लौट रही है, जहां वे भुवनेश्वर और राउरकेला चरण में 8 मैचों में 15 अंक हासिल करने के बाद वर्तमान में तीसरे स्थान पर हैं। लीग 22 मई 2024 को एंटवर्प, बेल्जियम में फिर से शुरू होगी। राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के मुख्य समूह में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा और डिफेंडर्स हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और अमीर अली शामिल हैं। शिविर में बुलाए गए मिडफील्डरों में मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, विष्णुकांत सिंह शामिल हैं। जबकि, फॉरवर्ड की सूची में आकाशदीप सिंह, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, बॉबी सिंह धामी और अरजीत सिंह हुंदल शामिल हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने आगामी शिविर के महत्व को समझाते हुए कहा कि हम इस शिविर में प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण ब्लॉक शुरू करना चाहते हैं, और हमें यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि हम श्रृंखला के लिए जाने से पहले सर्वोत्तम स्थिति में हों। शिविर के लिए चुने गए खिलाड़ी आगामी महत्वपूर्ण मैचों में खेलने के लिए दावेदार होंगे; इसलिए, हमने प्रो लीग में खेलने वाले कुछ युवाओं के साथ-साथ अनुभवी खिलाड़ियों का एक समूह चुना है। ओडिशा में प्रो लीग मिनी-टूर्नामेंट एक उत्कृष्ट परीक्षण मैदान साबित हुआ, लेकिन इसमें हमेशा सुधार की गुंजाइश होती है, और हम प्रो लीग के अंतिम चरण और पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले चीजों को ठीक करने की कोशिश करेंगे। **भारतीय 28 सदस्यीय कोर ग्रुप इस प्रकार है: गोलकीपर**- कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा। **डिफेंडर्स**- हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, अमीर अली। **मिडफील्डर**- मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, विष्णुकांत सिंह। **फॉरवर्ड**- आकाशदीप सिंह, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, बॉबी सिंह धामी और अरजीत सिंह हुंदल।

विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर

क्वार्टरफाइनल में पहुंचे निशांत पेरिस 2024 कोटा से एक कदम दूर

बस्टो अर्सिजियो (हि.स.)। विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता निशांत देव ने यहां ग्रीस के क्रिस्टोस कराटिस को 5-0 से हराकर पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर में पुरुषों के 71 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। निशांत अब आगामी 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों में अपनी जगह पक्की करने से बस एक जीत दूर हैं, क्योंकि चल रहे क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में पुरुषों की स्पर्धा में सभी चार सेमीफाइनलिस्टों के लिए कोटा की पेशकश की जा रही है। अपने दबदबे वाले फॉर्म को जारी रखते हुए, निशांत ने सावधानी से मुकाबला शुरू किया क्योंकि कराटिस कुछ शुरुआती अंक हासिल करने की कोशिश कर रहे थे, हालांकि निशांत ने जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और कुछ अंक हासिल कर लिये। निशांत जवाबी हमलों में बेहद प्रभावी दिखे और पहले राउंड के अंतिम सेकेंड में गति बढ़ाकर इसे आसानी से जीत लिया। अगले राउंड की शुरुआत से ही निशांत घातक दिख रहे थे। उन्होंने दबदबा बनाए रखते हुए मुकाबला एकतरफा करते हुए आसान जीत हासिल की। 23 वर्षीय निशांत आज रात क्वार्टर फाइनल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता यूएसए के ओमारी जोन्स से भिड़ेंगे। भारत ने निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), परवीन हुडा (57 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) के साथ पहले ही पेरिस ओलंपिक खेल 2024 के लिए चार कोटा हासिल कर लिया है।

अग्रवाल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल समापन

बंगाईगांव (नि.सं)। श्री अग्रवाल युवा परिषद द्वारा आयोजित अग्रवाल प्रीमियर लीग (एपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले संस्करण का भव्य समापन समारोह के साथ कल संपन्न हुआ। 7 मार्च को शुरू हुए इस लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल चार टीमों ने हिस्सा लिया, जिनके नाम एवं कप्तान इस प्रकार थे - **अग्रसेन टाईगर्स**- अभिषेक अग्रवाल, **रोयल फलेमींगोज**- सचिन अग्रवाल, **अग्रसेन वेरीयर्स**-प्रसान्त सिघंल और **गोलडन ईगल्स**- स्वयम अग्रवाल । फाइनल मैच अग्रसेन वॉरियर्स एवं रॉयल फ्लेमिंगो के बीच खेला गया तथा अंतिम ओवर में बोल और रनों की संख्या में अन्तर बहुत कम होने के कारण फाइनल मैच काफी रोमांचक होता चला गया। दोनों टीमों में कांटे की टक्कर देखी गई और अंत में अग्रसेन वॉरियर्स ने जीत का पर्चा लहराया एवं चेम्पियन ट्रॉफी अपने नाम की। रनर अप की ट्रॉफी रॉयल फ्लेमिंगोज ने जीती । प्रथम रनर अप एवं द्वितीय रनर अप की ट्रॉफी क्रमश: अग्रसेन टाइगर्स एवं गोल्डन ईगल्स ने अपने खाते में डाली। चारों ट्राफियों के प्रायोजक अपप्पू आटा की तरफ से प्रेमनाथ हरलालका थे। इस टूर्नामेंट में बेस्ट बैट्समैन का खिताब प्रतीक लुणावत को, बेस्ट बॉलर का खिताब ज्योति प्रकाश भाटी को एवं मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब बीजीत शर्मा को मिला । भव्य समापन समारोह का मंच संचालन करते हुए महेश कुमार अग्रवाल ने सभी टीमों के कप्तानों का सुक्ष्म साक्षात्कार लिया जिस दौरान जीत और हार पर उनसे पूछे गए प्रश्नों का चारों कप्तानों ने खेल भावना से प्रेरित होकर इस तरह प्रतिक्रिया दी कि उपस्थिति सभी लोगों ने दिल खोल के उनका तालियों से स्वागत किया। समापन समारोह में बंगाईगांव म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के चेयरमैन सुभाष चंद्र दास, बिरझोरा हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य किशोर दास, समाज की कई संस्थाओं के पदाधिकारीयों के अलावा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे जिनका फूलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। सुबोध चंद्र दास ने अपने संबोधन में अग्रवाल युवा परिषद की प्रशंसा की एवं आग्रह किया कि और अन्य खेलों का भी आयोजन किया जाना चाहिए । इस टूर्नामेंट में अग्रवाल समाज के अलावा मारवाड़ी समाज के जिन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया उन सभी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा चारों टीमों के मालिकों को भी उनके सहयोग के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। महेश कुमार अग्रवाल ने आयोजित अग्रवाल प्रीमियर लीग के ऊपर दो शब्द सबके सामने रखें एवं श्री अग्रवाल युवा परिषद के सभी सदस्यों को हार्दिक धन्यवाद दिया, जिन्होंने समाज के सभी खिलाड़ियों को खेलने का अवसर दिया तथा टूर्नामेंट में शामिल सभी खिलाड़ियों की प्रशंसा की कि उन्होंने सुन्दर आपसी तालमेल, समन्वय, सद्भावना एवं मैत्री भावना के साथ इस खेल को खेला। इसके बाद श्री अग्रवाल युवा परिषद के अध्यक्ष श्री गोविंद अग्रवाल ने समापन समारोह को संबोधित किया एवं भविष्य में समाज के सभी लोगों से इसी तरह सहयोग देने की कामना की। श्री अग्रवाल युवा परिषद के सचिव रंजीत सुरेका ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। ज्ञात होगी कि अग्रवाल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट अभिषेक अग्रवाल एवं आकाश अग्रवाल के संचालन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। श्री अग्रवाल युवा परिषद के अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल एवं सचिव रंजीत सुरेका ने क्रिकेट टूर्नामेंट को सफल करने के लिए सभी को हार्दिक धन्यवाद दिया।

ला लीगा : रियल मैड्रिड ने सेल्टा विगो को 4-0 से हराया

मैड्रिड (हि.स.)। रियल मैड्रिड ने रविवार दोपहर घरेलू मैदान पर संघर्षरत सेल्टा विगो को 4-0 से हराकर ला लीगा के शीर्ष पर अपनी सात अंकों की बढ़त बरकरार रखी है। मैच में रियल मैड्रिड ने तेज शुरुआत की। मैच के 21वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने गोल कर मैड्रिड को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि इसके बाद सेल्टा विगो की रक्षा पंक्ति ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए मध्यांतर तक मैड्रिड को कोई और गोल नहीं करने दिया। मध्यांतर के बाद मैच के 79वें मिनट में मैड्रिड के एंटोनियो रुडिगर का हेडर गोल पोस्ट से टकराया और सेल्टा के गोलकीपर विसेंट गुएटा की गलती से गोल पोस्ट में चला गया, जिससे रियल मैड्रिड की बढ़त 2-0 हो गई। इसके बाद कार्लोस डोमिंगुएज़ ने 88वें मिनट में गेंद को अपने ही गोल पोस्ट में डाल कर मैड्रिड की बढ़त 3-0 कर दी। इंजुरी टाइम में आर्दा गुलेर ने एक और बेहतरीन गोल कर मैड्रिड को 4-0 से जीत दिला दी।

आरसीसी भद्रवाह की टीम ने फ्रेंड्स 11 अखनूर से जीतकर अगले दौर में किया प्रवेश

कटड़ा (हि.स.)। कटड़ा प्रीमियर लीग के चलते सोमवार को सुबह आरसीसी भद्रवाह तथा फ्रेंड्स 11 अखनूर की टीमों के मध्य मैच खेला गया। इस महत्वपूर्ण मैच को आईसीसी भद्रवाह की टीम ने 128 विशाल रनों से जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। इससे पहले मैच में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पूर्व विधायक बलदेव राज शर्मा ने खिला?यों के साथ मुलाकात करने के साथ ही चांदी के सिक्के के साथ टॉस करवाई। टॉस फ्रेंड्स 11 अखनूर की टीम ने जीता और फील्डिंग करने का फेसला लिया। वहीं बल्लेबाजी करने उतरी आरसीसी भद्रवाह की टीम में 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 199 रन बनाए। भद्रवाह की टीम की ओर से बल्लेबाज मनोज डागर ने 35 गेंद में तूफानी 63 रन बनाए जिसमें तीन चौके और पांच छक्के शामिल थे और नाबाद रहे। वहीं विनीत सरवन ने 24 गेंद पर 45 रन बनाए जिसमें 6 चौके और दो छक्के शामिल थे। फ्रेंड्स 11 अखनूर की टीम की ओर से गेंदबाज अभिनंदन ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी फ्रेंडस 11 अखनूर की टीम 16 ओवर 2 गेंद में 71 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी। इसी तरह यह महत्वपूर्ण मैच आरसीसी भद्रवाह की टीम ने विशाल 128 रनों से जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। फ्रेंड्स 11 अखनूर की टीम की ओर से बल्लेबाज जिशु ने 20 गेंद में 33 रन बनाए जिसमें तीन चौके और 3 छक्के शामिल थे और नाबाद रहे। वहीं राहुल ने 12 गेंद में 8 रन बनाए जिसमें एक चौका शामिल था। आईसीसी भद्रवाह की टीम की ओर से गेंदबाज मनीष सेहरावत ने चार ओवर में 13 रन देकर 3 विकेट हासिल किए तो वहीं विकास ने चार ओवर में 12 रन लेकर चार विकेट हासिल किए और विपक्ष की टीम को पूरी तरह से धराशायी कर दिया। आईसीसी भदवाह की टीम के ऑलराउंडर खिलाड़ी मनीष सेहरावत को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया जिन्होंने 9 रन बनाने के साथ ही तीन महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। इस मौके पर आयोजकों द्वारा भद्रवाह टीम के ऑलराउंडर खिलाड़ी मनीष सेहरावत को 2100 रुपए नकद तथा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधायक बलदेव राज शर्मा ने श्री माता वैष्णो देवी स्पोर्ट्स क्लब कटड़ा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे खेल के आयोजनों से एक ओर युवा खेलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं तो दूसरी ओर खेलों में नाम रोशन कर रहे हैं जो सराहनीय है। बलदेव राज शर्मा ने कहा कि अधिक से अधिक युवा खेलों की ओर आकर्षित हों जिसको लेकर हर संभव सहायता की जाएगी।

आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार राशिद खान

नई दिल्ली (हि.स.)। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज के जरिये प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। लेगस्पिनिंग ऑलराउंडर पिछले साल नवंबर में 50 ओवर के विश्व कप के बाद से पीठ की सर्जरी के बाद क्रिकेट से दूर हैं। आयरलैंड ने एकमात्र टेस्ट मैच जीता जबकि अफगानिस्तान मौजूदा तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से आगे है। पहला मैच अफगानिस्तान ने 35 रन जीता था जबकि दूसरा मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। 12 मार्च को श्रृंखला के आखिरी वनडे के बाद, अफगानिस्तान तीन टी-20 मैचों में आयरलैंड से भिड़ेगा, जिसके मैच 15, 17 और 18 मार्च को शारजाह में होंगे। राशिद ने शनिवार (9 मार्च) को अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो साक्षात्कार में कहा था, योजना आगामी श्रृंखला (अफगानिस्तान के खिलाफ टी 20) में देश का प्रतिनिधित्व करने की है और प्रशिक्षण चल रहा है और आज दूसरा दिन था और शुक्र है कि यह अच्छा रहा और मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ दिन भी अच्छे होंगे ताकि मैं फिर से राष्ट्रीय जर्सी पहन सकूं और अपने देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करता रहूं। राशिद ने स्वीकार किया कि पिछले तीन महीने उनके लिए कठिन थे क्योंकि वह पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे थे। राशिद ने कहा कि पिछले तीन महीने कठिन थे क्योंकि मेरी सर्जरी हुई थी। मैं पिछले सात से आठ महीनों से पीठ की चोट से पीड़ित था और डॉक्टर ने मुझे विश्व कप से पहले ही सर्जरी कराने के लिए कहा था लेकिन मैंने विश्व कप खेलने का फैसला किया, क्योंकि यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण टूर्नामेंट थी। हालांकि मैं अब मैदान पर वापस आ गया हूं और अब अच्छा महसूस कर रहा हूं और अब मेरा ध्यान मैदान पर लौटने और देश में खुशी और सफलता लाने पर है। हालांकि यह वास्तव में बहुत कठिन था क्योंकि सर्जरी से गुजरना और फिर पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया से गुजरना आसान नहीं है क्योंकि आपको हर चीज पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है और आपको अपने पुनर्वास और प्रशिक्षण का ध्यान रखना होगा क्योंकि यह बहुत धीमी प्रक्रिया है क्योंकि आप धीरे-धीरे शुरू करेंगे पहले पैदल चलना और फिर जिम में वर्कआउट, इसलिए वे बहुत कठिन दिन थे। राशिद ने कहा कि हमेशा ध्यान अच्छा क्रिकेट खेलने और अच्छा प्रदर्शन करने पर होता है और हमने आयरलैंड के खिलाफ काफी खेला है और हमें उम्मीद है कि हम अच्छा करेंगे और अच्छा प्रदर्शन करेंगे क्योंकि यह आगामी टी-20 विश्व कप के लिए एक शानदार तैयारी है और इसलिए हमारा ध्यान इसका अधिकतम लाभ उठाने पर है।

अफ्रीकी खेल: तीसरे दिन नाइजीरिया ने जीते छह स्वर्ण, घाना ने हासिल किये 4 पदक

अकारा (हि.स.)। घाना के अकारा में चल रहे 13वें अफ्रीकी खेलों का तीसरा दिन नाइजीरिया के लिए स्वर्णिम सफलता वाला रहा। तीसरे दिन रविवार को नाइजीरिया ने कुश्ती में 6 स्वर्ण पदक हासिल किये। वहीं, मेजबान घाना ने भारोत्तोलन और तैराकी में चार पदक जीते। आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, नाइजीरिया को कुश्ती में पहला स्वर्ण पदक मर्सी जेनेसिस ने दिलाया। जेनेसिस ने रविवार को अकरा के हाना हथरामनी हॉल में महिलाओं की फ्रीस्टाइल 50 किग्रा कुश्ती वर्ग के फाइनल में मिस्र की अब्दुल्ला मोहम्मद को हराया। जेनेसिस ने अपने प्रतिद्वंद्वी को पिनफॉल के माध्यम से हराया और खेलों में नाइजीरिया के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला बनीं। इसके कुछ ही देर बाद क्रिस्टियाना ओगुनसान्या ने भी महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कोटे डी आइवर की बकायोको सेलीन-जोसी को 11-0 से हराया। फिर, ओडुनायो एडेकुओरोये ने महिलाओं की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल में मोरोको की ज़ैनब हसौने को पिनफॉल के माध्यम से 6-0 से हराकर नाइजीरिया को लगातार तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया। एडेकुओरोये ने इससे पहले 2015 में ब्रेज़ाविले में महिलाओं की 53 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती में स्वर्ण पदक जीता था, इसके बाद 2019 में रबात में 57 किग्रा वर्ग में अपग्रेड होने पर उन्होंने एक और स्वर्ण हासिल किया था।

अनहोनी को टालना है तो अपनाएं ये उपाय

घर में सुख-शांति बनी रहे, परिवार पर कभी विपत्ति नहीं आए, हम सभी इसी की कामना ईश्वर से करते हैं। लेकिन अनहोनी तो कहीं भी, कभी भी और किसी के साथ भी हो सकती है। अनहोनी को अगर टाला जा सके तो इससे इच्छा औरें या हो सकता है। वास्तु में इन आसान उपाय को अपनाकर अनहोनी को टाला जा सकता है।

प्रतिदिन सुबह और शाम जिस घर में कर्पूर का प्रयोग पूजा पाठ में किया जाता है, वहां किसी भी प्रकार की आकस्मिक दुर्घटना नहीं होती। प्रतिदिन सुबह, शाम और रात्रि को घी में भिगोया हुआ कर्पूर जलाएं। घर के शौचालय और बाथरूम में कर्पूर की 2-2 टिकियां रख दें। घी में भिगोकर कर्पूर के जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा फैलती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

अगर बार-बार दुघर्टना की स्थिति बन रही हो तो हनुमान जी के मंदिर में मिट्टी के दीये में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। कलाई पर मौली बंधवाएं। हनुमान मंदिर में गुड़-चने का प्रसाद बांटें। शनि मंदिर में इमली व संतरे अर्पित करें। भैरव मंदिर में सरसों के तेल में सिंदूर मिलकर दीपक जलाएं। यदि घर के किसी स्थान पर वास्तु दोष निर्मित हो रहा है तो वहां कर्पूर की 2 टिकियां रख दें। जब वह टिकियां गलकर समाप्त हो जाएं तब दूसरी दो टिकिया रख दें।

उपयोग

संतरे के छिलकों का ऐसे करें इस्तेमाल!

संतरा सर्दियों में ज्यादा खाया जाता है और इससे जुड़े फायदों के बारे में भी सभी जानते होंगे लेकिन इसके छिलको से होने वाले अनगित फायदों से बहुत से लोग अंजान होंगे। संतरे के छिलके को घर की सफाई से लेकर फ्रिज की बदबू को दूर करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। आइए जानते है संतरे के छिलके के अनगिनत फायदे।

1. एयर फ्रैशनर : संतरे के छिलके को एयर फ्रैशनर के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। कुछ संतरे के छिलके, चंदन या दालचीनी को इकट्ठा करके पॉटपुरी बनाकर घर के कमरों में रखें। इससे घर महका-महका लगेगा।

2. सिंक साफ करें : संतरे के ताजे छिलको को लेकर उसका अंदर का भाग सिंक साफा करने के लिए इस्तेमाल करें। संतरे का तेल गंदी सतहों की सफाई करने का प्राकृतिक कारक है।

3. खाद : संतरे के छिलके में नाइट्रोजन भरपूर होता है, जो पौधों में पोंयों के निर्माण में सहायक होता है। इसके अलावा संतरे के छिलके में कई पोषक तत्व होते हैं, बगीचे में खाद का काम करते है।

4. कीड़ों से छुटकारा : संतरे में प्राकृतिक एसिड होता है, जो मच्छरों, मोंखियों और अन्य कीड़ों को दूर रखता है। आप संतरे के रस से स्प्रीट्सर बना सकते हैं, इसे छिड़क सकते हैं।

गर्मियों में लगाएं घर पर बने फ्रुट्स फेस पैक

ल्थी रहने के लिए फ्रुटस खाना जितना जरूरी है, अपनी नैचरल`यूटी को बरकरार रखने के लिए फ्रुटस को स्किन पर लगाना भी उतना ही फायदेमंद है। जानें, कुछ ऐसे फ्रुटस पैक के बारे में जिन्हें लगाने पर आपका चेहरा ग्लो करने लगेगा... इतना ही नहीं इन फ्रुट पैस को अपने रूटीन में शामिल करने पर आपके चेहरे का ग्लो बरकरार भी रहेगा।

खीरे का फेस पैक

दो स्लाइस खीरा लें। इसे कद्दूकस की बारीक साइड से कस लें। कसे हुए खीरे में एक चेमच दही मिलाएं। तैयार पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। चिलचिलाती गर्मियों में यह आपको निखार के साथ ठंडक का अहसास भी देगा। अगर आपकी स्किन ऑइली है तो यह पैक आपको स्किन के ऐस्ट्रा ऑइल से भी मुक्ति दिलाएगा।

ऑरेंज फेस पैक

संतरे की 4 से 5 फांक लें। इनके ऊपर की पतली लेयर हटाकर इनके गूदे को कटोरी में निकालकर चेमच की मदद से मसल लें। अब इसमें आधा चेमच चंदन पाउडर मिलाएं। पेस्ट गाढ़ा लगे तो इसमें ऑरेंज की कुछ और स्लाइस या गुलाबजल की कुछ बूंदे मिला लें। ताकि यह त्वचा पर आसानी से फैल सके। तैयार पेस्ट को 20 से 25 मिनट तक चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसके बाद ताजे पानी से चेहरा धो लें।

पपीता फेस पैक

पपीता कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसका फेस पैक बनाने के लिए आप एक पके हुए पपीते को महीन कद्दूकर कर लें या मैश करके पेस्ट बना लें। इसमें कुछ बूंदे गुलाबजल की मिलाएं। तैयार पेस्ट को चेहरे, गर्दन सहित बॉडी के दूसरे खुले पार्ट्स पर भी लगा सकती हैं। करीब 20 मिनट बाद इसे ताजे पानी से धो लें।

युवा जगत

लड़कों को जरूर पता होनी चाहिए शेविंग से जुड़ी ये बातें!

कई लड़के रोजाना शेव करते हैं। गर्मी के मौसम में तो बालों की ग्रोथ और ज्यादा बढ़ जाती है जिससे रैगुलर शेव करना बहुत जरूरी हो जाती है। इस दौरान कई बार चेहरे पर कट लग जाता है इसलिए शेव के बाद बर्फ जरूर लगाएं जिससे दर्द से राहत मिलेगी और निशान भी नहीं पड़ेगा। गर्मी में शेव करते समय कुछ बातों का ध्यान जरूर देना चाहिए लेकिन कई पुरूष इस दौरान कई ऐसी गल्तियां कर देते हैं जो शेविंग के दौरान मुश्किल पैदा करती हैं।

- गर्मी में धूप की वजह से चेहरे की सारी नमी खो जाती है और स्किन हार्ड हो जाती है जिससे चेहरे पर रेजर स्मूथ नहीं चलता और चोट लगने का डर रहता है। इसके लिए हमेशा शेव करने से पहले चेहरे पर थोड़ा-सा लोशन लगाएं।

- कई लोग एक ही रेजर से काफी बार शेव कर लेते हैं। इससे रेजर में गंदगी इकट्ठी हो जाती है और चेहरे पर पिंपल्स और एलर्जी हो जाती है।

- हमेशा शेव उसी दिशा में करें जिस डायरैशन में बाल हों। गलत दिशा में `लेड चलाने से कट लग सकता है और इससे बालों की ग्रोथ भी खराब हो जाती है।

- शेविंग के दौरान हमेशा हल्के हाथों से रेजर चलाएं। ज्यादा जोर लगाने से स्किन पर दबाव पड़ता है जिससे त्वचा हार्ड हो जाती है और चोट भी लग सकती है।

- शेव करने के बाद कई लड़के घर में पड़ा कोई भी लोशन चेहरे पर लगा लेते हैं जोकि बहुत गलत है। शेव के बाद त्वचा रूखी हो जाती है और लोशन लगाने से यह और भी रूखी हो सकती है। इसलिए मर्दों को हमेशा एल्कोहल फ्री लोशन का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

रात को खाएंगे ये फूड्स तो पेट रहेंगा साफ!

बदलते लाइफस्टाइल और खान-पान में हो रहे बदलाव के कारण ज्यादातर लोगों को केज की समस्या रहती है। सुबह पेट अच्छे से साफ नहीं हो पाता और जिस वजह से सारा दिन आलस से भरा जाता है। केज की समस्या में फाइबर से भरपूर फूड्स खाने से फायदा मिलता है। आज हम आपको कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताएंगे, जिनका रात को सेवन करने से डाइजेशन की प्रॉबल्म दूर होती है।

1. बादाम : सोने से 2 घंटे पहले बादाम को पानी में भिगोकर रख दें। फिर रात को सोने से पहले छिलका उतार कर बादाम खाएं। इससे पेट साफ रहता है।

2. संतरा : संतरे को भी ठीक इसी तरह छिलकर खाएं या फिर सलाद में मिलाकर लें। सुबह पेट साफ रहता है।

3. किशमिश : रात को सोने से पहले पानी में किशमिश भिगोकर रख दें। फिर सोते समय इनका सेवन करें। सुबह अच्छी निकलेगी।

4. चावल : रात को बिना फ्राई किए चावल का सेवन करें`योंकि इससे इनजाइजेशन की प्रॉबल्म दूर रहती है।

5. पालक : पालक की सेजी बनाकर खाएं। इसके अलावा आप रात को पालक का जूस बनाकर भी पी सकते है। इससे पेट साफ रहता है।

6. पपीता : आप पपीते को ऐसे भी खा सकते है या फिर फ्रुट चाट में मिलाकर खाएं। इससे केज की समस्या काफी हद तक दूर रहती है।

7. केला : रात को सोने से पहले केले का सेवन जरूर करें। इसके अलावा आप इसका शेक बनाकर भी पी सकते है। इससे भी डाइजेशन की प्रॉबल्म दूर रहती है।

छोटे भाई को ऐसे दिलाएं जिम्मेदारियों का एहसास

भाई-बहन का रिश्ता बहुत ही प्यारा और अनमोल होता है। अेसर घर का सबसे छोटा सदस्य सब का लाडला कहलाता है। इसी लाडपन की वजह से वजह अपने काम के प्रति लापरवाह रहता है। हर किसी काम को करने के लिए नखरे दिखाने लगता है। खासकर दो भाईयों के बीच यह समस्या देखी जाती है। छोटा भाई अपना जिमेदारियों को न समझकर सारा काम अपने बड़े भाई पर डाल देता है और खुद लापरवाह हो जाता है। ऐसे में बड़े भाई को उसकी इस लापरवाही को नजरअंदाज करने के बजाएं, उसे खुद की जिमेदारियों का एहसास करवाना चाहिए। आज हम आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लेकर आए हैं जिन्हें फॉलों करके आप अपने छोटे भाई को जिमेदारियों का एहसास

दिला सकते हैं।

1. काम सोपें : रोजाना अपने छोटे भाई को कोई न कोई काम सोंपे। चाहे वे काम घर का हो या फिर बाहर का। काम केवल उनकी पसंद का ही नहीं, आपकी पसंद का भी हो। तभी वे जिमेदारी शेद को समझ सकेंगे और उनके अंदर जिमेवारी की भावना भी आएगी।

2. पैसे की कीमत समझाएं : अगर आपका भाई हर चीजों को लेकर डिमांड रखता है और पेरैंट्स को तंग करता है तो उसे घर की आर्थिक स्थिति के बारे में बताएं। उसे बताएं कि पैसा कितनी मुश्किल से कमाया जाता है।

3. खुद मिसाल बनें : जब वह घर और बाहर का सभी काम आप को जिमेदारी से निभाते हुए देखेगा तो आप को अपना रोलमौडल समझने लगेगा और खुद भी आप के जैसा बनने की पूरी कोशिश करेगा।

4. उस के काम को आप भी टाल दें: अगर भाई आप का कहना नहीं मानता, कोई भी काम जिमेदारी से नहीं करता और आप उस की इस आदत से परेशान हैं, तो आप उसे उसी की भाषा में समझाएं। कहने का मतलब यह है कि जब भी वे आपसे कोई काम करने को कहे तब आप भी उसके काम को मना कर दें।

नकसीर को तुरंत रोकेंगे ये 5 पक्के नुस्खे

नकसीर यानि नाक से खून आना। यह समस्या छोटे बच्चों में ज्यादा देखी जाती हैं। वैसे देखा जाए तो यह कोई बड़ी समस्या नहीं है लेकिन अगर यह समस्या आपको काफी समय से हैं तो जरा आप सावधान हो जाएं।`योंकि लंबे समय से नकसीर आना एक बड़ी बीमारी का कारण बन सकती हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे 5 घरेलू नुस्खे बताएंगे जो नकसीर रोकने में आपकी मदद करेंगे।

1. पीपल : पीपल के पोंों को पीस लें या कूट लें। फिर इसके रस की 4-5 बूंदे नाक में डालें। ऐसा करने से नकसीर में तुरंत आराम मिलेगा।

2. प्याज : प्याज को काटकर नाक के पास रखें और सूंघें। अगर आप प्याज नहीं सूंघना चाहते तो आप काली मिट्टी पर पानी छिड़ककर उसकी खुशबू को सूंघ सकते हैं।

3. ठंडा पानी : जिस व्यक्ति को नकसीर चल रही है उसे बिठाकर सिर पर ठंडे पानी की धार डालते हुए सिर भिगों दें।

4. लेट जाएं : जब नाक से खून बह रहा हो तो कुर्सी पर बिना टेका लिए बैठ जाएं, नाक की बजाए मुंह से सांस लें।

5. शीशम के पौ : अगर लगातार शीशम के पौ पीसकर उनका शर्बत सुबह-शाम पीया जाए तो नकसीर की समस्या पूरी तरह खत्म हो जाती है।

सीलन को इस तरह करें दूर और घर को बनाएं खूबसूरत

घर की दीवारों, छतों के किनारों, किचन या फिर बाथरूम में नजर आने वाली सीलन केवल बारिश के कारण ही नजर नहीं आती बल्कि इस के और भी कई कारण होते हैं।जैसे ग्राउंड वाटर यानी जमीन का पानी जो दीवारों से चढ़ता हुआ बिल्डिंग के ऊपर तक आ जाता है। अगर घर बनाते वक्त डीपीसी (डैंप फ्रुफिंग कोड) को ठीक से न करवाया गया हो तब यह समस्या आती है। इसी तरह दीवारों की दरारों से भी बारिश का पानी अंदर ही अंदर फैलता है, जो सीलन का कारण बनता है। इस के अलावा किचन या टॉयलेट की पाइप लाइन में कोई लीकेज हो तो भी सीलन आती है।

1. बरसात के मौसम में अगर आप चाहते हैं कि कीड़े आदि न हों तो आप घर की दीवारों पर लाइट कलर के पेंट करवाएं।

2. पेंट करवाने से पहले दीवारों की दरारों को भरवा दें ताकि ऊपर से किया गया वाटर प्रुफ पेंट टिका रहे और अच्छी लुक दें।

3. अगर आप के घर में सीलन नजर आ रही है तो घबराएं नहीं।

इस के लिए वाटरप्रूफिंग कंपाऊड आते हैं, जिन में इंस्टैंट वाटरप्रूफिंग कंपाऊड भी शामिल है और जो गीली दीवारों पर लगाने से भी असरकारक परिणाम देता है।

4. यदि आप नया घर बनवाने जा रहे हैं तो घरों में पीवीसी के पाइप लगवाएं। इस तरह की पाईप से सीलन का खतरा कम हो जाता है। लेकिन ग्राउंड वाटर ही सब से ज्यादा सीलन का कारण बनता है।

5. बारिश के मौसम में फर्नीचर को भी खास देखभाल की जरूरत पड़ती है। इसके लिए आप तेल और नींबू के रस को बराबर मात्रा में मिलाएं। इससे साफ करके सूखे कपड़े से पोछें। फर्नीचर चमक उठेगा।

6, सीलन के होने से कई बार घर में अजीब सी बदबू आने लगती हैं इससे छुटकारा पाने के लिए रंग-बिरंगे खुशबूदार फूलों से घर सजाना भी है बेस्ट ऑप्शन। इन फूलों को फॅलावर पॉट में सजाकर आप घर की खूबसूरती निखारने के साथ ही उसे खुशबू से भी महका सकते हैं।

हाई हील्स पहनने की शौकीन हैं तो काम आएंगे ये टिप्स

आजकल कपड़ों के नए- नए ट्रैंड के साथ सैंडलज के भी फैशन बदलते रहते है। अच्छी लुक के हाई हील सैंडल से हमारी पर्सनैल्टी का पता चलता है। इससे आपका आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है साथ ही साथ आपके पैर सुंदर दिखते हैं और आप फैशन के शौकीन जान पड़ते हैं। लेकिन यदि हम अपने लिए सैंडल खरीदते हुए सही हील न चुनें तो वह हमारी सेहत पर काफी बुरा असर तो डालती ही है साथ ही हमें अंदर ही अंदर यह बात भी दुख पहुंचाती रहती है कि इतने पैसे भी लगाए और सैंडल पहना भी नहीं। आज हम आपको इससे संबंधित कुछ टिप्स देते हैं जो आपको सैंडल की शॉपिंग करते हुए बहुत ही काम आएंगे।

1. आप जब भी अपने लिए सैंडल खरीदने जाएं तो जल्दबाजी न करें। कंफर्ट सबसे ऊपर है। इसलिए हाई हील की सैंडल खरीदते वक्त ध्यान दें कि जल्दबाजी में ऐसी कोई सैंडल न खरीद लें जो थोड़ी टाईट हो। आप सोचें कि घर पर बाद में पहनने से यह अपने आप एडजस्ट हो जाएगी तो ऐसा बिल्कुल नहीं होता।

2. समय -समय पर पैर का नाप लेते रहना चाहिऐ योंकि उम्र के साथ-साथ पैर के नाप में भी फर्क पड़ता रहता है।

3. जब भी हाई हील खरीदनी हो तो हमेशा दोपहर के समय ही सैंडल खरीदने जाएं योंकि दोपहर के समय आपका पैर सामान्य रूप से फैलता है और इसलिए आप अपने लिए सही सैंडल का चुनाव कर पाएंगे और ऐसी सैंडल ले पाएंगे जो आपको फिट आ रही हो।

4. अधिकतर जब भी हाई हील वियर करके चलते हैं तो इसकी टकटक की आवाज बहुत ही बुरी लगती है। इस समस्या से निजात पाने के लिए आप हील कैप को यूज कर सकते हैं। इससे आपको और आपके आस पास के लोगों को हील की आवाज नहीं आएगी।

5. जब भी सैंडल की शॉपिंग पर जाए तो पहले से ही अपने दिमाग में अपने कपड़ों से मैचिंग कलर को ध्यान में रख लें। नहीं तो आप जल्दबाजी में किसी ओर रंग के सैंडल भी खरीद सकते हैं जो आपके कपड़ों से मैच न करते हों।

प्रैग्नेंसी में कितना फायदेमंद है आम?

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को खास देखभाल और अच्छे खानपान की जरूरत होती है। बच्चा सेहतमंद हो इसके लिए जरूरी है कि मां अच्छे से अच्छे आहारों का सेवन करें। ऐसे में ये पता होना बहुत जरूरी है

कि इस दौरान`या खाना सही है और`या खाना गलत,`योंकि कई बार गर्भवती महिलाएं कुछ ऐसी चीजों का सेवन कर लेती हैं जो उनकी सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं। ऐसे में कुछ महिलाएं आम के सेवन को लेकर मन में भ्रम पैदा कर लेती हैं। वे सोचने लगती हैं कि कई इसका सेवन करके उन्हें कोई नुकसान तो नहीं पहुंचेगा। अगर आप भी ऐसा कुछ सोचती हैं तो आज हम आपकी इस कन्ज्यूजन को दूर करें देंगे। जी हां, बिल्कुल`योंकि आज हम आपको बताएंगे कि आम खाने का गर्भावस्था पर प्रभाव डलता है। दरअसल, आम एक मौसमी फल है। इसमें विटामिन ए, बी, सी, पोटैशियम और फोलिक एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो गर्भवती महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। इसके अलावा ये एंटीऑसीडेंट्स के गुणों से भी भरपूर है जो इयून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करते हैं। प्रैग्नेंसी में आम खाने से पाचन संबंधी समस्याओं में राहत मिलती है। केज की समस्या में आराम मिलता है लेकिन अगर आपको लड शुगर की समस्या है तो इसे खाने से बचे।

रेसिपी

वेज शामी कबाब

सामग्री

1 कप काले चने (उबले हुए), 1 प्याज (कटा हुआ), 1 चम्मच पुदीने की पत्तियां, 1 चम्मच धनिए की पत्तियां, 1 चम्मच धनिया पाऊडर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, 1 हरी मिर्च (कटी हुई), 1/2 चम्मच अदरक का पेस्ट, 1/2 चम्मच गरम मसाला पाऊडर, 2 चम्मच बेसन, नमक स्वादानुसार, तेल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले एक बाउल में उबले हुए चने, प्याज, पुदीने की पत्तियां, धनिए की पत्तियां, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, अदरक का पेस्ट, गरम मसाला, बेसन और नमक डालकर अच्छी तरह से मैश करके मिक्चर तैयार कर लें। अब छोटे से मिक्चर को हाथ में ले और उसे कबाब का आकार दें। इसी तरह से बाकी के सारे कबाब तैयार कर लें। पैन में तेल डालकर गर्म करें। अब कबाब को तेल में डालकर फ्राई करें। फ्राई करने के बाद इन्हें प्लेट में निकाल लें। शामी वेज कबाब तैयार है। इसे चटनी के साथ सर्व करें।

सूजी ड्राय फ्रूट गुजिया

सामग्री

मैदा - 2 कप (250 ग्राम), घी - द कप (60 ग्राम), दही या दूध - 1/4 कप, **स्टफिंग के लिए:** सूजी - 3/4 कप (150 ग्राम), पाउडर चीनी - 3/4 कप, ड्राय फ्रूट्स - 1 कप (काजू, अखरोट, बादाम, किशमिश), छोटी इलायची - 7-8, घी - गुजिया तलने के लिए और सूजी भूनने के लिए

विधि

मैदा को किसी बर्तन में निकाल लीजिए, घी और दही आटे में डाल कर, अच्छी तरह मिलाइए। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए पूरी के आटे से थोड़ा सख्त आटा गूंथ लीजिए। आटे को आधे घंटे के लिए ढककर रख दीजिए। **स्टफिंग बना लीजिए:** सभी ड्राय फ्रूट्स छोटे छोटे काट कर तैयार कर लीजिए और इलायची को छीलकर पाउडर बना लीजिए। कढ़ाई में 2 टेबल स्पून घी डालकर गरम कीजिए। घी में सूजी डालकर लगातार चलाते हुए हल्का गोल्डन ब्राउन होने तक भूनिए। सूजी के भूनने पर इसमें कटे हुए ड्राय फ्रूट्स डाल दीजिए और 1-2 मिनिट मिक्स करते हुए भून लीजिए। आटे को मसल-मसल कर मुलायम कीजिए, और आटे से छोटी छोटी 25 लोई तोड़ कर बना लीजिए, लोइयों को ढककर रखिए। सूजी के हल्का ठंडा होने पर इसमें पाउडर चीनी और इलायची का पाउडर डाल कर मिला लीजिए। एक लोई निकालिए 3-4 इंच के व्यास में पूरी बेलिए, बेली हुई पूरी थाली में रखते जाइए। अब इन्हें भर कर गुजिया तैयार कर लीजिए। एक पूरी उठाइए, पूरी को सांचे के ऊपर रखिए। एक या डेढ़ चम्मच स्टफिंग पूरी के ऊपर डालिए, किनारों पर उंगली के सहारे से पानी लगाइए। इसी तरह सारी गुजिया बेल कर भर कर बना कर तैयार कर लीजिए। **गुजिया तल लीजिए:** मीडियम गरम घी में गुजिया डालिए और हल्के ब्राउन होने तक पलट-पलट कर तल लीजिए। कढ़ाई से गुजिया, तिशु पेपर बिछी प्लेट में निकालिए। गुजिया तैयार हैं, गरमा गरमा गुजिया परोसिये और खाइए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**